ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

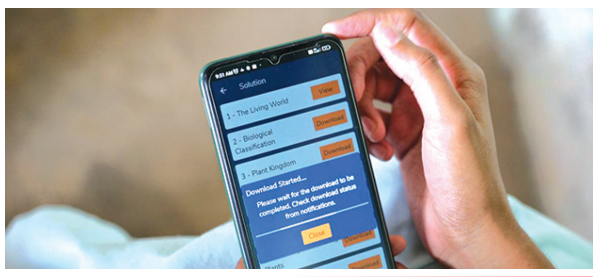

छात्रों के बीच जिम्मेदार डिजिटल उपयोग पर राज्य-स्तरीय परामर्श ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-286

कांग्रेस गरीबी हटाओ के नारे लगाती रही हमने देश को रुग्ण-5 से सम्पन्न-5 बनाया

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा कि भारत की रफ्तार अब रुकने वाली नहीं है। नए भारत का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि भारत अब मुंहतोड़ जवाब देता है, ऑपरेशन सिंदूर और सर्जिकल स्ट्राइक करता है। उन्होंने कांग्रेस पर तीखे तंज कसते हुए कहा कि वे दशकों तक गरीबी हटाओ के नारे लगाते रहे, लेकिन गरीबी कम नहीं हुई।

माओवादी आतंक 125 जिलों से सिमटकर अब 11 जिलों में रह गया है

कांग्रेस की नीति 'डूब रहा है, ताला लगाओ' की थी, जबकि आज पीएसयू रिकॉर्ड बना रहे हैं

अब भारत आतंकी हमलों के बाद चुप नहीं बैठता, बल्कि मुंहतोड़ जवाब देता है

पीएम मोदी ने कहा कि माओवादी आतंक पर मैं बहुत बेचैनी महसूस करता था। जुबां पर ताला लगाकर बैठा था। आज पहली बार अपने दर्द को मैं आपके सामने बयां कर रहा हूं। मैं उन माताओं को जानता हूं जिन्होंने अपने लाल खोए हैं। उन माताओं की अपने लाल से आशाएं थीं। वे माओवादी आतंकियों की झूठी बातों में फंस गए। इसलिए 2014 के बाद हमारी सरकार ने पूरी संवेदनशीलता के साथ भटके नौजवानों को मुख्य धारा में लाने का प्रयास किया। मैं देशवासियों को पहली बार कह रहा हूं कि उन्हें संतोष होगा, वे मुझे आशीर्वाद देंगे। 11 साल पहले तक देश के 125 से ज्यादा जिले माओवादी आतंक से प्रभावित थे, आज यह संख्या सिर्फ 11 जिलों तक सिमट गई है।

उन्होंने आगे कहा कि मैं माओवादी आतंकी कथा सुनाना चाहता हूं। कांग्रेस के शासन में अर्बन नक्सलियों का इको सिस्टम था। वह इस कदर हावी था, बल्कि आज भी है... माओवादी आतंक की कोई भी घटना देश के लोगों तक नहीं पहुंचे, वह बहुत बड़ी सेंसरशिप चलाते थे। हमारे देश में आतंकवाद की इतनी चर्चा होती थी, आर्टिकल 370 पर चर्चा होती थी, लेकिन हमारी शहरों में कांग्रेस के राज में पनपे हुए अर्बन नक्सली माओवादी आतंक पर पर्दा डालने का काम करते थे। देश को अंधेरे में रखते थे। कुछ दिन पहले माओवादी आतंक के कई पीड़ित दिल्ली आए थे। यह बड़ी दर्दनाक चीज है। किसी की टांग नहीं थी, किसी की आंख नहीं थी। ये माओवादी आतंक के शिकार थे। सात दिन वह दिल्ली में रहे। हाथ-पैर जोड़कर उन्होंने कहा कि हमारी बात हिंदुस्तान के लोगों तक पहुंचाइए। माओवादी आतंक के ठेकेदारों ने उनकी दर्द की कथा नहीं पहुंचने दी।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकारी कंपनियों पर कांग्रेस ताले लटकाकर चैन की नींद सो जाती थी। डूब रहा है, ताला लगाओ की नीति थी। कांग्रेस की सोच रही कि क्यों इतनी मेहनत करेंगे। डूबेगा तो डूबेगा, हमारी जेब से क्या जाएगा। हमने इस सोच को बदल दिया है। एलआईसी हो, एसबीआई हो या हमारे बड़े बड़े पीएसयू हों, सभी बड़े-बड़े रेकॉर्ड बना रहे हैं। जब सरकारी नीतियों के मूल में लोकतांत्रिकरण होता है, तो देशवासियों का मनोबल ऊंचा होता है। सरकार कहती रह गई गरीब हटाओ। इस परिवार के सारे भाषण सुन लीजिए। इस परिवार के जो-जो लाल किले पर भाषण फहराने गए हैं, कोई ऐसा नेता नहीं था, जिसने गरीबी पर भाषण नहीं दिया। लेकिन गरीब कम नहीं हुए।

उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से देश में 60 साल तक सरकार चलाने वाली कांग्रेस ने हमेशा पॉलिसी के सरकारीकरण पर जोर दिया। जबकि बीते 11 सालों में हमने पॉलिसी के प्रोसेस के लोकतांत्रिकरण पर काम किया। अनस्टॉपेबल भारत के पीछे यह भी एक बड़ी वजह है। बैंकिंग का ही उदाहरण लीजिए। 60 के दशक में इंदिरा गांधी जी द्वारा बैंकों का क्या कहकर सरकारीकरण किया गया। कहा गया कि गरीबों, किसानों यानी आम लोगों तक सरकारी सुविधा पहुंचानी है, यह तर्क दिया गया। जबकि कांग्रेस ने क्या किया?

बैंकों को देश की जनता से और दूर कर दिया। गरीब तो बैंक के दरवाजे तक जाने से भी डरता था। 2014 में देश की आधी से अधिक आबादी के पास अपना एक खाता तक नहीं था। इसका मतलब था कि देश की बहुत बड़ी आबादी बैंकिंग से वंचित थी।

पीएम ने कहा, भारत में एक समय रिफॉर्म हुआ था। एक इकोसिस्टम उसके गीत बहुत गाता है। लेकिन वह कम्पलसन के कारण था। आज रिफॉर्म कन्विक्शन के कारण हो रहा है। आईएमएफ चीफ ने एक उदाहरण भी दिया कि बड़े स्तर पर डिजिटल आइडेंटिटि देना मुमकिन नहीं है। भारत ने सबको गलत करके दिखाया है। आज फिनटेक की दुनिया में 50 पर्सेंट ट्रांजेक्शन भारत में हो रहा है। भारत का यूपीआई दुनिया के डिजिटल पेमेंट सिस्टम को डोमिनेट कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, दुनिया आज भारत में अपने लिए कितने बड़े अवसर हैं, इसे आशा के साथ देख रही है। जी-7 देशों के साथ हमारा ट्रेड 60 पर्सेंट से ज्यादा बढ़ चुका है। पूरी दुनिया आज भारत को विश्वसनीय पार्टनर के रूप में देख रही है। निवेश की लहर भारत में आ रही है। यही निवेश भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन का सेंटर बना रही है।

उन्होंने आर्थिक आंकड़ों का जिक्र करते हुए कहा, भारत की एवरेज ग्रोथ 7.8 पर्सेंट रही है। यह अभूतपूर्व है, अप्रत्याशित है। ▶10पर

अब भारत से कोई दादागीरी नहीं कर सकता दुनिया सुनती है हमारी बात : राजनाथ सिंह

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजनाथ सिंह ने वहां एक बड़ा बयान दिया है। राजनाथ सिंह ने दम भरते हुए कहा कि आज, जब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बोलता है, तो दुनिया ध्यान से सुनती है कि भारत क्या कह रहा है। अब भारत के साथ कोई दादागिरी नहीं कर सकताफ और मुझे लगता है कि दुनिया का कोई भी देश ऐसी गलतफहमी नहीं पालेगा। इससे पहले राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू गया है, जो कुछ साल पहले के 1,000 करोड़ रुपये से एक बड़ी छलांग है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार ने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में, आरएमओ इंडिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हवाले से कहा कि हमारा रक्षा निर्यात, जो पहले 1,000 करोड़ रुपये से कम हुआ करता था, अब रिकॉर्ड 25,000 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है। हमने अब 2029 तक घरेलू रक्षा विनिर्माण में 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात में 50,000 करोड़ रुपये हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

इस बीच, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता में इसके बढ़ते योगदान के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की सराहना की, क्योंकि उन्होंने तेजस एमके 1 ए की पहली उड़ान में भाग लिया और एचएएल के नासिक परिसर में नई विमान उत्पादन लाइनों का उद्घाटन किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि यह नासिक स्थित उनके संयंत्र का पहला दौरा था और उन्होंने वहाँ कार्यरत लोगों के उत्साह की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, एचएएल के नासिक परिसर का दौरा करने का यह मेरा पहला अवसर है और मैं यहाँ कार्यरत सभी लोगों के चेहरों पर उत्साह और गर्व देख सकता हूँ। मैं एलसीए एमके1ए और एसयू-30 विमान उड़ाने वाले पायलटों को अपनी शुभकामनाएँ देता हूँ।

सिंह ने तेजस एमके1ए के लिए एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी-40 विमान के लिए दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन किया। सिंह ने आगे कहा, आज एमके1ए के लिए एचएएल की तीसरी उत्पादन लाइन और एचटीटी-40 विमान के लिए दूसरी उत्पादन लाइन का उद्घाटन है। इस अवसर पर सभी को बधाई। नासिक की भूमि ऐतिहासिक है - भगवान शिव यहाँ त्र्यंबकेश्वर के रूप में विराजमान हैं। यह भूमि न केवल आस्था और भक्ति की है, बल्कि अब आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन गई है। ▶10पर

मोदी ने श्रीलंका की पीएम और मिस्र के विदेश मंत्री से की मुलाकात, कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और श्रीलंका के ऐतिहासिक व बहुआयामी संबंधों को नई गति देने के उद्देश्य से श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरीनी अमरासूरिया ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्रीलंकाई प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि उनकी यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और सुदृढ़ बनाएगी। उन्होंने इस वर्ष अप्रैल में श्रीलंका की अपनी राजकीय यात्रा को याद किया, जिसके दौरान उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा डिसानायका के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग को लेकर उपयोगी चर्चाएं की थीं। दोनों नेताओं ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार, विकास सहयोग और मछुआरों के कल्याण जैसे कई क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-श्रीलंका के विशेष संबंधों को रेखांकित करते हुए साझा विकास यात्रा में मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने राष्ट्रपति डिसानायका को अपनी शुभकामनाएं भी प्रेषित कीं और भविष्य में निरंतर संवाद की आशा जताई। इसी क्रम में, मिस्र के विदेश मंत्री डॉ. बद्र अब्देलाती ने भी प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति सीसी को गाजा शांति समझौते में मिस्र की अहम भूमिका के लिए बधाई दी और उम्मीद जताई कि यह ▶10पर

गुजरात कैबिनेट में बड़ा फेरबदल

हर्ष सांघवी बने उपमुख्यमंत्री

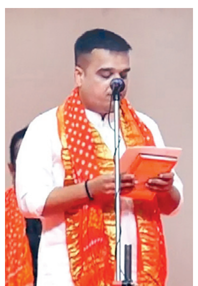

अहमदाबाद, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता हर्ष सांघवी ने शुक्रवार को गुजरात के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इससे एक दिन पहले ही राज्य के सभी 16 मंत्रियों ने कैबिनेट फेरबदल के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को छोड़कर इस्तीफा दे दिया था।

सांघवी, जिन्होंने 2022 के गुजरात विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार पीवीएस सरमा को 1,16,675 मतों से हराकर माजुरा निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की थी, ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत की उपस्थिति में गांधीनगर स्थित राजभवन में आयोजित एक समारोह में गुजरात के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

गुजरात की भाजपा सरकार ने शुक्रवार को 26 सदस्यीय नए मंत्रिमंडल का गठन किया, जिसमें राज्य के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने उपमुख्यमंत्री और क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रीवाबा जडेजा ने मंत्री पद की शपथ ली। 2022 के विधानसभा चुनावों में आप उम्मीदवार को एक लाख से ज़्यादा मतों से हराकर भारी जीत हासिल करने वाले संघवी ने राज्यपाल आचार्य देवव्रत की उपस्थिति में गांधीनगर स्थित राजभवन में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के उप-मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। नए मंत्रिमंडल में कई जाने-पहचाने चेहरे शामिल हैं, जिनमें छह मंत्री वापस आए हैं: ऋषिकेश पटेल, कनुभाई देसाई, कुंवरजी बावलिया, प्रफुल्ल पंसेरिया, पुरुषोत्तम सोलंकी और स्वयं संघवी। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने देश में 'डिजिटल अरेस्ट' की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जताई

केंद्र का जवाब मांगा

नई दिल्ली, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने हरियाणा के अंबाला में अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेशों के आधार पर एक बुजुर्ग दंपति को 'डिजिटल अरेस्ट' कर उनसे 1.05 करोड़ रुपये की उगाही की घटना को शुक्रवार को गंभीरता से लिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर चिंता जताई और 73 वर्षीय महिला द्वारा भारत के प्रधान न्यायाधीश ▶10पर

अमित शाह ने साधा राजद पर निशाना

15 साल के जंगलराज ने बिहार को आधी सदी पीछे धकेला

सारण, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार विधानसभा चुनाव में दिवंगत अपराधी शहाबुद्दीन के बेटे को टिकट देने पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की कड़ी आलोचना की। सारण में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा कि बिहार को सुरक्षित रखने के लिए मोदी-नीतीश की जोड़ी को फिर से सत्ता में लाना होगा। शाह ने कहा कि मैंने राजद-राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवारों की सूची देखी है, और उसमें शहाबुद्दीन के बेटे का नाम भी है। अगर राजद शहाबुद्दीन के बेटे को चुनाव का टिकट दे दे, तो क्या बिहार सुरक्षित रह सकता है? अगर हमें बिहार को सुरक्षित रखना है, तो हमें मोदी-नीतीश की जोड़ी को फिर से लाना होगा।

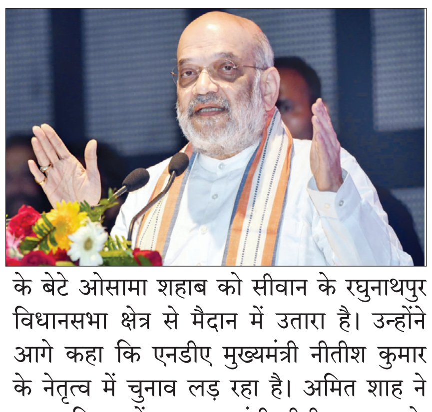

राजद ने आगामी चुनावों के लिए शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को सीवान के रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से मैदान में उतारा है। उन्होंने आगे कहा कि एनडीए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है। अमित शाह ने कहा, बिहार में हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहे हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं। ▶10पर

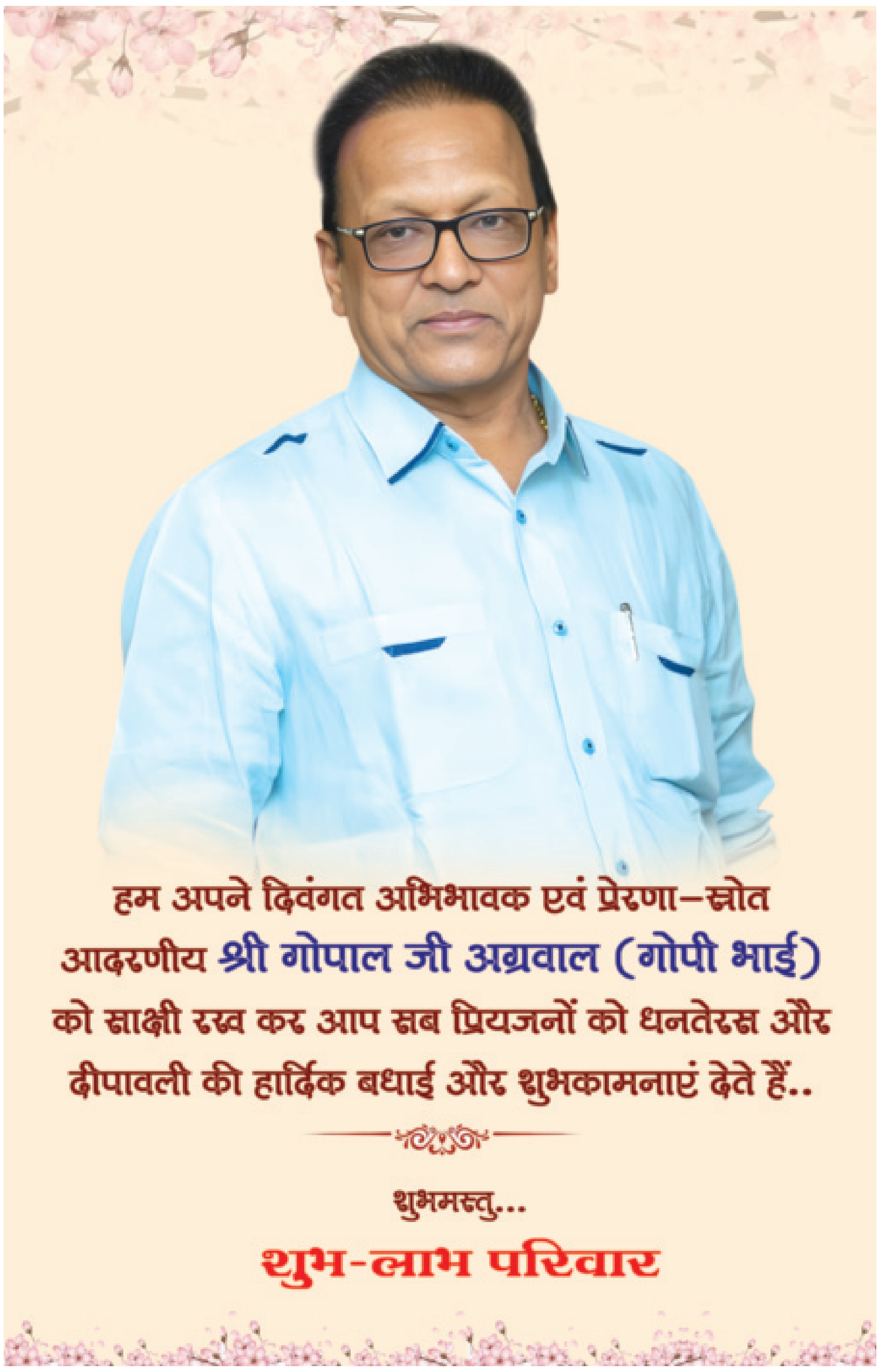

दपरे के बेंगलूरु डिवीजन ने सभी दिशाओं में विशेष ट्रेनें चलाने के लिए कई पहल की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
दिवाली और छठ पूजा की त्योहारी भीड़ के साथ-साथ लंबे सप्ताहांत की भीड़ को पूरा करने के लिए, दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने सभी दिशाओं में विशेष ट्रेनें चलाने के लिए कई पहल की हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य यात्री यातायात में वृद्धि को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करना और यह सुनिश्चित करना है कि लोग अपने गृहनगर तक सुरक्षित और आराम से पहुंच सकें। यात्रा पैटर्न और प्रतीक्षा सूची के रुझान को पहले से समझने के लिए बेंगलूरु डिवीजन द्वारा एक व्यापक विश्लेषण किया गया था। आवश्यक ट्रेनों और कोचों की पहचान करने, उनका उचित रखरखाव सुनिश्चित करने और तदनुसार ट्रेन सेवाओं की योजना बनाने के लिए युद्ध स्तर पर अभ्यास किया गया। बेंगलूरु डिवीजन ने ट्रेनों के लिए रखरखाव

स्लॉट की पहचान करने के साथ-साथ प्लेटफॉर्म और यात्रा पथ आवंटित करने के लिए रेलवे बोर्ड, अन्य जोनल रेलवे और डिवीजनों के साथ समन्वय में लगातार काम किया है। इन उपायों से त्योहारी सीजन के दौरान यात्री ट्रेनों का यथासंभव अधिकतम परिचालन संभव हो सका है। इन ठोस प्रयासों के परिणामस्वरूप, इस दिवाली सीजन के दौरान संचालित विशेष ट्रेनों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है। त्योहारी भीड़ को संभालने के लिए, पिछले वर्ष के दौरान 36 की तुलना में चालू दिवाली सीजन के दौरान 95 से अधिक विशेष ट्रेनें संचालित की गईं।

ट्रेनें सभी दिशाओं में चलाई गई हैं, जिनमें कर्नाटक के बेलगावी, बीदर, हुब्बल्ली, कारवार, मैसूरु और विजयपुरा जैसे गंतव्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सेवाओं को अनुकूलित करने के लिए कोल्लम, तिरुचिरापल्ली और चेन्नई सहित तमिलनाडु और केरल की ओर सप्ताहांत की भीड़ के दौरान यात्रा पैटर्न का विश्लेषण किया गया।

नरसापुर, विशाखापत्तनम, भुवनेश्वर और बिलासपुर जैसे गंतव्यों के लिए विशेष ट्रेनों को भी अधिसूचित किया गया है। लंबी दूरी की यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए, पटना, दानापुर के लिए 20 ट्रेनें संचालित की गई हैं। इसके अलावा गोमतीनगर, लालकुआं, ऋषिकेश, हावड़ा, संतरागाछी, तिनसुकिया और नारंगी के लिए भी कई ट्रेनें चलाई गई हैं। बेंगलूरु डिवीजन ने सभी संभावित संसाधन जुटाने के लिए व्यापक उपाय किए हैं और बेंगलूरु से प्रस्थान करने वाले यात्रियों के लिए यात्रा को यथासंभव सुगम और आरामदायक बनाने के लिए विभिन्न रेलवे जोनों के साथ समन्वय किया है। इन प्रयासों को प्रभावी टर्मिनल प्रबंधन और एसएमवीटी बेंगलूरु, कृष्णराजपुरम, केएसआर बेंगलूरु और यशवंतपुर जैसे प्रमुख टर्मिनलों पर विशेष होल्डिंग क्षेत्रों के निर्माण द्वारा समर्थित किया गया है। ये होल्डिंग क्षेत्र अतिरिक्त सुरक्षा और टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ-साथ यात्री जानकारी, टिकटिंग सहायता, पीने के पानी, बैठने की व्यवस्था, स्पीकर सिस्टम और टीवी स्क्रीन की सुविधाओं से सुसज्जित हैं, जिससे यात्रियों को समय पर अपडेट और एक निर्बाध यात्रा अनुभव प्राप्त होता है। इसके अलावा, बोर्डिंग प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए इन टर्मिनलों पर कतार प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है। अधिकारियों को चौबीसों घंटे साइट पर रहने, सेवाओं के सुचारू संचालन, बढ़ी हुई सुरक्षा और उचित यात्री सुविधाओं को सुनिश्चित करने के लिए विशेष कर्तव्य सौंपे गए हैं।

धर्म स्थान का अपना महत्व और मर्यादा : साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में उत्तराध्ययन सूत्र का विवेचन करते हुए साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि धर्म स्थान का अपना महत्व और मर्यादा होती है।

धर्म स्थान पवित्र स्थान होता है और इसकी पावनता बनाए रखना हम सभी का कर्तव्य है। धर्म स्थान पर हम संयमित वस्त्र पहन कर आएं। अश्लील, भड़कीले, अंग प्रदर्शन करते हुए वस्त्र धर्म स्थान के परमाणुओं को अपवित्र कर देते हैं।

माता पिता का कर्तव्य है कि वे शुरू से ही अपने बच्चों को वस्त्रों का अनुशासन समझाएं। छोटे और अशोभनीय वस्त्रों से रिश्तों की मर्यादाएं भी तार तार हो जाती हैं। लज्जा खत्म हो रही हैं। ऐसा लगता है कि कुएं में नहीं बल्कि हवा में ही भांग घुल गई है। उत्तराध्ययन सूत्र के अनाथी मुनि चरित्र का विवेचन करते हुए

इंदुप्रभा जी ने कहा कि इस जगत का कोई भी रिश्ता शरण देने में सक्षम नहीं है। माता पिता भाई दल बल कोई भी इस जीव को मृत्यु से नहीं बचा सकता है। मात्र धर्म ही इस आत्मा की रक्षा कर सकता है। संसार सुख वैभव आकर्षण के नहीं बल्कि वैराग्य के निमित्त बनने चाहिए। इस शरीर का अंत मुट्ठी भर राख में होना है। फिर किस बात का घमंड हम करें। मन वचन काया का संवर करें और हमेशा मन में दीक्षा लेने के भाव रखें। हमारे रोम रोम में प्रभु की वाणी के प्रति श्रद्धा बहनी चाहिए। दीपावली प्रसंग पर स्थानीय जे पी पी महिला फाउंडेशन ने पहनने योग्य वस्त्रों का संकलन कर व्यवस्थित कर आवश्यक जनों में वितरित किए। साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने मूल सूत्र का वाचन किया। संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए बताया कि आगामी बुधवार को सुबह नव वर्ष की मांगलिक होगी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

विश्व शांति हेतु अद्वितीय ओम भिक्षु महाजप अनुष्ठान आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित विश्व स्तरीय विश्व शांति हेतु अद्वितीय'ओम भिक्षु महाजप अनुष्ठान' आर.आर नगर महिला मंडल द्वारा शुक्रवार को प्रातः 9 बजे से 10 बजे तक तेरापंथ भवन, राजराजेश्वरी नगर में साध्वी श्री पुण्ययशा जी के पावन सान्निध्य में अत्यंत श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न हुआ। एक घंटे तक निर्बाध रूप से चले इस सामूहिक जप अनुष्ठान में सभा, युवक परिषद एवं महिला मंडल के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनों ने सहभागी बनकर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित किया।

साध्वी जी ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में सामूहिक जप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सामूहिक रूप से किया गया जप सकारात्मक ऊर्जा का सृजन करता है, जिससे जीवन में नई चेतना और उन्नति का संचार होता है।

संयोजिका लता बाफना ने अपनी सूझबूझ, लगन और समर्पण से इस कार्यक्रम को अत्यंत सुचारु, गरिमामय और सफल बनाया। साथ ही, मंत्री वंदना भंसाली, अध्यक्ष मंजू बोथरा तथा उन सभी सहयोगी बहनों के प्रति आभार जिनके सहयोग, समर्पण और टीम भावना ने इस आयोजन को पूर्णता और सार्थकता प्रदान की।

जब तक मानव अपनी शक्तियों को नहीं जानेगा उसका कल्याण नहीं होगा: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि प्रभु महावीर के निर्वाण उत्वस के पावन प्रसंग पर प्रभु की भव्य वाणी का रसा स्वादन चल रहा है। प्रभु ने मानव पर अनंत उपकार किए हैं। आज उनकी वाणी के सहारे ही सभी धर्म के पास हैं और पाप से बचने की कोशिश कर रहे हैं। प्रभु ने लाखों लाखों प्राणियों की डूबती हुई नैया को पार लगाया है। उन्होंने लाखों प्राणियों के जीवन की रक्षा की शिक्षा दी। जिससे लाखों पशुओं की वध की प्रक्रिया बंद हुई। भगवान ने अपनी वाणी में मानव की शक्ति बताई है। जब तक मानव अपनी शक्तियों को नहीं जानेगा उसका कल्याण नहीं होगा। ज्ञान आने के बाद ही मानव को

उसके शक्तियों के बारे में पता चलता है। उत्तराध्ययन सूत्र के 22वें अध्ययन का नाम रथनेमी है। रथनेमी ने दीक्षा लेकर संयम का मार्ग ग्रहण किया। एक बार रथनेमी गुफा में तपस्या कर रहे थे कि उसी समय राजीमति वहां पहुंच गई। जब रथनेमी ने राजीमति को देखा तो उनका मन विचलित हुआ और उन्होंने राजीमति से शादी करने का प्रस्ताव रख दिया। इस बात से नाराज होकर राजीमति ने रथनेमी को बहुत खरीखोटी सुनाई। कभी कभी ऐसा मौका आता है जब सुरवीर बन कर खरीखोटी सुनाना पड़ता है। कुछ समय ऐसा आता है जब लोग परेशानी के बाद भी खरा कहने से संकोच करते हैं। लेकिन याद रखो कभी कभी खरा कहना सीखो भले ही सामने वाले को बुरा लग जाए। एक बार बुरा लगेगा, लेकिन बाद में सब सही हो जाएगा। अगर वक्त पर खरा नहीं बोला तो बार बार परेशान होना पड़ेगा।

सच्चाई लोगों को अक्सर बुरी लगती है। लेकिन सच्चाई को कटु शब्दों में बोलना जरूरी होता है। यही बात राजीमति ने रथनेमी को कहा था। राजीमति के फटकार लगाने के बाद रथनेमी शांत हो गए। उन्होंने कहा था कि चंचल मन हो जाने के बाद साधना से मन भटक जाएगा।

जिसके बाद रथनेमी ने दीक्षा ली और साधना के मार्ग पर बढ गए। गुरुदेव ने फरमाया कि नारि को अबला नहीं समझना चाहिए। नारि शक्ति बहुत ही महान होती है। राजीमति ने रथनेमी के विचलित मन को स्थिर किया था। मन को बस में रखना बहुत जरूरी होता है। जब मानव का मन नियंत्रण में होता है तो संयम का मार्ग आसान हो जाता है। 23वें अध्ययन में भगवान ने संयम को सुरक्षित रख कर भव काटने की बात कही है। जब मानव संयम में रहेगा तो पाप के मार्ग पर जाने से बचेगा।

पाप के मार्ग से बचना ही मोक्ष का मार्ग है। 24वें अध्ययन में सच्चे यज्ञ के बारे में उल्लेख है। जब तक सच्चा यज्ञ नहीं होगा सच्ची तप नहीं होगी जीवन का कल्याण संभव नहीं है। जो मानव बताए मार्गों पर चलेंगे उनका कल्याण निश्चित है। सभा में उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने स्वागत किया। कोषाध्यक्ष मनोहरलाल मुथा ने आभार व्यक्त किया। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया। रविवार को सुबह 9 बजे से प्रवचन में श्रमण संघीय तृतीय आचार्य सम्राट 1008 श्री देवेन्द्र मुनि जी की जन्म जयंती मनाई जाएगी।

सुमार्ग से ही मिलती है मोक्ष की गति: साध्वी उपासना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में विराजित साध्वी निर्मलाजी के सान्निध्य में साध्वी उपासना ने अट्ठाईसवें अध्ययन 'मोक्षमार्ग गति' का विवेचन करते हुए कहा कि मोक्ष वह अवस्था है जहां पहुंचने के बाद गमन-आगमन, भटकन और पुनर्जन्म की प्रक्रिया समाप्त हो जाती है। मोह का क्षय ही मोक्ष है। मार्ग अर्थात रास्ता, पथ या राह यह दो प्रकार के होते हैं सुमार्ग और कुमार्ग। गति का अर्थ केवल चलना नहीं, बल्कि सही दिशा में प्रगति करना है। मोक्ष हमारी मंजिल है, मार्ग हमारा लक्ष्य, और गति उस मंजिल की ओर प्रयाण है। साध्वी उपासना ने कहा कि हमें यह देखना चाहिए कि हमारी गति किस दिशा में है। हम मोक्ष की ओर बढ़ रहे हैं या संसार की ओर लौट रहे हैं। हमारी

दिशा सत्य की ओर है या असत्य की ओर। यदि लक्ष्य है, मार्ग है, पर गति नहीं है, तो मंजिल प्राप्त नहीं हो सकती। आज हम अज्ञान की पट्टी आँखों पर बाँधकर चल रहे हैं, इसलिए भटक रहे हैं। जैसे ही हम होश में चलना शुरू करते हैं और अज्ञान की पट्टी को खोल देते हैं, तभी मोक्ष रूपी लक्ष्य तक पहुंच सकते हैं। मोक्ष हमारी मंजिल है और वहां पहुंचने के लिए परमात्मा ने चार प्रमुख मार्ग बताए हैं सम्यक दर्शन सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र, और सम्यक तप।

इन चारों मार्गों के साथ 'सम्यक' शब्द जुड़ा है जो उनके शुद्ध, सच्चे और विवेकपूर्ण रूप को इंगित करता है। 'सम्यक दर्शन' अर्थात् तत्व को जानना, उसे मानना और उस पर दृढ़ श्रद्धा रखना ही सम्यक दर्शन है। मुख्य रूप से दो तत्व बताए गए हैं - जड-चेतन अर्थात जीव और अजीव। जीव ही कर्मों का बंधन करता है और निर्जरा करता है। मोक्ष की प्राप्ति का सामर्थ्य जीव में ही है, अजीव में नहीं। इसलिए हमारी रुचि और प्रवृत्ति सम्यक दर्शन की ओर होनी चाहिए। 'सम्यक ज्ञान' अर्थात् हित-अहित का विवेक। जो धर्म और अधर्म, हित और अहित का सही ज्ञान रखता है, वही सम्यक ज्ञानी कहलाता है। साध्वीजी ने बताया कि ज्ञान केवल जानकारी नहीं, बल्कि आत्मजीवन को दिशा देने वाला प्रकाश है। 'सम्यक चारित्र' अर्थात ज्ञात सत्य का आचरण। जो तत्वों को सम्यक रूप से जानता है, देखता है, उन पर श्रद्धा करता है और उन्हें जीवन में उतारता है, वही सम्यक चारित्र वाला साधक है। सम्यक चारित्र आत्मा को विभाव से स्वभाव की ओर ले जाता है। यही आत्मसंयम और साधना का सार है। साध्वी उपासना ने अंत में कहा कि जब साधक दर्शन से श्रद्धा, ज्ञान से समझ, चारित्र से आचरण और तप से आत्मशुद्धि प्राप्त करता है, तब उसकी गति संसार से मोक्ष की ओर मुड़ जाती है। साध्वी ऋषिता ने उत्तराध्ययन सूत्र का वाचन किया और अंत में साध्वी निर्मलाजी ने मंगलपाठ दिया।

आभार प्रदर्शन प्रकाश चानोदिया ने किया तथा संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

इको फ्रेंडली दिवाली को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशानुसार इको फ्रेंडली दिवाली 2025 के विशेष कार्यक्रम का आयोजन अणुव्रत समिति विजयनगर द्वारा आयोजित किया गया।

श्री लक्ष्मी नारायण विद्यालय में प्रातः असेंबली के समय बच्चों को दिवाली कैसे मनाया जाए, जिसमें परिसर की सुरक्षा हो, वातावरण की शुद्धता हो और सभी के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए दिवाली मनाने को लेकर समझाया गया।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने इसके बारे में बच्चों को बताया। समिति के अध्यक्ष महेंद्र टेबा ने स्वागत करते हुए बच्चों से पटाखे का कम से कम उपयोग करने की प्रेरणा दी और संभव हो तो बिना पटाखे ही दीपावली मनाने का आग्रह किया।

कर्नाटक पर्यावरण प्रभारी संपत चावत ने पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए दिवाली मनाने की अपील की। अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने के लिए भी प्रेरित किया। चंद्रशेखर ने कन्नड़ भाषा में अणुव्रत गीत गाया, सुमित्रा बरडिया ने प्रेक्षा ध्यान का प्रयोग करवाया। आभार ज्ञापन मंत्री अरिहंत कावड़िया ने व्यक्त किया। इस अवसर पर सभा संगठन मंत्री मनोहर बोहरा समेत अन्य लोग मौजूद थे।

संघ को निशाना बनाना कांग्रेस की राजनीतिक भूल: सुभाष डंक

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।
विश्व हिन्दू परिषद के सदस्य सुभाष डंक ने कहा कि कांग्रेस के भीतर एक बार फिर वही पुरानी प्रवृत्ति सिर उठाने लगी है। संघ को कोसना, हिंदुत्व पर सवाल उठाना और सनातन संस्कृति पर प्रहार करना। कभी यह काम पार्टी के एकमात्र युवराज तक सीमित था, पर अब दूसरा भी उसी राह पर तेजी से बढ़ता दिखाई दे रहा है।

शायद इन्हें लगता है कि संघ विरोध ही उनका राजनीतिक आधार बन सकता है। किंतु इतिहास साक्षी है हर बार इस रणनीति ने कांग्रेस को पराजय के सिवा कुछ नहीं दिया। सवाल उठता है, सिर्फ विजयादशमी के दिन हुए एक पथ संचलन से इतनी बेचैनी क्यों? स्वयंसेवकों के कंधों पर लाठियां देखकर यदि किसी को पसीना छूट गया, तो सोचिए संघ के शताब्दी वर्ष में होने वाले अनगिनत कार्यक्रमों का सामना कैसे करेंगे? संघ का विस्तार किसी एक आयोजन या नारे पर

नहीं, बल्कि उसकी सतत सेवा, अनुशासन और संगठन क्षमता पर आधारित है।

कांग्रेस में अब भी कुछ समझदार नेता अवश्य होंगे, जो यह समझ सकते हैं कि संघ पर प्रतिबंध लगाने जैसी बातें पार्टी के लिए आत्मघाती कदम सिद्ध होंगी। चाहे 1948 हो या 1975, 1992 हो या कोविड का कठिन काल हर संकट में संघ ने न केवल अपना कार्य जारी रखा, बल्कि सशक्त रूप में उभरकर सामने आया। इतिहास बार-बार यही सिखाता है कि जितना दमन संघ पर हुआ, उतना ही वह और व्यापक जनसमर्थन लेकर लौटा। आज जब कांग्रेस अपने राजनीतिक अस्तित्व की खोज में है, तब संघ पर आक्रमण करना किसी दूरदर्शी रणनीति का नहीं, बल्कि हताशा का परिचायक प्रतीत होता है। कांग्रेस के नवोदित नेताओं को यह समझना चाहिए कि संघ से वैर रखकर कोई भी दल जनता का विश्वास नहीं जीत सकता। संघ को चुनौती देना किसी पार्टी का उत्थान नहीं, बल्कि आत्म विनाश का संकेत बन सकता है। यदि कांग्रेस ने अपने अतीत की भूलों से सबक नहीं लिया और फिर वही राह चुनी, तो यह निश्चित है कि पार्टी का राजनीतिक धरातल नहीं, बल्कि रसातल ही उसे नसीब होगा।

डॉ. कृतिका रेड्डी के पिता ने इस्कॉन को भव्य बंगला दान करने की पेशकश की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मृतक डॉ. कृतिका रेड्डी के पिता, जिनकी उनके पति ने बेहोशी की दवा देकर हत्या कर दी थी, ने बनाया गया 3 करोड़ का शानदार बंगला इस्कॉन को दान करने का फैसला किया है। अयप्पा प्लेआउट में कृतिका रेड्डी के पिता के मुनिरेड्डी ने उनकी शादी के बाद अपने पैसों से 3 करोड़ का घर खरीदा था। बेटी कृतिका रेड्डी और दामाद महेंद्र रेड्डी, जो इस समय न्यायिक हिरासत में हैं, के लिए अपने पैसे से एक बंगला खरीदा था ताकि उनके बच्चे अपने परिवार के साथ अच्छे से रह सकें। कृतिका रेड्डी, जो विक्टोरिया अस्पताल में त्वचा विशेषज्ञ थीं, को महेंद्र रेड्डी, जो एक निजी अस्पताल में डॉक्टर थे, ने इलाज के बहाने एनेस्थीसिया देकर अप्रत्याशित तरीके से मार डाला। इस घटना से मुनिरेड्डी और परिवार सदमे में है और कहा कि उस घर में मेरी बेटी के अलावा कोई नहीं है। यह घर, जो परिवार और पोते-पोतियों की भलाई के लिए खरीदा गया था, मेरी बेटी के बिना किसी के काम का नहीं है। इसलिए उन्होंने कहा कि वह यह घर इस्कॉन को दान कर देंगे। मैंने यह घर सिर्फ इसलिए बनाया ताकि मेरी बेटी अपने पति और बच्चों के साथ खुशी से रह सके। अब जब वह चली गई है, तो यह घर किसके लिए है? मैं इसे

इस्कॉन को दान कर दूंगा। उन्होंने कहा कि वह इस बंगले का इस्तेमाल अपनी इच्छा के मुताबिक कर सकते हैं। घर के सामने, नाम पट्टिका जिस पर लिखा है डॉ. कृतिका एम रेड्डी की स्मृति में हर किसी को आकर्षित करती है। 24 अप्रैल को पति पर पत्नी त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कृतिका रेड्डी पर अत्यधिक बेहोशी की दवा देने का आरोप लगा था। महेंद्र रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया गया। कृतिका रेड्डी की पोस्टमार्टम जांच की एफएसएल रिपोर्ट के तहत आरोपी को 14 अगस्त को हिरासत में लिया गया था। पुलिस को इस बात का गहरा संदेह है कि डॉ. महेंद्र रेड्डी, जो विक्टोरिया अस्पताल में जनरल सर्जन थे, अवैध रूप से सर्जरी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एनेस्थेटिक घर लाए और अपनी पत्नी कृतिका रेड्डी को दे दी। आरोपी महेंद्र रेड्डी को पुलिस गुरुवार को उसके गुंजूर स्थित आवास पर ले गई और जांच पड़ताल की। वहां से लैपटॉप, हार्ड डिस्क, कंप्यूटर समेत कई सामान जब्त किए गए हैं। आरोपी महेंद्र रेड्डी दलील दे रहा है कि उसने अपनी पत्नी की हत्या नहीं की। बार-बार यह कहकर कि उन्हें हत्या की जानकारी नहीं है, वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं।

डॉ. कृतिका हत्याकांड मामले में कई विस्फोटक तथ्य आए सामने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मराठाहल्ली पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि पति डॉ. महेंद्र रेड्डी ने अपनी पत्नी, डॉक्टर कृतिका की 11 महीनों तक कई बार हत्या करने की कोशिश की थी।

कृतिका की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसकी हत्या की पुष्टि होने के बाद, पुलिस ने मामला दर्ज कर उसके पति महेंद्र रेड्डी से पूछताछ की और कई जानकारियां जुटाईं। पुलिस इस मामले में महेंद्र रेड्डी को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है और लंबी पूछताछ के दौरान पता चला कि शादी के कुछ ही महीनों बाद पत्नी की हत्या करने की कोशिश की थी। ऊपर से ऐसा लग रहा था कि महेंद्र रेड्डी अपनी पत्नी का अच्छा ख्याल रख रहा था और उसने शक से बचने के लिए गुपचुप तरीके से हत्या की साजिश रची थी। कृतिका के परिवार को महेंद्र रेड्डी पर पूरा भरोसा था, उन्हें विश्वास था कि वह उनकी बेटी की अच्छी देखभाल करेगा। लेकिन महेंद्र रेड्डी ने उस भरोसे को तोड़ दिया। पुलिस जांच में पता चला है कि उसने अपनी पत्नी पर कई बार नशीले पदार्थ का इस्तेमाल किया था। वह अपनी पत्नी कृतिका को 11 महीने से रोजाना नशीली दवाइयां दे रहा था और फिर एक दिन उसने उसे ज्यादा मात्रा में एनेस्थीसिया देकर स्वाभाविक मौत का नाटक किया। कृतिका के माता-पिता मेडिकल जांच रिपोर्ट देखकर सदमे में आ गए। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू की, घर का मुआयना किया और कई चीजें जब्त करके एफएसएल को भेज दीं। 6 महीने बाद उसकी साजिश का पर्दाफाश हो गया। डॉ. कृतिका रेड्डी के पिता करोड़पति हैं। डॉ. महेंद्र रेड्डी का परिवार भी धनी है। दोनों की शादी 26 मई, 2024 को हुई थी और यह जोड़ा विक्टोरिया अस्पताल में सेवारत था। इस बीच, पता नहीं डॉ. महेंद्र रेड्डी के मन में क्या बुरे विचार आए। उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी और अब पुलिस हिरासत में है।

छात्रों के बीच जिम्मेदार डिजिटल उपयोग पर राज्य-स्तरीय परामर्श आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य के स्वास्थ्य और शिक्षा विभागों ने, कर्नाटक राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (केएसएमएचए) और निम्हांस के सहयोग से, छात्रों के बीच जिम्मेदार डिजिटल उपयोग को बढ़ावा देने वाली नीतियों और कार्यक्रमों को तैयार करने के लिए गुरुवार को एक राज्य स्तरीय परामर्श बैठक आयोजित की। बेंगलूरु के निम्हांस परिसर में आयोजित बैठक में प्रतिभागियों ने छात्रों के बीच प्रौद्योगिकी के अत्यधिक उपयोग के पैटर्न पर चर्चा की, और स्वस्थ और नैतिक प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए निवारक और प्रोत्साहन उपायों का पता लगाया।

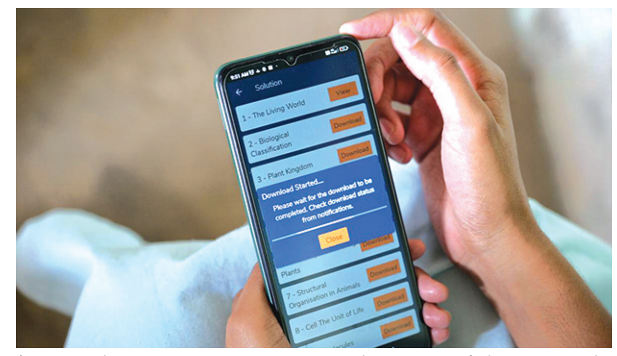

कार्यक्रम का उद्घाटन करने वाले स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने इस बात पर जोर दिया कि अत्यधिक स्क्रीन समय छात्रों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने प्रौद्योगिकी के अति प्रयोग के शुरुआती चेतावनी संकेतों की पहचान करने और व्यवहार्य नियामक और निवारक उपाय तैयार करने का आह्वान किया। निम्हांस की निदेशक प्रतिमा मूर्ति ने कहा कि प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास ने छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को बढ़ा दिया है। उन्होंने जिम्मेदार डिजिटल जुड़ाव के लिए नीति विकास में माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों को शामिल करने के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का समन्वयन क्लिनिकल साइकोलॉजी के प्रोफेसर और सर्विस फॉर हेल्दी यूज ऑफ टेक्नोलॉजी (एसएचयूटी) क्लिनिक के प्रमुख मनोज कुमार शर्मा ने किया। क्लिनिकल साइकोलॉजी के अतिरिक्त प्रोफेसर नितिन आनंद ने प्रौद्योगिकी के अति प्रयोग से जुड़े पैटर्न और जोखिम कारकों और छात्रों की भलाई के लिए इसके निहितार्थ का एक सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। राज्य उप निदेशक (मानसिक स्वास्थ्य) रजनी पार्थसारथी ने स्कूल डिजिटल उपयोग नीति, डिजिटल सुरक्षा और कल्याण समितियों के गठन और शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों के लिए अनिवार्य जागरूकता कार्यक्रमों का आह्वान किया। निम्हांस, स्वास्थ्य और शिक्षा विभागों, गैर सरकारी संगठनों और अन्य हितधारकों के विशेषज्ञों ने पैनल चर्चा और विचार-मंथन सत्रों में भाग लिया, जिसमें आयु-वार दिशानिर्देशों, साइबर साक्षरता कार्यक्रमों और बहु-आयामी जागरूकता पहल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हावेरी जिले के रानेबेन्नूर तालुक में काकोल के पास गुरुवार शाम को एक दुर्घटना में एक महिला सहित तीन वरिष्ठ नागरिकों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। मृतकों में दावणगेरे जिले के मालेबेन्नूर के चमनसाब केरीमातिहल्ली (65), माबुसाब डोड्डागुब्बी (65) और निंगम्मा जिगलर (70) शामिल हैं।

सभी घायलों का इलाज रानेबेन्नूर तालुक अस्पताल में किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, पीड़ित और घायल व्यक्ति एक मिनी-ट्रांसपोर्ट वाहन में एक शादी में गए थे। हादसा उस वक्त हुआ जब वे घर लौट रहे थे। कथित तौर पर चालक ने नियंत्रण खो दिया और काकोल के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रैक्टर-ट्रेलर को टक्कर मार दी।

ग्रामीण पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सादगी से सिर्फ धन छिप सकता है, जातिवाद नहीं: बीके हरिप्रसाद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
वरिष्ठ कांग्रेस सदस्य बी.के. हरिप्रसाद ने कहा कि दुनिया भर में संस्थानों का विकास करने के लिए जनता द्वारा चुनी गई सरकार से जमीन, पानी, कर, बिजली और कई अन्य विशेषाधिकार प्राप्त करने वाले संस्थानों के मालिकों द्वारा जनता की समृद्धि के लिए किए जा रहे सर्वेक्षण को नकारना न केवल उनकी अंतरात्मा के साथ विश्वासघात है, बल्कि अहंकार की पराकाष्ठा भी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सादगी ही धन को छिपा सकती है, जाति-आधारित मानसिकता नहीं, बल्कि सादगी में धन छिपाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी का उपयोग केवल गरीब, पिछड़े और निर्धन लोगों का आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक विकास करने और

सामाजिक न्याय प्रदान करने के लिए किया जा सकता है, लेकिन दिखावे और प्रचार से ग्रस्त समाज सेवा से विकास नहीं हो सकता। सामाजिक व्यवस्था में सभी समुदायों की सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक स्थिति की जांच करना और गरीबों के कल्याण के लिए उचित नीतियां बनाना सरकार का संवैधानिक दायित्व है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जो लोग धन और बड़े व्यवसाय की छत्रछाया में सोते हैं, उनके लिए भी तुच्छ कारण बताकर सामाजिक सर्वेक्षण से बाहर होना समान रूप से गैरजिम्मेदाराना है।

कैंपस में सीनियर से बलात्कार के आरोप में इंजीनियरिंग छात्र गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु पुलिस ने दक्षिण बेंगलूरु के एक इंजीनियरिंग कॉलेज के 21 वर्षीय छात्र को परिसर में एक वरिष्ठ छात्रा के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान बसवनगुड़ी के एक निजी कॉलेज में पांचवें सेमेस्टर के छात्र जीवन गौड़ा के रूप में हुई है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के मुताबिक, लड़की आरोपी से एक साल बड़ी है और दोनों एक-दूसरे को पिछले तीन महीने से जानते थे। एफआईआर के मुताबिक, कथित घटना 10 अक्टूबर को कॉलेज में पुरुष शौचालय के अंदर लंच ब्रेक के दौरान हुई। लड़की ने कहा कि कथित घटना वाले दिन वह सुबह 8.55 बजे क्लास में शामिल हुई थी। उसे जीवन गौड़ा से कुछ सामान लेना था, और उसे सूचित किया कि वह दिन में बाद में उससे मिलेगी। लंच ब्रेक के दौरान, जीवन गौड़ा ने कथित तौर पर उसे फोन किया और उसे अपने ब्लॉक में नीचे मिलने के लिए कहा। जब वह उससे मिली, तो वह कथित तौर पर उसे आर्किटेक्चर ब्लॉक की सातवीं मंजिल पर ले गया, जहां उसने कथित तौर पर उसके साथ जबरदस्ती की। उसने पुलिस को बताया मैं वहां से चली गई और छठी मंजिल पर आ गई, जहां उसने मुझे पुरुषों के शौचालय में खींच लिया और दरवाजा बंद कर दिया। शिकायत के मुताबिक, जब उसकी दोस्त ने फोन किया तो जीवन गौड़ा ने उसका फोन ले लिया और अपनी जेब में रख लिया। फिर उसने वॉशरूम के अंदर उसके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। कथित घटना दोपहर 1.30 से 1.50 बजे के बीच हुई और एफआईआर में कहा गया है कि उस दिन बाद में, जीवन गौड़ा ने कथित तौर पर उसे फिर से फोन किया और पूछा कि क्या उसे गोलिया चाहिए। हालाँकि कथित घटना 10 अक्टूबर को हुई, लड़की ने अपने माता-पिता को सूचित करने के बाद 15 अक्टूबर को शिकायत दर्ज कराई। उसने पुलिस को बताया कि उसके दो दोस्तों ने उसे अपने परिवार के सामने मामले का खुलासा करने के लिए प्रोत्साहित किया और उसका समर्थन किया, जिसके बाद उसने शिकायत दर्ज की। हनुमंतनगर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64 के तहत मामला दर्ज किया, जो बलात्कार से संबंधित है। 15 अक्टूबर को शिकायत दर्ज होने के तुरंत बाद जीवन गौड़ा को गिरफ्तार कर लिया गया था। एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी पांचवें सेमेस्टर का छात्र है, जबकि पीड़िता सातवें सेमेस्टर में है। चूंकि उसके एक विषय में बैकलॉग था, इसलिए वह पांचवें सेमेस्टर की कक्षा में जाती थी, जहां उसकी जान-पहचान जीवन गौड़ा से हुई। अधिकारी ने कहा पूछताछ के दौरान उन्होंने कहा कि यह कृत्य सहमति से किया गया था। हमने उनका बयान दर्ज कर लिया है और सभी कोणों से मामले की जांच कर रहे हैं।

आंगनबाड़ियों को जनता बाजार खाद्य सामग्री की आपूर्ति करें: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखकर आंगनबाड़ियों में मिलने वाले खराब भोजन को रोकने और पहले की तरह जनता बाजार से गुणवत्तापूर्ण भोजन की आपूर्ति करने को कहा है।

कर्नाटक विधान परिषद की पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण समिति ने सिफारिश की है कि राज्य में आंगनबाड़ियों को खराब गुणवत्ता वाले भोजन की आपूर्ति तुरंत रोक दी जानी चाहिए और पहले की तरह जनता बाजार से अच्छी गुणवत्ता वाले भोजन की आपूर्ति की जानी चाहिए। अशोक ने आंगनबाड़ियों में पोषण आहार की आपूर्ति नहीं किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए समिति की अनुशंसा के अनुरूप भोजन की आपूर्ति जनता बाजारों से कराने का अनुरोध किया है। अब बच्चों को पाउडर के रूप में खाना दिया जा रहा है और पता नहीं उसमें पोषण है या नहीं, दवा के रूप में खाना दिया जा रहा है। ऐसा देखा गया है कि थोड़ी मात्रा में घटिया भोजन की आपूर्ति की जा रही है, इसलिए समिति ने अपनी राय व्यक्त की है कि अब भी उसी प्रकार के भोजन की आपूर्ति की जानी चाहिए, जो कर्नाटक राज्य के गरीब बच्चों के स्वस्थ विकास की दृष्टि से एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण निर्णय है। ऐसे में संस्था को दिए गए आदेश को रद्द कर सरकारी स्वामित्व वाली सहकारी संस्था जनता बाजार के माध्यम से अच्छी गुणवत्ता वाली खाद्य सामग्री की आपूर्ति का आदेश देना हर तरह से एक अच्छा कदम होगा। इसलिए उन्होंने पत्र में अनुरोध किया है कि कर्नाटक विधानमंडल की पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण समिति की सिफारिश के अनुसार तुरंत आवश्यक कार्रवाई की जाए।

सुनील कुमार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर और अधिकारी के निलंबन की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
भाजपा के प्रदेश महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार ने कहा कि उन्होंने शुक्रवार को पुलिस आयुक्त से मुलाकात कर बेंगलूरु स्थित आरएसएस के राज्य कार्यालय केशव कृपा के सामने बिना किसी पूर्व अनुमति के कांग्रेसी गुंडों की गुंडागर्दी की निंदा की। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि संघ के शताब्दी समारोह के दौरान, हम पिछले कई महीनों से देश भर में सैकड़ों कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। ऐसे मौकों पर, कुछ लोग केशव कृपा के सामने आकर गुंडों जैसा व्यवहार करते हैं और विरोध प्रदर्शन के बहाने अश्लील बातें करते हैं। हमने उन्हें बता दिया है कि हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। बिना पूर्व अनुमति के विरोध प्रदर्शन नहीं किया जा सकता। अगर आप अनुमति लेकर विरोध प्रदर्शन करना चाहते हैं, तो बेंगलूरु में एक विशिष्ट स्थान है। अगर आप बिना अनुमति के विरोध प्रदर्शन करते हैं, तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने वाले स्थानीय अधिकारियों को निलंबित किया जाए।

अन्यथा, हम मंत्रियों के घरों के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि बाद में होने वाली आपदाओं के लिए सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार प्रायोजित विरोध प्रदर्शनों को बढ़ावा दे रही है।

आरएसएस कार्यालय को प्रदान की गई सुरक्षा कम कर दी गई है। विपक्षी नेताओं की सुरक्षा कम कर दी गई है। ऐसा संदेह है कि सरकार सरकार द्वारा प्रायोजित दंगे कराने की योजना बना रही है। इसलिए, उन्होंने सरकार और आयुक्त को चेतावनी दी कि गुंडों की तरह व्यवहार करने वालों के खिलाफ 24 घंटे के भीतर प्राथमिकी दर्ज की जाए। अन्यथा, हम राज्य भर के सभी मंत्रियों के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे और आपदाएं पैदा करेंगे, लेकिन इसके लिए सरकार जिम्मेदार होगी। इस मौके पर भाजपा के राज्य महासचिव और विधायक वी. सुनील कुमार, विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार, विधायक भरत शेट्टी, भाजपा उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश और भाजपा बेंगलूरु मध्य जिला अध्यक्ष सप्तगिरी गौड़ा उप-स्थित थे।

अगर सरकारी जगहों पर निजी संस्थाओं की गतिविधियां प्रतिबंधित हैं तो भाजपा को क्यों डरना चाहिए: खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि सरकारी संपत्तियों में निजी संगठनों की गतिविधियों को प्रतिबंधित करने वाले कैबिनेट के फैसले में किसी भी संगठन के नाम का उल्लेख नहीं किया गया है, यह सभी पर लागू होने वाला कानून है। फिर भी भाजपा संघर्ष क्यों कर रही है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने इस आरोप पर भी पलटवार किया कि सरकार की नाकामियों को छुपाने के लिए भटकाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ध्यान भटकाने की कोशिश का आरोप लगा रही है, लेकि क्या हम जो पूछ रहे हैं उसमें कुछ गलत है? वे इतने भयभीत क्यों हैं? हमने

कहीं नहीं कहा कि हमने आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। हम इसे एक समान बनाने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने सवाल किया कि वह इतना क्यों बात कर रहे हैं। अगर सरकार सही नहीं है तो उन्हें सड़कों पर उतरकर लड़ने दीजिए। हम राज्य में बुद्धबसव अम्बेडकर के दर्शन का पालन करने जा रहे हैं। हम एक प्रबुद्ध समाज लाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिपक्वता होगी तो समृद्ध समाज होगा। अगर निजी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करना भाजपा के लिए समस्या पैदा करता है, तो हम इसमें कुछ नहीं कर सकते। मैं किसी के खिलाफ व्यक्तिगत आलोचना नहीं कर रहा हूं। इसके बजाय मेरे खिलाफ व्यक्तिगत आलोचना हो रही है। आरएसएस की शाखा में प्रभावशाली बीजेपी नेताओं के बच्चे नहीं हैं।

इसको लेकर मेरा विवाद है। मुझे लोगों द्वारा चार दिनों से धमकी दी जा रही है। मैं पीछे नहीं हटूंगा। चाहे कितनी भी धमकी मिले, वह हिलेंगे नहीं। कानून का पालन नहीं करने वालों पर कार्रवाई करने को तैयार है। सौ साल के जश्न के दौरान सौ जगहों पर मार्च किया गया है। किसकी अनुमति? किस धर्म में लाठी से लड़ने की इजाजत है? मैं कलबुर्गी में भाजपा नेताओं की लगातार यात्राओं का स्वागत करता हूं। मैं पहले से ही जाग रहा हूँ। मैंने परिपक्व होने के लिए पत्र लिखा। बीजेपी को आकर चेताने की जरूरत नहीं है। उन्हें कानून के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते। इंफोसिस के सुधामूर्ति और नारायणमूर्ति द्वारा सरकार द्वारा कराए गए सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण में जानकारी नहीं देने पर खड़गे ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अच्छा होगा अगर सभी लोग सहयोग करें और जानकारी दें। यह कहकर सर्वेक्षण में भाग न लेना कि मैं ऊंची जाति का हूं, अति धनवान हूं, ठीक नहीं है। इसके अलावा केंद्र सरकार जनगणना और जाति सर्वेक्षण भी कराएगी। फिर भी वे कहेंगे कि वे भाग नहीं लेंगे?

आरएसएस की गतिविधियों पर अंकुश लगाने की उठ रही मांग, पूर्व मंत्री रामनाथ राय भी शामिल हुए

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आरएसएस गतिविधियों को प्रतिबंधित करने के मंत्री प्रियांक खड़गे के बयान का स्वागत करते हुए, पूर्व मंत्री रामनाथ राय सहित कई नेताओं ने इस बात पर जोर दिया है कि देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की रक्षा और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने के लिए ऐसा कदम आवश्यक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सांप्रदायिक शांति बनाए रखने के लिए सरकारी कार्यालयों, स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों को आरएसएस की गतिविधियों से मुक्त रहना चाहिए। उन्होंने कहा हम मंत्री के बयान का पूरा समर्थन करते हैं। सार्वजनिक क्षेत्रों और स्कूलों में आरएसएस शाखाएं आयोजित करने से युवा दिमाग विभाजनकारी विचारधारा से प्रभावित होते हैं। ऐसी प्रथाएं समाज की एकता और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हैं। नेताओं ने आरोप लगाया कि आरएसएस और उसके सहयोगी जैसे संगठन जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए जिम्मेदार हैं, जिससे समुदायों के बीच अविश्वास बढ़ रहा है। क्षेत्र में धर्म आधारित हत्याओं की घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पीएफआई जैसे संगठन ऐसे अपराधों में शामिल रहे हैं, जिनमें से कई ने निर्दोष लोगों की जान ले ली। उन्होंने धर्मनिरपेक्ष और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने वाले सामाजिक आंदोलनों के प्रति अपनी पार्टी की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए कहा इन घटनाओं का मूल कारण सांप्रदायिक कार्यक्रम और चरमपंथी गतिविधियां हैं। पूर्व मंत्री रामनाथ राय ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त करते हुए कहा कि धर्मनिरपेक्षता और सद्भाव की रक्षा के लिए सरकारी और सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाना आवश्यक है। उन्होंने कहा सार्वजनिक स्थानों पर आरएसएस की शाखाएं आयोजित करने से छोटे बच्चों के मन में नफरत के बीज बोए जाते हैं, जो समाज के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। रमानाथ राय ने आगे कहा कि जिले में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए आरएसएस से प्रभावित संगठन जिम्मेदार हैं। धर्म आधारित हत्याएं रुकनी चाहिए। हमने हमेशा सांप्रदायिक संगठन आरएसएस का यथासंभव विरोध किया है। यहां तक कि राहुल गांधी ने भी कहा है कि हमें आरएसएस से डरने वाले लोगों की जरूरत नहीं है। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा बीजेपी खड़गे परिवार के बीच डर फैलाने की कोशिश कर रही है। शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण समाज को बनाए रखने के लिए सभी को मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के शब्दों को याद किया कि पार्टी को आरएसएस से डरना नहीं चाहिए बल्कि अपने सिद्धांतों पर दृढ़ रहना चाहिए। हम राहुल गांधी के विचार से सहमत हैं - समाज में हमारा रुख मजबूत और समझौताहीन रहना चाहिए। निर्णायक सरकारी कार्रवाई के लिए समर्थन व्यक्त करते हुए नेताओं ने कहा हम वैमनस्य पैदा करने वाले संगठनों पर प्रतिबंध की आवश्यकता के बारे में सरदार वल्लभभाई पटेल के एक बार के विचार पर कायम हैं। महात्मा गांधी के अनुयायियों के रूप में, हम इस बात को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि गांधी की हत्या से जुड़े लोग ऐसे समूहों से जुड़े थे। हम उन सभी तत्वों की निंदा करते हैं जो हिंसा भड़काते हैं और अल्पसंख्यकों के बीच भय फैलाते हैं।

वी सोमन्ना ने थिम्माराजनहल्ली-उरुकेरे खंड का किया निरीक्षण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने तुमकुरु-दावणगेरे नई रेलवे लाइन परियोजना के हिस्से थिम्माराजनहल्ली - उरुकेरे (13 किलोमीटर) नई लाइन और तुमकुरु - रायदुर्गा नई रेलवे लाइन परियोजना के हिस्से उरुकेरे- तुमकुरु खंड (12 किलोमीटर) का मोटर ट्रॉली निरीक्षण किया। मीडिया से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि कर्नाटक में, लगभग 11,800 करोड़ की नौ प्रमुख नई रेलवे लाइन परियोजनाएं वर्तमान में प्रगति पर हैं। रेलवे सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) द्वारा निरीक्षण और प्राधिकरण के बाद, उमाकुरु-उरुकेरे-थिम्माराजनहल्ली खंड में ट्रेनों के संचालन की योजना बनाई जाएगी। निरीक्षण में बी. सुरेश गौड़ा, विधायक, तुमकुरु ग्रामीण, जी.बी. ज्योति गणेश, विधायक, तुमकुरु शहर और प्रदीप पुरी, मुख्य अभियंता, निर्माण, प्रसाद, मुख्य अभियंता, निर्माण और बेंगलूरु डिवीजन के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

उत्तर-पूर्व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के लिए 27, 30 अक्टूबर और 3 नवंबर को विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो। क्षेत्रीय आयुक्त और निर्वाचन अधिकारी जहीरा नसीम ने कहा कि चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण के हिस्से के रूप में, 27 अक्टूबर, 30 अक्टूबर और 3 नवंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक कर्नाटक में उत्तर-पूर्व शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में एक विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने सूचित किया यह अभ्यास 1 नवंबर को अर्हता तिथि के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने उन पात्र शिक्षकों से अपील की, जिन्होंने अभी तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज नहीं कराया है, वे मतदाता सूची में शामिल होने की अंतिम तिथि 6 नवंबर तक आवेदन जमा कर सकते हैं। उन्होंने कहा यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदाता सूची से छूट न जाए। उन्होंने कहा कलबुर्गी और बल्लारी के नगर आयुक्तों, संभाग के सभी सहायक आयुक्तों और तहसीलदारों को अभियान के लिए अधिकारियों को जुटाने का निर्देश दिया गया है। उप-तहसीलदारों, पीडीओ, राजस्व निरीक्षकों, ग्राम लेखाकारों और ग्राम सहायकों की टीमें पात्र शैक्षणिक संस्थानों का दौरा करेंगी और शिक्षकों को पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करने में मदद करने के लिए संस्थानों के प्रमुखों के साथ समन्वय करेंगी। सहायक दस्तावेजों के साथ फॉर्म-19 में आवेदन सुबह 10 बजे से शाम 5.30 बजे के बीच निर्दिष्ट केंद्रों पर अभियान के दौरान स्वीकार किए जाएंगे। नसीम ने कहा उपायुक्तों को अभियान की निगरानी करने और इसके सुचारू कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक तालुक में एक नोडल अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश दिया गया है।

आरएसएस सरकार के खिलाफ शक्ति प्रदर्शन की बना रही योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

संघ परिवार ने सरकारी स्थानों, खेल के मैदानों, स्टेडियमों और अन्य स्थानों पर गतिविधियों के लिए अनुमति आवश्यक होने की बात कहकर आरएसएस पर अप्रत्यक्ष रूप से अंकुश लगाने के लिए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। संघ ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे, जिन्होंने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को पत्र लिखकर सरकारी स्थानों पर आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, के खिलाफ रविवार को कलबुर्गी जिले के चित्तपुर कस्बे में एक भव्य जुलूस निकालेगी। खास बात यह है कि चित्तपुर में रविवार को हजारों स्वयंसेवक बिना किसी पूर्व सरकारी अनुमति के शहर के प्रमुख कस्बों में जुलूस निकालेंगे। इस तरह, प्रियांक खड़गे का संघ परिवार अपने गृह क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ेगा। राज्यसभा सदस्य नारायण बंडगे के नेतृत्व में जुलूस की आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं और हजारों कार्यकर्ताओं से उस दिन जुलूस में स्वेच्छा से भाग लेने का अनुरोध किया गया है। सरकारी जमीन पर गतिविधियां संचालित करने के लिए किसी भी संगठन को सरकार की अनुमति लेना अनिवार्य करने के सरकार के फैसले के बाद, राज्य में यह पहला जुलूस निकाला जा रहा है। इसे शक्ति प्रदर्शन के तौर पर देखा जा रहा है और चित्तपुर के प्रमुख कस्बों में एक घंटे से ज्यादा समय तक जुलूस निकालने की योजना है। इस बारे में बोलते हुए, राज्यसभा सदस्य नारायण बंडगे ने खुले तौर पर चुनौती देते हुए कहा हम बिना किसी अनुमति के जुलूस निकालेंगे। हम स्थानीय निकायों से अनुमति नहीं लेंगे, न तो पहले ली थी और न ही भविष्य में। देखते हैं क्या होता है। भाजपा नेताओं ने सरकार को चेतावनी दी है कि जितना ज्यादा धमकी दोगे, आरएसएस उतना ही बढ़ेगा। अगर उसे छूओगे, तो जला दिए जाओगे।

खड़गे परिवार का अपमान अपनों के अपमान के समान: डॉ. अजय सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कल्याण कर्नाटक क्षेत्रीय विकास बोर्ड (केकेआरडीबी) के अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने ग्रामीण विकास और पंचायत राज और आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे और उनके परिवार को अपमानजनक टिप्पणी और धमकी भरे कॉल की निंदा की। डॉ. सिंह ने कहा कि मल्लिकार्जुन खड़गे और दिवंगत धरम सिंह के परिवारों के बीच दशकों से गहरा रिश्ता रहा है।

हम हमेशा एक परिवार की तरह रहे हैं। खड़गे परिवार पर किया गया कोई भी अपमान हमारे परिवार का अपमान है। सार्वजनिक जीवन में व्यक्तिगत हमलों की बढ़ती संस्कृति की निंदा करते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि स्वस्थ और मुद्दा आधारित चर्चा में शामिल होने के बजाय, कुछ लोग व्यक्तिगत दुर्व्यवहार और अभद्र भाषा पर उतर आए हैं। इस तरह के व्यवहार की सभी को निंदा करनी चाहिए। डॉ. सिंह ने कहा कि डॉ. बी.आर.अम्बेडकर के आदर्शों का तिरस्कार कर अम्बेडकरवादियों को घृणास्पद टिप्पणियों से भड़काने वाले लोगों को पहले ही लोगों ने खारिज कर दिया है, जिन्होंने कांग्रेस पार्टी को भारी समर्थन दिया है। उन्होंने कहा हम बुद्ध, बसव और अंबेडकर की परंपरा से आते हैं। संघर्ष हमारे लिए नया नहीं है। लेकिन बहस सभ्य और आपसी सम्मान पर आधारित होनी चाहिए। मंत्री प्रियांक खड़गे की मां और परिवार के खिलाफ की गई धमकियों और अभद्र टिप्पणियों को 'बेहद अपमानजनक' बताते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि जिम्मेदार लोग 'सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा के प्रति सम्मान की भावना पूरी तरह से खो चुके हैं।

किसी गुणी व्यक्ति के प्रति मन में भक्ति और अनुराग का भाव ही प्रमोद भावना: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि प्रमोद भावना - जो जीव गुणवान हैं, ज्ञान, चारित्र, तप, शील, विनय, करुणा, सत्य, संयम आदि गुणों से सम्पन्न हैं उनके प्रति हमारे हृदय में प्रमोद भावना होनी चाहिए। प्रमोद भावना होने से स्वयं के गुणी होने का मार्ग प्रशस्त होता है। जिसकी अपने में प्रसन्नता है उसकी सर्वत्र प्रसन्नता है। जो कुछ प्राप्त है, उसमें सदा प्रसन्न रहे। जो गुणीजनों और प्रसन्न आत्माओं के प्रति रखी जाती है। यह स्वयं में प्रसन्न रहने, मानसिक शांति और अच्छे विचारों से युक्त रहने की एक अवस्था है, जो व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारती है। प्रमोद भावना रखने वाले व्यक्ति मानसिक रूप से शांत रहते हैं, अच्छे विचार रखते हैं और उनके शरीर में ताजगी बनी रहती है, जिससे उनका व्यक्तित्व निखरता है। ईर्ष्या जैसी नकारात्मक भावनाओं को कम करने से सकारात्मक आवेग बढ़ते हैं और व्यक्ति शांति और प्रमोद भावना की ओर अग्रसर होता है। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि यह भावना तब प्रकट होती है जब हम गुणी व्यक्तियों (जैसे मुनियों, संतों, या धर्मात्माओं) के गुणों को देखकर उनके प्रति हर्ष और भक्ति का अनुभव करते हैं। किसी गुणी व्यक्ति के प्रति मन में भक्ति और अनुराग का भाव मुख की प्रसन्नता से झलकता है। इसे ही प्रमोद कहा गया है। गुणों में आनंद नम्रता, वैराग्य, निर्भयता, अभिमान रहितता, निर्दोषता और निर्लोभता जैसे गुणों को देखकर उनके प्रति श्रद्धा और आनंद का अनुभव करना प्रमोद भावना का मुख्य लक्षण है। आध्यात्मिक प्रगति में सहायक प्रमोद भावना अहिंसा और संयम जैसे जैन धर्म के मूल सिद्धांतों को अपनाने में मदद करती है। यह हमारी आत्मा को शुद्ध करने का एक महत्वपूर्ण साधन है।

यदि आप किसी मुनि के त्याग, तपस्या या ज्ञान को देखकर प्रेरित होते हैं और उनके प्रति आदर और खुशी महसूस करते हैं, तो यह प्रमोद भावना का अनुभव है। यह भावना हमें ईर्ष्या, द्वेष और क्रोध से मुक्त कर सकारात्मकता और भक्ति के मार्ग पर ले जाती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कुमारस्वामी के खिलाफ मामला खारिज किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी द्वारा लोकायुक्त विशेष जांच दल (एसआईटी) के एडीजीपी चंद्रशेखर को धमकाने के मामले को खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की अपील को खारिज कर दिया है, जो एच.डी. कुमारस्वामी की कानूनी लड़ाई में एक बड़ी जीत है। सरकार की अपील खारिज करने के कुमारस्वामी के आवेदन को स्वीकार करते हुए, अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया अदालत धमकी साबित नहीं कर पाई। इसलिए, न्यायाधीशों ने आदेश में कहा कि आवेदन खारिज किया जाता है। तत्कालीन मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने बल्लारी जिले के संदूर तालुक के एनईबी रेंज में 550 एकड़ भूमि पर श्री साईं वेंकटेश्वर मिनरल्स कंपनी, जो आंध्र प्रदेश स्थित जनताकल माइनिंग कंपनी की सहयोगी कंपनी है, को खनन पट्टा देने के लिए अनुमोदन फाइल पर हस्ताक्षर किए थे। इस पर 5 अक्टूबर, 2007 को हस्ताक्षर किए गए थे। कुमारस्वामी पर उस समय प्रस्तुत 29 आवेदनों में से अंतिम, श्री साईं वेंकटेश्वर मिनरल्स के आवेदन को, जो अंतिम रूप से प्रस्तुत किया गया था, सरकारी नियमों का उल्लंघन करते हुए स्वीकृत करने का आरोप लगाया गया था। चूँकि इस मामले में अतिरिक्त सबूत मिले थे, इसलिए एसआईटी प्रमुख एम. चंद्रशेखर ने राज्यपाल थावर चंद गहलोत से कानूनी कार्रवाई की अनुमति देने का अनुरोध किया था।

इससे क्रोधित होकर, कुमारस्वामी ने 28 और 29 सितंबर को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और उन पर झूठे और दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाए और उन्हें धमकाया। उन्होंने मौखिक रूप से उन्हें कर्नाटक कैडर से दूसरे राज्य में भेजने की धमकी दी, उनके परिवार पर झूठे आरोप लगाए और परेशानी पैदा करने की धमकी दी। कुमारस्वामी ने चंद्रशेखर पर आरोप लगाया था कि उन्होंने बेंगलूरु के बॉरिंग अस्पताल से फर्जी मेडिकल रिकॉर्ड प्राप्त करके कर्नाटक कैडर में प्रवेश किया था और उन पर रिश्वत लेने का आरोप भी लगाया था। चंद्रशेखर ने राज्यपाल को पत्र लिखकर अवैध खनन मामले में कुमारस्वामी पर मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। इसके बाद, कुमारस्वामी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और चंद्रशेखर पर आरोप लगाए।

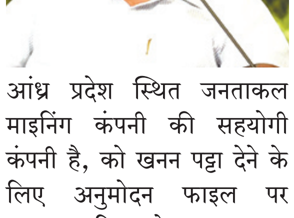

सामाजिक-शैक्षणिक सर्वेक्षण के लिए हेल्पलाइन के माध्यम से पंजीकरण की अनुमति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु शहर के जिला कलेक्टर जी जगदीश ने कहा कि कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा आयोजित सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण-2025 के संबंध में, बेंगलूरु शहर जिले के नागरिकों को सर्वेक्षण के लिए अपनी जानकारी दर्ज करने की सुविधा प्रदान करने के लिए एक हेल्पलाइन प्रदान की गई है।

बेंगलूरु सिटी जिले के निवासी जिन्होंने सामाजिक और शैक्षणिक स्थिति पर सर्वेक्षण के लिए पंजीकरण नहीं कराया है, वे तालुक कार्यालय और स्थानीय निकायों के अधिकारियों के हेल्पलाइन नंबरों पर कॉल करके ए18 के लिए अपना विवरण दर्ज करा सकते हैं। इसके तहत बेंगलूरु नॉर्थ तालुक में मधुराज हेल्पलाइन नंबर-9916681192, बेंगलूरु साउथ तालुक में अश्विनी- 9019242803, बेंगलूरु ईस्ट तालुक में राजीव-9632339738, येलहंका तालुक में श्रेयस-8660575524, अनेकल तालुक में शशिधर-9449289995, हेब्बागोडी नगर परिषद के राजेंद्र बीएल-080-27833736, मदनायकनहल्ली नगर परिषद के आर.मंजूनाथ-7975559204, अनेकल, एचए कुमारा की नगर परिषद-080-27830092, अट्टीबेले, नगर पालिका में-8296350533, बोम्मासंद्रा नगर पालिका के वेंकटेशप्पा बीआर-080-27834655, चंदापुर नगर पालिका के मंजूनाथ-080-27832411, जिगनी, नगर पालिका के राजेश-080-29760400, हुनसामरानहल्ली नगर पालिका के कांताराजू-080-23901684, चिकबाणावर-8546824510, कोनप्पना अग्रहारा, नगर पालिका ए. मुनिराजू-080-22441443 और डोड्डाटोगुर नगर पंचायत में राजेश-080-221111177 से संपर्क किया जा सकता है।

तीन बच्चे खेत के तालाब में डूब गए

विजयपुरा/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले के मिनचैनल के मादेव नगर में एक खेत के तालाब में तीन बच्चे डूब गए।

12 वर्षीय स्वप्ना राठौड़, 8 वर्षीय शिवम्मा राठौड़ और 7 वर्षीय कार्तिक राठौड़ की एक खेत के तालाब में फिसलने से मौत हो गई। स्कूल में छुट्टी होने के कारण वे खेत पर गए थे। विजयपुरा के तहसीलदार और स्थानीय पुलिस उप-निरीक्षक सहित अधिकारियों की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया।

राजस्व अधिकारियों को इलाहाबाद हाईकोर्ट का निर्देश

सार्वजनिक भूमि से 90 दिनों में हटाएं कब्जा

प्रयागराज, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने योगी सरकार के राजस्व विभाग को 90 दिनों के भीतर राज्य में सार्वजनिक भूमि या सार्वजनिक उपयोगिता के लिए आरक्षित भूमि से कब्जा हटाने का निर्देश दिया है। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में ग्राम प्रधान, लेखपाल और राजस्व के अधिकारी लापरवाही न बरतें।

इसके अलावा इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कानून के अनुसार कार्य करने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ विभागीय और आपराधिक कार्यवाही का भी आदेश दिया। साथ ही कहा कि ग्राम सभा की भूमि से अतिक्रमण की सूचना देने या उसे हटाने में प्रधानों,

लेखपालों और राजस्व अधिकारियों की निष्क्रियता आपराधिक विश्वासघात के समान होगी। जस्टिस प्रवीण कुमार गिरि ने मनोज कुमार सिंह द्वारा दायर जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि मिर्जापुर के चुनार के चौका गांव में एक तालाब पर ग्रामीणों ने अतिक्रमण कर लिया है। शिकायत के बावजूद स्थानीय प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की।

कोर्ट ने 6 अक्टूबर के अपने आदेश में कहा कि जलाशयों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है तथा इसे भारी जुर्माना, लागत और सजा के साथ यथाशीघ्र हटाया जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि जल ही जीवन है अर्थात जल के बिना पृथ्वी पर किसी भी प्राणी के जीवन का अस्तित्व नहीं है, इसलिए इसे किसी भी कीमत पर बचाया जाना चाहिए। आदेश में कहा गया है कि चूंकि गांव की भूमि प्रबंधन समिति सार्वजनिक भूमि के संरक्षण के लिए जिम्मेदार होती है, इसलिए प्रधान और लेखपाल सहित इसके सदस्यों की निष्क्रियता भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 316 के तहत आपराधिक विश्वासघात के साथ-साथ उकसाने और षड्यंत्र के आरोपों के अंतर्गत आएगी।

जस्टिस गिरि ने निर्देश दिया कि ऐसी विफलताओं के लिए बीएनएस के तहत आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए। फैसले में स्पष्ट किया गया कि ग्राम सभा की भूमि सौंपी गई संपत्ति है, और अतिक्रमण की सूचना न देकर या गलत कब्जे की अनुमति देकर इसकी सुरक्षा में कोई भी विफलता, सार्वजनिक विश्वास का बेईमानी से दुरुपयोग है। पीठ ने पुलिस को अतिक्रमण हटाने में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का भी निर्देश दिया तथा यह सुनिश्चित किया कि यह प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से और बिना किसी बाधा के पूरी हो।

इसने यह भी कहा कि सूचना देने वाले को हर स्तर पर सुनवाई का अवसर दिया जाना चाहिए। यदि अतिक्रमण जारी रहता है या आदेश का पालन नहीं किया जाता है, तो दोषी अधिकारियों के खिलाफ हाई कोर्ट में दीवानी अवमानना की कार्यवाही शुरू की जा सकती है।

69197 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की होगी भर्ती

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के 69197 पदों पर जल्द भर्ती शुरू होगी।

इनमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के 7952 और सहायिकाओं के 61254 पद शामिल हैं। मुख्य सचिव ने बृहस्पतिवार को विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को भर्ती की समय सारिणी तय करके कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने जिलेवार भर्ती के लिए डीएम की अध्यक्षता में समिति गठित करने के बाद ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है।

बैठक में विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी ने बताया कि प्रदेश में अभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के रिक्त 69197 पदों में से 2123 पहले से खाली हैं, जबकि शेष पद 306 नए बने आंगनबाड़ी केंद्रों से संबंधित हैं।

मुख्य सचिव ने कहा कि स्वीकृत 23697 आंगनबाड़ी केंद्रों में बन रही पोषण वाटिका, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, एलईडी स्क्रीन तथा ईसीसीई मैटेरियल जैसे कामों को जल्द पूरा करते हुए सक्षम आंगनबाड़ी के रूप में विकसित करें। उन्होंने कहा कि पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत सभी जिलों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिलाया जाए।

मुख्य सचिव ने रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष से संबंधित लंबित प्रकरणों का इस महीने के अंत कर निस्तारित करने को कहा। साथ ही अनावश्यक रूप से प्रकरणों को लंबित रखने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं।

बता दें कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को हर महीने 8000 रुपए मानदेय मिलता है। इसमें 6000 मानदेय और 2000 इंसेटिव है। इसी तरह सहायिकाओं को भी 4000 रुपए मानदेय मिलता है, इसमें 3000 रुपए मानदेय और 1000 रुपए इंसेटिव है।

धनतेरस-दिवाली से पहले महोबा के लोगों को रेलवे की सौगात, एक किमी सफर हुआ कम

महोबा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के महोबा जनपदवासियों को दीपावली से पहले एक बड़ी सौगात मिलने वाली है। झांसी रेल मंडल ने 6.52 करोड़ रुपये की लागत से तैयार सीमित ऊंचाई वाले नए उपमार्ग (डळाऊँशिव कशळस्शहीं डीलूर) को धनतेरस के शुभ अवसर पर जनता के लिए समर्पित करने का फैसला किया है। लगभग 310 मीटर लंबा और 7 मीटर चौड़ा यह उपमार्ग 18 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे आम जनमानस के लिए खोल दिया जाएगा। इससे प्रतिदिन 1000 से अधिक वाहनों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात की सुविधा मिलेगी, साथ ही समय और ईंधन की बचत होगी।

झांसी रेल मंडल के इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट में दो ब्रिज सेगमेंट बनाए गए हैं, जबकि 65 मीटर लंबाई के बैरल को विशेष रूप से डिजाइन किया गया है। घा 1266/0-1 पर स्थित यह उपमार्ग महोबा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रेल-पथ को पार करने वाले सड़क यातायात को आसान बनाएगा। वीरभूमि महोबा के नागरिकों और यात्रियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करते हुए यह परियोजना क्षेत्रीय विकास को नई गति देगी।

इस उपमार्ग के चालू होने से सड़क उपयोगकर्ताओं को लगभग 1 किलोमीटर की दूरी कम तय करनी पड़ेगी।

जनपद मुख्यालय से चरखारी, मुस्करा, हमीरपुर और कानपुर की ओर जाने वाले प्रतिदिन 10 हजार से अधिक यात्रियों को सुगम एवं बेहतर यातायात की सुविधा मिलेगी। नई सुविधा से यातायात सुरक्षा बढ़ेगी, सड़क की सुगमता में सुधार होगा और शहर के हज-रों निवासियों का समय व ईंधन बचेगा। आने-जाने के लिए अब दो विकल्प उपलब्ध होंगे, जिससे वाहनों का संचालन निर्बाध रूप से संभव होगा।

झांसी रेल मंडल के मंडल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार सिंह ने कहा कि यह नया सीमित ऊंचाई उपमार्ग स्थानीय नागरिकों की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करता है। इससे क्षेत्रीय यातायात को और अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। सिंह ने बताया कि रेलवे का लक्ष्य भविष्य में भी ऐसी परियोजनाओं के माध्यम से जनता को आधुनिक एवं सुरक्षित सुविधाएं प्रदान करना है। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और यात्री सुविधाओं के विस्तार के लिए रेलवे सतत प्रयासरत है। धनतेरस के अवसर पर यह उपहार वीरभूमि के लोगों के लिए विशेष महत्व रखता है।

अगर छात्रा स्कूल आती है तो तहे दिल से करेंगे स्वागत, केरल हिजाब विवाद के बीच बोले प्रिंसिपल

कोच्चि/तिरुवनंतपुरम, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के कोच्चि में हिजाब का मामला सुर्खियों में है। कोच्चि के पास पल्लुरुथी स्थित सेंट रीटा हाई स्कूल की प्रधानाचार्य ने शुक्रवार को कहा कि अगर छात्रा वापस आने का फैसला करती है तो शैक्षणिक संस्थान उसका तहे दिल से स्वागत करेगा। पिछले सप्ताह यह स्कूल विवाद के केंद्र में था, जब आठवीं कक्षा की एक छात्रा के पिता ने इस बात पर चिंता जताई थी कि उनकी बेटी को हिजाब पहनने की अनुमति नहीं दी गई।

दरअसल प्राइवेट स्कूल प्रबंधन के अधिकारियों ने कहा कि यह उनके नियमों के विरुद्ध है। मामला तब और बिगड़ गया जब

राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने जिला शिक्षा अधिकारियों से तत्काल रिपोर्ट मांगी। छात्रा के पिता नियमों का पालन करने के लिए सहमत हो गए थे, लेकिन मंत्री के सख्त बयान के कारण छात्रा वापस नहीं लौटी। सूत्रों ने बताया कि लड़की के माता-पिता अपनी बेटी को वापस भेजने में रुचि नहीं हैं।

शुक्रवार को राज्य के शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने स्कूल प्रबंधन द्वारा स्थिति से निपटने के तरीके की कड़ी आलोचना की तथा उस पर मामले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। उन्होंने आगे उकसावे के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि सरकार पर जानबूझकर दोष मढ़ने की कोशिश की जा रही है। प्रबंधन को राज्य को चुनौती देने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। उन्होंने आगे उकसावे के खिलाफ चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग इसके लिए जिम्मेदार हैं, उन्हें जवाब देना होगा।

शिवनकुट्टी के बयान के तुरंत बाद स्कूल की प्रधानाचार्य ने मीडिया को बताया कि वह हाईकोर्ट और उनके कानूनी विशेषज्ञ को मदद के लिए धन्यवाद देना चाहती हैं। प्रधानाचार्य ने कहा कि हम शिक्षा मंत्री का भी धन्यवाद करना चाहते हैं। हमारा उद्देश्य अपने छात्रों का उत्थान करना है। हम एर्नाकुलम के सांसद हिबी ईडन का भी धन्यवाद करते हैं, जिन्होंने इस मामले में हस्तक्षेप किया और हमारे विधायक के. बाबू, शॉन जॉर्ज (भाजपा नेता) का भी, जो इस मुद्दे के सामने आने पर हमारे पास आए। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी तहे दिल से उसका स्वागत करने के लिए तैयार हैं और आशा करते हैं कि सब कुछ अच्छा ही होगा। हम भारत और केरल की संस्कृति को बनाए रखने के लिए भारतीय शिक्षा पद्धति प्रदान करते हैं। पाठ्यक्रम के अलावा हम अपने छात्रों को मानवीय मूल्य और मानवता का महत्व भी सिखाते हैं। हम उन्हें पर्यावरण संरक्षण भी सिखाते हैं। प्रधानाचार्य ने कहा कि न्यायालय के समक्ष कुछ मुद्दे हैं और इसलिए हम हमेशा कानूनी प्रणाली और सरकार का सम्मान करेंगे।

सबरीमाला सोने की लूट मामले में एसआईटी की पहली गिरफ्तारी

घंटों पूछताछ के बाद उन्नीकृष्णन पोटी को किया गया अरेस्ट

तिरुवनन्तपुरम , 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट द्वारा गठित एसआईटी ने सबरीमाला सोने की लूट मामले में पहली गिरफ्तारी की है।

एसआईटी की टीम ने शुक्रवार को मुख्य आरोपी उन्नीकृष्णन पोटी को घंटों की पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों के अनुसार, उन्नीकृष्णन पोटी को कल दोपहर तक रानी कोर्ट में पेश किया जाएगा। उन्नीकृष्णन कोर्ट में पेश किए जाने तक एसआईटी की हिरासत में रहेंगे।

उन्नीकृष्णन की गिरफ्तारी सबरीमाला मंदिर के द्वारपाल मूर्तियों और श्रीकोविल गर्भगृह की चौखट से सोने की चोरी के मामले में पहली बड़ी सफलता

है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, एसआईटी ने उन्नीकृष्णन के खिलाफ दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। आरोप है कि उन्नीकृष्णन ने प्रायोजक बनकर मंदिर से सोना बाहर निकाला। दोनों एफआईआर में कुल दस लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिसमें उन्नीकृष्णन का नाम शामिल है। इस चोरी में करीब 475 ग्राम सोना यानी लगभग 56 संप्रदायों का सोना शामिल होने का अनुमान है। जांचकर्ताओं ने पाया कि सोने की परत चढ़ाने के लिए केवल तीन ग्राम सोना इस्तेमाल किया गया था, जबकि बाकी सोने को पोटी को गबन कर लिया गया। यह भी पता चला है कि उन्नीकृष्णन ने इसी काम के लिए बेंगलुरु में दो लोगों से पैसे भी वसूले थे।

उन्नीकृष्णन ने पूछताछ के दौरान कथित रूप से स्वीकार किया कि सोने की लूट की योजना बनाई गई थी। उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) के अधिकारी इस योजना के बारे में जानते थे।

जानकारी के अनुसार, उन्नीकृष्णन ने कहा कि चुराए गए सोने को टीडीबी के सदस्यों के बीच बांटा गया था। इसके अलावा एक अन्य व्यक्ति, जिसका नाम कल्पेश है, उसे इस पूरे मामले का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। एसआईटी सबरीमाला मंदिर के दालों और द्वारपालों की नई परत चढ़ाने में शामिल कंपनी 'स्मार्ट क्रिएशन्स' की भूमिका को भी खारिज नहीं कर रही है। 'स्मार्ट क्रिएशन्स' द्वारा किए गए काम के कुछ महत्वपूर्ण रिकॉर्ड कथित तौर पर गायब हैं। इससे पहले हैदराबाद के एक निवासी को भी इस अपराध में शामिल होने का संकेत मिला था। एसआईटी अगले हफ्ते हाई कोर्ट में अपनी जांच की प्रगति एक सीलबंद लिफाफे में जमा करेगी।

इस बीच केरल बीजेपी अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने राज्य के देवस्वम मंत्री वी.एन. वासन के इस्तीफे की मांग की है। चंद्रशेखर ने तिरुवनंतपुरम में सोने की लूट के खिलाफ बीजेपी महिला युवा मोर्चा के विरोध प्रदर्शन में भाग लेते हुए कहा कि केरल बीजेपी केंद्र से इस मामले की सीबीआई या ईडी जांच की मांग करेगी।

लखनऊ में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

भारत किसी की दादागिरी बर्दाश्त नहीं करेगा, दुनिया कोई गलतफहमी न पाले

लखनऊ , 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समय अपने क्षेत्र के दौरे पर हैं। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की मजबूत स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि अब भारत किसी की दादागिरी बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया का कोई भी देश इस भ्रम में न रहे कि भारत पर दबाव डालकर कुछ भी करवाया जा सकता है। उनके इस बयान को अमेरिका के प्रति कड़े संदेश के रूप में देखा जा रहा है।दरअसल, हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे कहा है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि उन्हें भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने से खुशी नहीं थी और अब वे चीन से भी यही करवाने की कोशिश करेंगे। इस पर भारत सरकार ने प्रतिक्रिया देते हुए इन दावों को पूरी तरह खारिज किया है। अब रक्षा मंत्री ने भी कड़ा संदेश दिया है।

लखनऊ के कैसरबाग स्थित विश्वेश्वरैया हॉल में आयोजित व्यापारी मिलन कार्यक्रम में बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि एक समय था जब भारत अपनी रक्षा जरूरतों के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था, लेकिन अब वह दौर चला गया है। आज भारत अपने 65 फीसदी रक्षा उपकरण खुद बना रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में 14वें स्थान पर थी। आज हम चौथे स्थान पर पहुंच चुके हैं। यह हमारे देश की नीतियों और जनता के आत्मविश्वास का परिणाम है।

राजनाथ सिंह ने व्यापारियों से कहा कि वे एक दिन तय करें, जब सभी मिलकर अपनी समस्याओं पर सामूहिक चर्चा करें। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही समाधान निकलते हैं। व्यापारी देश की आर्थिक रीढ़ हैं। जब व्यापारी सशक्त होंगे,

तभी भारत आत्मनिर्भर बनेगा। कार्यक्रम में 500 से अधिक व्यापारी शामिल हुए। इस मौके पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि भारत आज डिफेंस से लेकर एग्रीकल्चर सेक्टर तक में मजबूत हो रहा है।

ब्रजेश पाठक ने कहा कि इस दीपावली हमें स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना चाहिए। यही सच्ची देशभक्ति है। डिप्टी सीएम ने यह भी बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ को ट्रैफिक जाम से मुक्ति दिलाने के लिए 10 फ्लाईओवर बनवाए हैं। 105 किलोमीटर लंबी पेरीफेरल रोड का निर्माण कराया है। इसके अलावा शहर को जोड़ने के लिए पेरीफेरल ट्रेन सेवा भी शुरू की गई है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार देर शाम गोमतीनगर विस्तार स्थित सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के दिवाली मिलन समारोह में भी शामिल हुए। यहां उन्होंने शिक्षाविदों, समाजसेवियों और विद्यार्थियों से संवाद किया और सभी को स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में योगदान देने का संदेश दिया।

विदेश मंत्रालय की ओर से भी ट्रंप के दावे का खंडन किया गया है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच कोई बातचीत ही नहीं हुई थी। उन्होंने कहा कि भारत अपनी विदेश नीति और व्यापारिक निर्णय पूरी तरह स्वतंत्र रूप से लेता है।

ट्रम्प प्रशासन ने अगस्त 2025 में भारत पर रूस से तेल खरीदने के चलते 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था। इससे पहले भी अमेरिका ने भारत पर 25 फीसदी शुल्क लगाया था।

बिहार चुनाव: लगातार आठ चुनाव जीत चुके बीजेपी के प्रेम कुमार गया टाउन सीट से नौवीं बार उम्मीदवार

पटना , 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के बीजेपी नेता प्रेम कुमार ने गया टाउन विधानसभा सीट से नौवीं बार नामांकन भरा है। वे 1990 से लगातार आठ बार इस सीट से जीतते आ रहे हैं। इस बार भी वे अपनी जीत की हैट्रिक को जारी रखने की कोशिश में हैं। उनके नामांकन के मौके पर मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव, गोवा के सीएम प्रमोद सावंत और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद थे। प्रेम कुमार और आरजेडी के सुरेंद्र प्रसाद यादव ने एक ही साल, 1990 में राजनीति में कदम रखा था। दोनों ने मगध की राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ बनाई है। प्रेम कुमार गया टाउन से विधायक बने, जबकि सुरेंद्र प्रसाद यादव बेलगंज से चुने गए। तब से लेकर आज तक दोनों में से कोई भी विधानसभा चुनाव नहीं हारा है। दोनों नेताओं की लोकसभा जाने की भी ख्वाहिश रही है। सुरेंद्र प्रसाद यादव दो बार लोकसभा जा चुके हैं, एक बार 1998 में और दूसरी बार 2024 में। लेकिन मगध के राजनीतिक पंडितों का कहना है कि प्रेम कुमार का लोकसभा जाने का सपना अभी अधूरा है। प्रेम कुमार ने पहली बार 1990 में सीपीआई के दिग्गज नेता और वकील शकील अहमद खान को करीब 5,000 वोटों से हराया था। इसके बाद के दो चुनावों में भी उन्होंने अपने सीपीआई प्रतिद्वंद्वी मसूद मंजर को लगभग इतने ही वोटों से हराया। शकील अहमद खान ने बाद में पार्टी और सीट बदल ली थी। वे आरजेडी में शामिल हो गए और राज्य के कानून और ऊर्जा मंत्री बने। उन्होंने विधान परिषद के रास्ते से सदन में प्रवेश किया और फिर गुरुआ सीट से दो विधानसभा चुनाव जीते। शुरुआत में लगभग 5,000 वोटों के अंतर से जीतते रहने वाले प्रेम कुमार ने 2005 में बड़ा उलटफेर किया। उस साल हुए दोनों चुनावों में उन्होंने करीब 20,000 वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल की। अगले दो चुनावों में जीत का अंतर बढ़कर लगभग 25,000 वोटों तक पहुंच गया। हालांकि, 2020 के चुनाव में यह अंतर घटकर 10,000 वोटों का रह गया। यह एक संयोग ही है कि बीजेपी में प्रेम कुमार के कई साथी, जिनमें 1974 के मगध आंदोलन के प्रमुख चेहरे अखौरी निरंजन भी शामिल हैं, राजनीति में उतनी तरक्की नहीं कर पाए जितनी प्रेम कुमार ने की। अखौरी निरंजन का दावा है कि वे ही प्रेम कुमार को राजनीति में लाए थे।

शुभ लाभ

मीट माफिया पर कार्रवाई

छापे में मिले 400 करोड़ की टैक्स चोरी के सबूत

संभल/लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। संभल स्थित इंडिया फ्रोजन फूड्स कंपनी पर चार दिन चली आयकर विभाग की छापेमारी में करीब 400 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी के सुराग मिले हैं। टीमों ने बोगस कंपनियों के दस्तावेज, चार करोड़ के जेवरात, दो करोड़ से अधिक नकदी और अघोषित खातों की डायरियां बरामद कीं। जांच में अवैध पशु कटान और नकद लेन-देन का खुलासा हुआ है।

संभल स्थित इंडिया फ्रोजन फूड्स कंपनी के ठिकानों पर चार दिन से जारी आयकर विभाग के छापों की कार्रवाई के दौरान करीब 400 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी अंजाम दिए जाने के पुख्ता सुराग मिले हैं। आयकर विभाग के छापों की कार्रवाई बृहस्पतिवार को समाप्त हो गई। अधिकारियों ने कंपनी के ठिकानों से तमाम बोगस कंपनियों से जुड़े संदिग्ध दस्तावेज, मोबाइल फोन, जमीनों की रजिस्ट्री, बैंक खातों की जानकारी और अघोषित हिसाब-किताब के ब्योरे वाली कई डायरियां बरामद की हैं। छापे में करीब चार करोड़ के जेवरात और दो करोड़ रुपए से अधिक नगदी भी बरामद हुई है।

जांच में सामने आया है कि कंपनी द्वारा बड़े पैमाने पर अवैध पशुओं का कटान भी किया जा रहा था। कंपनी के ठिकानों पर टीमों के आते ही तमाम कर्मी अपने मोबाइल और दस्तावेज छोड़कर भाग गए, जिन्हें बरामद कर लिया गया। आयकर विभाग के अधिकारियों ने दिन-रात छानबीन जारी रखी और करीब 20 घरों में अलमारियों को तोड़कर दस्तावेजों को बरामद किया। वहीं जांच में जिन बोगस फर्मों का पता चला है, उनके जरिये करोड़ों रुपए का लेन-देन हो रहा था। अधिकारियों को शक है कि यह रकम अवैध तरीके से पशुओं की खरीद में इस्तेमाल की जा रही थी, जिसके लिए बैंक से नकदी निकाल कर भुगतान किया जाता था। कंपनी संचालक इन बोगस फर्मों के मालिकों के बारे में जानकारी नहीं दे सके, जिससे अधिकारियों का शक और पुख्ता हो गया है।

आयकर विभाग के अधिकारियों ने बुधवार को कंपनी के संचालकों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए। इस दौरान कई कर्मचारियों ने अपनी जान का खतरा बताकर बयान देने से मना कर दिया। अब बरामद दस्तावेजों की जांच के बाद कंपनी के संचालकों के साथ इन कर्मियों को भी राजधानी स्थित आयकर विभाग की जांच इकाई में नोटिस देकर तलब किया जाएगा, जिसके बाद उनसे दोबारा पूछताछ होगी और उनका बयान दर्ज किया जाएगा। कंपनी के बूचड़खानों की जांच में तमाम अनियमितताएं मिली हैं। कंपनी द्वारा अनुमति से अधिक पशुओं का कटान किया जा रहा था। वहां के हालात देख अधिकारी भी हैरान रहे गए। वहीं कई ठिकानों पर जांच के लिए पहुंची टीमों को महिलाओं को आगे कर रोकने का प्रयास किया गया। अधिकारियों का कुछ अज्ञात लोगों द्वारा पीछा भी किया गया। इसके बावजूद अधिकारियों ने हर ठिकाने पर छापा मारकर सबूत जुटाए। इसकी सूचना पर संभल पुलिस ने तत्काल अतिरिक्त फोर्स भेजी, जिसकी निगरानी में कार्रवाई अंजाम दी गई।

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़ेगा दिल्ली-वाराणसी रेल गलियारा

नोएडा, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली से वाराणसी तक प्रस्तावित उच्च गति रेल गलियारे को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ने की तैयारी है। बताया गया है कि हाई स्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड ने इस परियोजना के तहत नोएडा हवाई अड्डे के परिवहन केंद्र (ट्रांसपोर्ट सेंटर) पर एक स्टेशन बनाए जाने की अस्थायी मंजूरी दी है। माना जा रहा है कि इससे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तक पहुंच जल्द और आसान होगी। जिसका फायदा यात्रियों को मिलेगा। साथ ही रेल गलियारे से जुड़ा यह पहला हवाई अड्डा बन जाएगा।

यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के ओएसडी शैलेंद्र भाटिया ने बताया कि स्टेशन को लेकर सहमति बनी है। इस परियोजना को लेकर आगामी चरणों में जमीन आबंटन व प्रारूप मसौदे को लेकर विस्तृत चर्चा करेगा। जनपद गौतमबुद्ध नगर में इस गलियारे के तहत दो स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिसमें नोएडा सेक्टर-148 और नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का सेक्टर 21 शामिल है। इस स्टेशन को परिवहन केंद्र के हिस्से के रूप में बनाया जाएगा। यहीं से यात्रियों को मेट्रो, बस, टैक्सी और अन्य परिवहन सेवाओं का सीधा फायदा मिलेगा। दिल्ली-वाराणसी उच्च गति रेल गलियारा हरियाणा के बंधी से शुरू होकर उत्तर प्रदेश के जनपद बुलंदशहर के चोला तक प्रस्तावित है। इसी मार्ग में गौतमबुद्ध नगर का भी हिस्सा आता है, जिससे हवाई अड्डे को जोड़ने की योजना बनाई गई है।

नोएडा के फेज-टू स्थित पराग डेयरी संयंत्र को अब यीडा में स्थानांतरित किया जाएगा। हवाई अड्डे के पास स्थापित होने वाले इस डेयरी संयंत्र को उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने मंजूरी दे दी है। इसके लिए यीडा के सेक्टर- 32 में दस एकड़ जमीन आबंटित की गई है। यहां रोजाना चार लाख लीटर दूध आपूर्ति की क्षमता होगी। कुछ महीने पहले ही भारत सेमीकंडक्टर मिशन के तहत एचसीएल और फोक्सकोन ने 3700 करोड़ के निवेश को लेकर करार किया है।

सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में लचर पैरवी का आरोप

दिवाली नहीं मनाएंगे 69000 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। 69000 शिक्षक भर्ती के आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थियों ने अभी तक न्याय न मिल पाने के कारण दिवाली नहीं मनाने का फैसला लिया है। अभ्यर्थियों ने प्रदेश सरकार पर हीलाहवाली का आरोप लगाया है। साथ ही 28 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में होने वाली सुनवाई में याची लाभ देने की मांग की है।

पिछड़ा दलित संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुशील कश्यप व प्रदेश संरक्षक भास्कर सिंह ने कहा कि पिछले पांच साल से अभ्यर्थियों का दीपावली का त्यौहार खराब जा रहा है। भर्ती में हुई आरक्षण में गड़बड़ी की वजह से वे नौकरी पाने से वंचित हैं और न्याय पाने के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ रहे हैं। हाईकोर्ट सिंगल बेंच और डबल बेंच से जीत हासिल करने के बाद भी हम नौकरी से वंचित हैं।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट में सरकार की लचर पैरवी और संवेदनहीनता के कारण सुनवाई नहीं हो पा रही है। मोर्चा के राजन जायसवाल व जगबीर सिंह चौधरी ने कहा कि 28 अक्टूबर को प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट में याचियों के पक्ष में याची लाभ का हलफनामा दाखिल करे। ऐसा न करने पर आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थी आंदोलन तेज करने पर मजबूर होंगे। उन्होंने बताया कि अब तक सुप्रीम कोर्ट में 14 महीने में 23 से अधिक बार तारीख लग चुकी है। किंतु प्रदेश सरकार आरक्षण प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय देने के लिए तत्पर नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि 28 अक्टूबर को सरकार सुप्रीम कोर्ट में याचियों के पक्ष में हलफनामा प्रस्तुत नहीं करती है तो राजधानी में आंदोलन होगा और विधानसभा का घेराव भी करेंगे। वहीं, जनजागरण अभियान चलाकर हर जिले में घर-घर जाकर सभी को बताएंगे कि प्रदेश सरकार ने आरक्षण पीड़ित अभ्यर्थियों के साथ किस प्रकार का सौतेला व्यवहार किया है।

सीएम योगी ने ओबीसी छात्रों के खाते में भेजे 297 करोड़

छात्रवृत्ति के चयन में पहले होता था भेदभाव : योगी

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं के खाते में छात्रवृत्ति भेजी। यह पहली बार है जब वित्तीय वर्ष 2025-26 से सितंबर में ही छात्रवृत्ति वितरण की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आयोजित छात्रवृत्ति वितरण समारोह में डीबीटी से करीब पांच लाख युवाओं के खातों में छात्रवृत्ति ट्रांसफर की। सरकार ने पहली बार वित्तीय वर्ष 2025-26 से सितंबर में ही छात्रवृत्ति वितरण की शुरुआत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में सभी छात्र-छात्राओं को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि पहले छात्रवृत्ति के लिए छात्रों के चयन की प्रक्रिया में भेदभाव होता था। वर्ष 2016-17 में तो अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्रों की छात्रवृत्ति की हड़प ली गई थी पर अब ऐसा नहीं होता है। अब प्रदेश के 62 लाख छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति मिल रही है। जब हम सत्ता में आए तो तय किया कि छात्रों को वर्ष के अंत में नहीं बल्कि दो बार में छात्रवृत्ति दी जाए। जो कि अब संभव हो रहा है। यह बदली हुई व्यवस्था का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब डीबीटी के माध्यम से विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति दी जा रही है जिससे कि छात्र-छात्राओं को कहीं भी भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर अनुसूचित जाति और जनजाति के विद्यार्थियों से स्कूल जाने की अपील की और कहा कि पढ़ाई जरूर करें। इससे पूरा समाज बदलेगा।

पहले चरण में लगभग 62.13 करोड़ रुपए कक्षा 9 से 12 तक के 2.5 लाख ओबीसी छात्रों को दिए जा चुके हैं। दूसरे चरण में शुक्रवार को 126.68 करोड़ रुपए 4.83 लाख से अधिक छात्रों को दिए गए। इस मौके पर यूपी सरकार के मंत्री असीम अरुण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार यूपी सरकार अब ई-गवर्नेंस से ईजी गवर्नेंस की तरफ बढ़ रही है।

अयोध्या दीपोत्सव 2025

महाकुंभ के तर्ज पर एआई कैमरों से होगी निगरानी

अयोध्या, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। दीपोत्सव 2025 इस बार न सिर्फ भव्यता और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक बनेगा, बल्कि यह तकनीकी प्रबंधन का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहली बार दीपोत्सव में महाकुंभ के तर्ज पर एआई कैमरों से इतने बड़े पैमाने पर निगरानी की जाएगी।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए पूरे मेला क्षेत्र में 11 आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कैमरे तैनात किए जा रहे हैं, जो चप्पे-चप्पे पर नजर रखेंगे। ये एआई कैमरे लता चौक, धर्म पथ, राम पथ और राम की पैड़ी पर लाइव रहेंगे, जिससे चारों तरफ से आने जाने वाले लोगों पर नजर रखी जाएगी।

डीएम निखिल टीकाराम फुंडे ने बताया कि इस बार दीपोत्सव में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने अभूतपूर्व कदम उठाया है।

एआई कैमरे न केवल भीड़ का हेड काउंट करेंगे, बल्कि संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान भी कर सकेंगे। अगर किसी क्षेत्र में भीड़ अधिक होती है, तो तुरंत इन कैमरों के जरिए अफसरों तक अलर्ट भेजा जाएगा। जिसके जरिए तुरंत क्राउड मैनेजमेंट कर लिया जाएगा। 11 एआई कैमरे एक्टिव मोड में रहेंगे। मेला क्षेत्र में इन कैमरों की टेस्टिंग हो गई है। पूरे आयोजन क्षेत्र को 11 एआई कैमरों से कवर कर लिया जाएगा। दीपोत्सव के दौरान इन कैमरों के माध्यम से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की रियल टाइम मॉनिटरिंग होगी।

सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अयोध्या में इस बार महाकुंभ की तर्ज पर एआई क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जा रहा है। इससे न सिर्फ भीड़ का वैज्ञानिक विश्लेषण होगा, बल्कि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई भी की जा सकेगी। कैमरों से प्राप्त आंकड़े प्रशासन के पास लाइव अपडेट के रूप में पहुंचेंगे। यह तकनीक सुरक्षा, अनुशासन और सुविधा तीनों सुनिश्चित करेगा। अयोध्या के डीएम ने बताया कि पूरे मेला क्षेत्र में एआई कैमरे इंस्टॉल किए जा रहे हैं।

दीपावली पर मुख्यमंत्री योगी का बड़ा उपहार

28 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों का महंगाई भत्ता बढ़ा

लखनऊ, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकाश पर्व दीपावली के अवसर पर प्रदेश के 28 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों को महंगाई भत्ता (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) की दरों में वृद्धि का उपहार दिया है। गुरुवार को लिए गए मुख्यमंत्री के इस निर्णय के अनुसार अब प्रदेश के सभी पात्र 16.35 लाख कर्मचारियों एवं 11.52 लाख पेंशनरों व पारिवारिक पेंशनरों को 01 जुलाई 2025 से 55 प्रतिशत के स्थान पर 58 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का लाभ प्राप्त होगा।

बढ़ोतरी की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राज्य सरकार अपने कर्मचारियों और पेंशनरों के हितों के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। महंगाई के प्रभाव से उन्हें राहत पहुंचाना और उनके जीवनस्तर में सुधार करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों के प्रति संवेदना और सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दीपावली का यह उपहार उनके जीवन में नई ऊर्जा, प्रसन्नता और समृद्धि लेकर आएगा।

इस निर्णय का लाभ सभी कर्मचारियों को मिलेगा, जिनमें सहायता प्राप्त शिक्षण एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों के कर्मचारी, शहरी स्थानीय निकायों के नियमित एवं पूर्णकालिक कर्मचारी, कार्यप्रभारित कर्मचारी तथा यूजीसी वेतनमान के कर्मचारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह भी निर्देश दिए हैं कि बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता एवं राहत का भुगतान माह अक्टूबर 2025 से नकद रूप में किया जाए। व्यापक हित मे लिए गए इस निर्णय से मार्च 2026 तक राज्य सरकार पर 1960 करोड़ का अतिरिक्त व्यय भार आएगा। बता दें कि महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत का भुगतान माह अक्टूबर, 2025 से नकद किए जाने की स्थिति में माह नवंबर, 2025 में क्रमशः 161 करोड़ तथा 84 करोड़ का व्ययभार का व्ययभार आएगा।

माह जुलाई से सितंबर, 2025 तक के महंगाई भत्ता एवं महंगाई राहत के एरियर के भुगतान पर माह नवंबर, 2025 में क्रमशः 298 करोड़ एवं 252 करोड़ का अतिरिक्त नकद व्ययभार आएगा। इस प्रकार माह नवंबर, 2025 में कुल 795 करोड़ का अतिरिक्त नकद व्ययभार आएगा। ओपीएस से आच्छादित कार्मिकों के जीपीएफ में 185 करोड़ जमा होगा, तत्पश्चात् माह दिसम्बर, 2025 से प्रत्येक माह 245 करोड़ का अतिरिक्त व्ययभार आएगा।

अयोध्या में बना रामायण पर दुनिया का पहला मोम संग्रहालय

अयोध्या, 17 अक्टूबर (एजेंसियां)। अयोध्या में रामायण पर दुनिया का पहला मोम संग्रहालय बनकर तैयार हो गया है। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम जन्मभूमि के प्रांगण में भव्य राम मंदिर के निर्माण के बाद अब यह धाम एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने जा रहा है। यहां त्रेता युग की पुनर्रचना करते हुए दुनिया का पहला रामायण वैक्स म्यूजियम मोम संग्रहालय बनकर तैयार हो चुका है।

चौदह कोसी परिक्रमा मार्ग स्थित काशीराम कालोनी के सामने यह म्यूजियम बना है। एक सरकारी बयान के मुताबिक नौवें दीपोत्सव समारोह में इसका लोकार्पण होने की प्रबल संभावना है। 9850 वर्ग फीट क्षेत्र में फैले इस पूर्णतः वातानुकूलित संग्रहालय को बनाने में 6 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। यहां श्री राम समेत 50 प्रमुख पात्रों की जीवंत मोम वैक्स की प्रतिमाएं प्रदर्शित होंगी जो रामायण की पूरी कथा को जीवंत कर देंगी। संग्रहालय में एक साथ 100 लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी। जैसे ही दर्शक अंदर कदम रखेंगे, त्रेता युग की

महक और राम धुन की मधुर ध्वनि से भर जाएगा पूरा वातावरण। हर कोने में लगी स्पीकर से निरंतर 'राम तारक मंत्र' और भक्ति भजनों की धुन बजेगी। संग्रहालय का निर्माण दक्षिण भारतीय वास्तु शैली में किया गया है, जो दक्षिण भारत की पारंपरिक स्थापत्य कला का सुंदर संगम दर्शाता है।

दो मंजिला भवन में भूतल पर रामलला के बाल रूप से लेकर सीता स्वयंवर तक की घटनाएं चित्रित हैं, जबकि पहली मंजिल पर वनवास, लंका दहन और राम-रावण युद्ध की भव्य झलक मिलेगी। हर वैक्स मॉडल की अलग-अलग लाइटिंग की गई है जो पात्रों को जीवंत बना देती है। प्रवेश द्वार पर सबसे पहले भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा के दर्शन होंगे। इसके बाद रामलला के बाल रूप की वैक्स मूर्ति के साथ सेल्फी लेने की विशेष व्यवस्था है। दूसरी तरफ मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी श्रीराम वन गमन पथ और भगवान कृष्ण से जुड़े स्थानों को तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित करने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि इसके लिए पहले ही धन आवंटित कर दिया गया है। सीएम यादव ने कहा कि चित्रकूट और ओरछा में लगभग 2,200 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण कार्य जारी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अभी तक प्रदेश के 11 जिलों के 25 स्थलों को 'राम वन गमन पथ' से जोड़ा गया है। ये वे स्थान हैं जहां वनवास के समय भगवान श्रीराम गए थे। इनमें सतना में चित्रकूट सहित कई स्थल पहले से श्रीराम के प्रवास के लिए जाने जाते हैं। कुछ ऐसी जगहें भी हैं जहां माना जाता है भगवान राम आए थे या रुके थे पर वे प्रसिद्ध नहीं हैं यानी कम ज्ञात हैं। सीएम यादव ने कहा, ''श्री राम वन गमन पथ और भगवान कृष्ण से जुड़े जगहों को तीर्थ स्थलों के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकार ने फंड को मंजूरी दे दी है।

संपादकीय

गाजा में कत्लेआम जारी

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप मसखरी करते रहें या विभिन्न देशों के राष्ट्रपतियों, प्रधानमंत्रियों के सामने शेखी बघारते रहें अथवा दुनिया में शांति के नाम पर धौंस दिखाते रहें या रूस को 'टॉमहॉक' विनाशक क्रूज मिसाइलों की धमकी देते रहें, लेकिन फिलिस्तीन के गाजा में शांति फिलहाल अधूरी है। यह तब तक निरर्थक रहेगी, जब तक हमास के आतंकवादी हथियार नहीं डाल देते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां भी शेखी बघारी है कि यदि हमास ने हथियार नहीं छोड़े, तो हम उसे निरस्त्र कर देंगे। शांति-समझौते पर दस्तखत कर हमास ने निरस्त्रीकरण पर सहमति जताई थी। सह-अस्तित्व शांति की बात स्वीकार की थी। बेशक युद्धविराम हो गया। हमास ने 20 इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया। 4 बंधकों के शव भी सौंपे हैं और 20 बंधकों के शव अभी लौटाने हैं। हमास उन लाशों को रख कर क्या करेगा? इजरायल ने भी करीब 2000 फिलिस्तीनी और हमास के कैदी रिहा किए हैं। उनमें करीब 250 कैदी आजीवन कारावास के सजायाफ्ता थे। शांति के 20-सूत्रीय समझौते को पूरी तरह लागू करना चाहिए था, लेकिन 11-13 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने चेहरे पर नकाब पहन कर, आईएसआईएस आतंकियों की तर्ज पर, कुछ लोगों को घुटनों के बल बिठाया और पीछे से गोलियों की बौछार कर दी। हमास इन दो दिनों में 60 से अधिक लोगों की हत्याएं कर चुका है। मृतकों पर जासूसी के आरोप चस्पां किए गए और कत्लेआम कर दिया। हम इसे 'नरसंहार' करार देते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति ट्रंप और कतर, मिस्र, तुर्किये सरीखे पर्यवेक्षक देशों के शांति-प्रयास बेमानी हैं। जब तक सभी हितधारक देश कानून नहीं बनाते और हमास के स्थान पर अरब एवं अंतरराष्ट्रीय सेना बल का गठन नहीं होता और फिलिस्तीनी प्राधिकरण के हाथों गाजा और पश्चिमी तट आदि का शासन नहीं दिया जाता, तब तक हमास का आतंकवाद जारी रहेगा। हमास के लिए शांति और स्थिरता के मायने ये हैं कि फिलिस्तीन में उनका वर्चस्व कायम रहे और नागरिक शासन उन्हीं के हाथों में रहे। क्या ट्रंप और अरब देशों ने गाजा में शांति और पुनर्वास का यही मसविदा, समझौता तैयार किया था? क्या गाजा के मौजूदा हालात इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू को गाजा पर फिर हमले शुरू करने को विवश कर रहे हैं? फिर शांति को पलीता लगा दिया जाएगा? राष्ट्रपति ट्रंप संयुक्त राष्ट्र से अभी तक ऐसा प्रस्ताव पारित नहीं करा पाए हैं, जो गाजा में हमास के निरस्त्रीकरण और सुरक्षा की निगरानी के लिए अंतरराष्ट्रीय शांति सेना का गठन कर सके। फिलिस्तीन सुरक्षा बल का गठन भी विचाराधीन है। गाजा के पुनर्वास और पुनरोत्थान पर जो अरबों डॉलर खर्च किए जाने हैं, वह राशि कहां से आएगी और कौन देगा, यह भी अभी तक अस्पष्ट है। यह भी अभी तक अस्पष्ट है कि उस फिलिस्तीनी कैबिनेट की नियुक्ति और प्रबंधन कौन करेगा, जो अंततः गाजा को चलाएगा? दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप की अध्यक्षता वाला शांति-बोर्ड अभी तक क्यों नहीं बन पाया, यह ट्रंप ही जानते हैं। ट्रंप को नेतन्याहू से अब यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वह हमेशा उनके साथ ही रहेंगे अथवा खिलाफ भी जा सकते हैं! क्या नेतन्याहू इजरायली राजनीति के केंद्र में आकर एक ऐसा गठबंधन बना सकते हैं, जो नए फिलिस्तीनी प्राधिकरण के साथ मिल कर हमास की जगह ले सके और हमास को फिलिस्तीन से बाहर फेंका जा सके? क्या इस तरह इजरायल गाजा और पश्चिमी तट पर शासन करने की मंशा पूरी कर सकेगा? या नेतन्याहू वही खेल जारी रखेंगे, जो वह 1996 से अमरीकी राष्ट्रपतियों के साथ खेलते आए हैं? बहरहाल हमास के आतंकियों ने न केवल गाजा में कत्लेआम जारी रखा है, बल्कि वे सशस्त्र कई इलाकों में दिखाई दिए हैं। कहीं ट्रैफिक को नियंत्रित करते, तो कहीं तलाशी लेते हुए उन्हें देखा गया है। विश्लेषक मानते हैं कि हमास यह दिखाना चाहता है कि गाजा पर अब भी उसका शासन और वर्चस्व है। इजरायल का मानना है कि कुछ फिलिस्तीनी कबीले हमास से भिडने की तैयारी में हैं। स्थानीय मिलिशिया समूहों ने ऐलान किए हैं कि हम आत्मसमर्पण नहीं करेंगे, मरना पसंद करेंगे। गाजा में ऐसा टकराव बढ़ता रहा, तो वहां 'हैती जैसे हालात' बन सकते हैं। कमोबेश शांति की बात जमीनी नहीं है।

प्रधानमंत्रियों के सामने शेखी बघारते रहें अथवा दुनिया में शांति के नाम पर धौंस दिखाते रहें या रूस को 'टॉमहॉक' विनाशक क्रूज मिसाइलों की धमकी देते रहें, लेकिन फिलिस्तीन के गाजा में शांति फिलहाल अधूरी है। यह तब तक निरर्थक रहेगी, जब तक हमास के आतंकवादी हथियार नहीं डाल देते। राष्ट्रपति ट्रंप ने यहां भी शेखी बघारी है कि यदि हमास ने हथियार नहीं छोड़े, तो हम उसे निरस्त्र कर देंगे। शांति-समझौते पर दस्तखत कर हमास ने निरस्त्रीकरण पर सहमति जताई थी। सह-अस्तित्व शांति की बात स्वीकार की थी। बेशक युद्धविराम हो गया। हमास ने 20 इजरायली बंधकों को रिहा कर दिया। 4 बंधकों के शव भी सौंपे हैं और 20 बंधकों के शव अभी लौटाने हैं। हमास उन लाशों को रख कर क्या करेगा? इजरायल ने भी करीब 2000 फिलिस्तीनी और हमास के कैदी रिहा किए हैं। उनमें करीब 250 कैदी आजीवन कारावास के सजायाफ्ता थे। शांति के 20-सूत्रीय समझौते को पूरी तरह लागू करना चाहिए था, लेकिन 11-13 अक्तूबर को हमास के आतंकियों ने चेहरे पर नकाब पहन कर, आईएसआईएस आतंकियों की तर्ज पर, कुछ लोगों को घुटनों के बल बिठाया और पीछे से गोलियों की बौछार कर दी।

हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा

इजराइल–हमास युद्धविराम: आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग

गाज़ा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा। गाज़ा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी

युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं।

भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की "कूटनीति की जीत" से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाज़ा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागज़ों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाज़ा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाज़ा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए। हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।

देश दुनिया से

पराली जलाने की आग में झुलसता उत्तर भारत

हर वर्ष जब धान की कटाई का मौसम आता है, तब पंजाब और हरियाणा के खेतों से उठने वाला धुआँ आसमान को धुंध से भर देता है। यह केवल खेतों की आग नहीं होती, बल्कि भारत की कृषि नीति, आर्थिक असमानता और पर्यावरणीय असंतुलन की जलती हुई तस्वीर होती है। दिल्ली तथा उसके आस-पास के क्षेत्र इस धुएँ से ढक जाते हैं और वायु गुणवत्ता अत्यंत गंभीर स्तर तक पहुँच जाती है। कानूनी रूप से पराली जलाना प्रतिबंधित है, फिर भी किसान इसे हर साल दोहराते हैं क्योंकि इसके पीछे अनेक सामाजिक और आर्थिक कारण जुड़े हैं। पराली जलाने का मूल कारण खेतों में बचा हुआ धान का ठूँठ होता है। जब धान की फसल कट जाती है, तब खेत में रह गए अवशेष को हटाने के लिए किसानों के पास न समय होता है न साधन। पंजाब और हरियाणा की कृषि व्यवस्था मुख्य रूप से धान और गेहूँ पर आधारित है। सन् 1960 के दशक की हरित क्रांति ने इन राज्यों को देश का अन्न भंडार तो बना दिया, परंतु कृषि को एकरूपी और जल–प्रधान भी बना दिया। भूजल के अत्यधिक दोहन को रोकने के लिए सन् 2009 में पंजाब में "उप–जल संरक्षण अधिनियम" लागू किया गया, जिसके अंतर्गत धान की रोपाई जून के अंत तक करने का निर्देश दिया गया ताकि मानसूनी वर्षा का लाभ लिया जा सके। परिणामस्वरूप धान कटाई और गेहूँ की बुवाई के बीच केवल दस से बीस दिन का अंतर रह गया। इतने कम समय में किसान पराली को एकत्रित या सड़ाकर खेत तैयार नहीं कर सकते, इसलिए वे सबसे तेज़ और सस्ता उपाय—जलाना—चुन लेते हैं। दूसरा बड़ा कारण आर्थिक है। पराली हटाने या निपटाने के लिए जो मशीनें चाहिए—जैसे सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली, हैप्पी सीडर, बेलर या रोटावेटर—वे अत्यंत महँगी हैं। छोटे और सीमांत किसान जिनकी जोत तीन हेक्टेयर से भी कम है, वे इन मशीनों को खरीदने या किराए पर लेने में असमर्थ हैं। उदाहरण के लिए, हैप्पी सीडर का किराया लगभग दो से तीन हज़ार रुपये प्रति एकड़ पड़ता है, जबकि पराली जलाने में केवल माचिस और थोड़े डीज़ल का खर्च आता है। यही व्यावहारिकता इस समस्या को गहराई तक जकड़े हुए है। तीसरा कारण पराली का कम उपयोग मूल्य है। पंजाब और हरियाणा में बोई जाने वाली अधिकतर धान की किस्में साधारण होती हैं, जिनमें सिलिका की मात्रा अधिक होती है। ऐसी पराली पशु चारे के रूप में प्रयोग योग्य नहीं होती और न ही इससे जैव ईंधन या खाद आसानी से बनाई जा सकती है। पूर्वी भारत के राज्यों में धान की पराली पशुओं के चारे के रूप में प्रयोग में आती है, परंतु पंजाब–हरियाणा में यह उपयोग सीमित है। इसीलिए यहाँ पराली किसानों के लिए किसी आर्थिक लाभ का साधन नहीं बन पाती। चौथा कारण है श्रम की कमी और जोत का विखंडन। प्रवासी मजदूरों की संख्या घट रही है, और छोटे खेतों में मशीनरी लगाने की क्षमता नहीं है। समय की कमी और श्रमिकों के अभाव में किसान अगली फसल बोने की जल्दी में पराली को जला देते हैं। सामाजिक दृष्टि से भी पराली जलाना वर्षों से एक स्वीकृत प्रक्रिया बन चुकी है। किसानों को यह लगता है कि खेत की सफाई का यही सबसे आसान और पारंपरिक तरीका है। कानूनों और जुर्मानों के बावजूद यह प्रथा इसलिए जारी है क्योंकि प्रवर्तन ढीला है और राजनीतिक दबावों के कारण प्रशासन कठोर कार्रवाई नहीं कर पाता। वर्ष 2023 में पंजाब में लगभग साठ हज़ार पराली जलाने की घटनाएँ दर्ज की गईं, जबकि जुर्माना और निगरानी दोनों व्यवस्था में थे। अब प्रश्न यह है कि इस समस्या का स्थायी समाधान क्या हो सकता है? स्पष्ट है कि केवल प्रतिबंध या दंड इस समस्या को समाप्त नहीं कर सकते। आवश्यक है कि ऐसी रणनीति अपनाई जाए जो किसान की आजीविका और पर्यावरण संरक्षण दोनों को साथ लेकर चले। पहला समाधान है फसल विविधीकरण। पंजाब और हरियाणा की भूमि लगातार धान–गेहूँ चक्र से थक चुकी है। जल स्तर भी नीचे जा रहा है। अतः मक्का, दलहन, तिलहन और बागवानी फसलों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इन फसलों के लिए यदि सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य, बीमा सुरक्षा और निश्चित खरीद सुनिश्चित करे तो किसान धीरे-धीरे धान पर निर्भरता कम कर सकते हैं। हरियाणा की "भावांतर भरपाई योजना" इस दिशा में एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें किसानों को मूल्य अंतर की भरपाई दी जाती है। दूसरा समाधान है यंत्रीकरण और साझा संसाधन। किसानों को मशीनें साझा उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएँ। पंचायत या सहकारी समितियों के स्तर पर "कस्टम हायरिंग केंद्र" स्थापित हों, जहाँ से किसान कम किराए पर हैप्पी सीडर या सुपर स्ट्रॉ प्रबंधन प्रणाली जैसी मशीनें ले सकें। केंद्र सरकार की "फसल अवशेष प्रबंधन योजना" के अंतर्गत पंजाब और हरियाणा में एक लाख से अधिक मशीनें बाँटी गई हैं, पर इनकी पहुँच सभी किसानों तक नहीं हो पाई है। यदि हर गाँव में सामुदायिक यांत्रिक केंद्र बने, तो किसान पराली जलाने से बचेंगे। तीसरा उपाय है पराली का औद्योगिक उपयोग। पराली को कचरा न मानकर एक संसाधन के रूप में देखा जाए। इससे जैव ऊर्जा, एथेनॉल, कागज़, पैकेजिंग और निर्माण सामग्री तैयार की जा सकती है। उदाहरण के लिए, भारतीय तेल निगम की पानीपत जैव रिफाइनरी प्रतिवर्ष लगभग दो लाख टन पराली से एथेनॉल बनाती है। यदि इस प्रकार की परियोजनाएँ हर जिले में स्थापित हों तो पराली किसानों के लिए आय का स्रोत बनेगी और जलाने की आवश्यकता कम होगी। सरकार को परिवहन सहायता, खरीद अनुबंध और स्थायी बाज़ार उपलब्ध कराने की नीति बनानी चाहिए। चौथा कदम होना चाहिए कृषि–पर्यावरणीय समय निर्धारण। धान की छोटी अवधि वाली किस्में जैसे पी.आर.–126 या डी.आर.आर. धान–44 अपनाने से किसानों को फसल कटाई और बुवाई के बीच कुछ अतिरिक्त दिन मिल सकते हैं। इस समय का उपयोग पराली प्रबंधन में किया जा सकता है। इसके साथ–साथ परिशुद्ध कृषि यानी सटीक तकनीकी साधनों का प्रयोग, जल–सिंचाई प्रणाली में सुधार और जैविक खाद उपयोग से भी पर्यावरणीय लाभ मिलेगा। पाँचवाँ, सामुदायिक प्रोत्साहन और जनजागरूकता। पराली न जलाने वाले किसानों को आर्थिक प्रोत्साहन दिया जाए, गाँव स्तर पर प्रतियोगिता आयोजित हो और "शून्य दहन ग्राम" घोषित किए जाएँ। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में "पुसा डीकंपोजर" नामक जैविक घोल के प्रयोग से पराली को खेत में ही खाद में बदला जा रहा है। यदि इस तकनीक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाए तो पराली जलाने की आवश्यकता नहीं बचेगी। छठा, प्रशासनिक तालमेल और नीति–समन्वय। केंद्र तथा राज्य सरकारों के बीच सामंजस्य होना चाहिए ताकि कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा विभाग एक साझा योजना के अंतर्गत काम करें। पराली प्रबंधन को ग्रामीण रोजगार योजना, जैव ऊर्जा मिशन और जलवायु परिवर्तन कार्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है। उदाहरण के लिए, मनरेगा के अंतर्गत पराली एकत्रीकरण या जैव खाद इकाइयों में कार्य को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

आप का नजरिया

महंगाई की कितनी आपूर्ति

सरकारी कर्मचारियों का भुगतान फिर दिवाली की किस्त में दर्ज हुआ, तो हिमाचल सरकार ने महंगाई की आपूर्ति में तीन कदम बढ़ा दिए। सत्तर लाख की आबादी में 3.62 लाख कर्मचारी और पेंशनरों के चूल्हे पर तीन प्रतिशत डीए की किस्त राज्य के आर्थिक दबाव बढ़ाने के बावजूद कितना संतुष्ट कर पाएगी, यह कहा नहीं जा सकता। कर्मचारी अपेक्षाओं का समुद्र इतना गहरा है कि सरकार की किश्तियां कभी भी साहिल पर नहीं पहुंच पातीं, इसलिए तीन प्रतिशत महंगाई के वित्तीय मुनाफे खुदगर्ज ही रहेंगे। ये मनौतियां हैं या मन्नतें जो सरकार की ओर से निभाई जाती हैं। डीए की किस्तें अब हक हकूक की पैरवी में सरकारों के वित्तीय खातों को कमजोर करके भी एक दस्तूर नहीं बनती, इसलिए यह कोई मापक यंत्र नहीं, बस सत्ता से एक हिसाब किताब है। यही परिदृश्य एचआरटीसी पेंशनरों की हड़ताल को कर्कश बना रहा है। वहां किसका पलड़ा भारी, किस पर दुश्वारी, फैसला होने से पहले, एक असंतोष जहरीला होने लगा है। दो महीने से पेंशन का चिट्ठा एचआरटीसी पेंशनरों को सडक़ पर पहुंचा गया, तो यह प्रदेश का आर्थिक प्रबंधन है या हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली चादर। ऐसे कई सरकारी उपक्रम हैं जो अपने उद्देश्यों का अमृत पीकर अब जहर उगल रहे हैं। ढांचा इतना कमजोर है कि सरकार को उधार लेकर खिलाना पड़ रहा है। कब तक एचआरटीसी के प्रदर्शन में सार्वजनिक धन को जलाना पड़ेगा। आश्चर्य के बोध में सरकारी नवाले हर जगह तकलीफदेह हैं। ओपीएस का नवाला प्रदेश के आर्थिक संसाधनों की जान लेगा या यह प्रदेश जी जान लड़ा कर किसी तरह कर्मचारी ब्रिगेड के आशियानों, अफसानों, एहसानों और फरमानों की जुंबिश में एक मजबूर साहस करते हुए उधार में पगार की कतार को संतुष्ट करता रहेगा। यह इसलिए कि बिजली बोर्ड कर्मचारी ओपीएस बहाली की सतह पर गर्म मिजाज रखते हैं। यह स्वाभाविक आक्रोश हो सकता है क्योंकि कर्मचारी तो कर्मचारी है, चाहे एक डाल पर बैठे या दूसरी पर। गुनाह तो राजनीतिक होते हैं जो कब्र पर महल बनाकर पुण्य कमाना चाहते हैं। हैं कब्रें बहुत और हर विभाग में बहुत हैं। एचआरटीसी के ड्राइवर-कंडक्टर तो बूढ़ी, उम्रदराज और कंडम हो चुकी बसों को भी चलाने की जुर्रत करते हैं, लेकिन नित नए डिपो खोल कर सियासत ने कर्म की कब्रगाह खोद डालीं। यही हाल अन्य विभागों का है, सरकारी खर्चों का है, राजनीतिक नियुक्तियों का है, सरकारी कामकाज की गुणवत्ता का है और उस परिपाटी का भी है जो जनता को निराश करके सदा विद्यमान रहती है। प्रदेश की सारी मोहलतें, आर्थिक कुर्बानियां और वित्तीय निशानियां अगर बजट में खोजनी हों, तो सरकारी कर्मचारी की पगार, पेंशन और वित्तीय अधिकारों की फेहरिस्त तलवार बन जाती है। सरकार कब तक चैन मनाएगी, इसलिए फिलहाल तीन प्रतिशत दर से महंगाई का भत्ता दर्ज हुआ। यह दीगर है कि भत्तों की लंबित कतार इससे दूर नहीं हुई। अपेक्षाओं की सुगबुगाहट में केंद्रीय कर्मचारियों की डीए किस्तें दरबान की तरह सरकार के कक्ष के बाहर खड़ी हैं। केंद्रीय कर्मचारियों को 58 फीसदी महंगाई भत्ता मिल चुका है, तो यही मुकाबला राज्य की तस्वीर में अब 45 प्रतिशत हो गया, यानी कर्मचारी वर्ग को खुश करने की नीयत में राज्य सरकार को 13 प्रतिशत डीए का देय, अपनी फितरत में सहेज कर रखना होगा। हम पल भर के लिए सोचें कि हिमाचल किसके लिए कमाए, किसके लिए गवाए। निजी क्षेत्र, स्वरोजगार, व्यापार व उद्यम में लगे करीब 15 से बीस लाख लोगों पर सरकारी बजट का कोई उद्देश्य इतना सक्रिय क्यों नहीं होता। एक महत्त्वाकांक्षी युवा पीढ़ी के लिए रोजगार का ढांचा कब इतना जरूरी होगा कि सरकारें समय-समय पर यह भी बता सकें कि निजी क्षेत्र को बचाने के लिए भी कोई किस्त आमद हुई।

सत्तर लाख की आबादी में 3.62 लाख कर्मचारी और पेंशनरों के चूल्हे पर तीन प्रतिशत डीए की किस्त राज्य के आर्थिक दबाव बढ़ाने के बावजूद कितना संतुष्ट कर पाएगी, यह कहा नहीं जा सकता। कर्मचारी अपेक्षाओं का समुद्र इतना गहरा है कि सरकार की किश्तियां कभी भी साहिल पर नहीं पहुंच पातीं, इसलिए तीन प्रतिशत महंगाई के वित्तीय मुनाफे खुदगर्ज ही रहेंगे। ये मनौतियां हैं या मन्नतें जो सरकार की ओर से निभाई जाती हैं। डीए की किस्तें अब हक हकूक की पैरवी में सरकारों के वित्तीय खातों को कमजोर करके भी एक दस्तूर नहीं बनती, इसलिए यह कोई मापक यंत्र नहीं, बस सत्ता से एक हिसाब किताब है। यही परिदृश्य एचआरटीसी पेंशनरों की हड़ताल को कर्कश बना रहा है। वहां किसका पलड़ा भारी, किस पर दुश्वारी, फैसला होने से पहले, एक असंतोष जहरीला होने लगा है। दो महीने से पेंशन का चिट्ठा एचआरटीसी पेंशनरों को सडक़ पर पहुंचा गया, तो यह प्रदेश का आर्थिक प्रबंधन है या हमने जरूरत से ज्यादा ओढ़ ली चादर। ऐसे कई सरकारी उपक्रम हैं जो अपने उद्देश्यों का अमृत पीकर अब जहर उगल रहे हैं। ढांचा इतना कमजोर है कि सरकार को उधार लेकर खिलाना पड़ रहा है। आश्चर्य के बोध में सरकारी नवाले हर जगह तकलीफदेह हैं। ओपीएस का नवाला प्रदेश के आर्थिक संसाधनों की जान लेगा या यह प्रदेश जी जान लड़ा कर किसी तरह कर्मचारी ब्रिगेड के आशियानों, अफसानों, एहसानों और फरमानों की जुंबिश में एक मजबूर साहस करते हुए उधार में पगार की कतार को संतुष्ट करता रहेगा।

कुछ अलग

रसोई भई चकाचक...

राधिका! देख कौन आई हैं? तू भी मिल। हाउस-मेड राधिका किचन से बाहर आई। गेरुए से वस्त्र धारण किए, कई महीनों से अपने बालों को न धोती दिखती, लंबी जटाओं वाली, गले में ढेर सारी रुद्राक्ष की माला डाले उस महिला साधु को देख वह कुछ डर सी गई। बोली, 'कौन हैं मैडमजी ये?' 'अरे राधिका! ये हैं श्री-श्री 8004 महामंडलेश्वर साध्वी आनंदेश्वरी माता, मेरी गुरुजी, बहुत पहुंची हुई हैं। अभी-अभी प्रयागराज में जो 144 साल बाद महाकुंभ हुआ था न, उसी से साधना कर लौटी हैं।...हमारी ये गुरु माता जी, पता है सारे काम अपनी साधना से चुटकियों में कर देती हैं।' 'अरे छोड़ो मैडम जी, आपकी रसोई में जो सात दिन के बर्तन गंदे पड़े हैं, उन्हें न मांज पाएंगी ये, अपनी साधना से।...अब मैं जब सात दिनों से आई नहीं थी और आपने पूरी रसोई जूठे बर्तनों से भर रखी है।...ये पहले आईं होतीं, तो मुझे भी कुछ सहारा हो जाता। खैर।...अच्छा।...ये बताओ साधु मैडम जी! आप हमारी इन मैडमजी की रसोई में गंदे पड़े सौ बर्तनों को अपनी साधना शक्ति से कितने दिनों में मांज सकती हैं?' 'दिन नहीं. बच्चा! बस कुछ मिनटों में।' साध्वी माता बोलीं। 'मिनटों में नहीं, आप घंटों में ही कर दीजिए। मुझे भी आज कुछ सुख हो जाएगा।' '15 मिनट एकाग्र होने में, 15 मिनट अपनी सांसों को रोकने में और 15 मिनट कुंडलिनी-जागरण में और बस 45 मिनट में सारे बर्तन साफ।' साध्वीजी कह रही थीं। 'अच्छा तो मैडमजी! आपकी ये साधु माता अपना बर्तन-मांज-सफाई-प्रदर्शन-कार्यक्रम यहीं ड्राइंग रूम में सम्पन्न करेंगी या किचन में जाकर?' अपनी मालकिन से अच्छी खासी हिंदी सीख चुकी राधिका बोली। 'अरे राधिका! साध्वी माता को वहां नहीं जाना होता, जहां काम चाहिए।

दृष्टि कोण

ममता बैनर्जी की चिंता से निकला समाधान

पिछले दिनों पश्चिमी बंगाल के एक मेडिकल कालेज में अध्ययन कर रही एक छात्रा से सामूहिक बलात्कार का मामला सामने आया है। उससे पहले भी कोलकाता के ही एक मेडिकल कालेज में एक मेडिकल छात्रा की कालेज के भीतर ही सामूहिक बलात्कार के बाद हत्या कर दी गई थी। ऐसी बात नहीं कि देश के दूसरे हिस्सों में ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। यह पूरे देश की समस्या है। इसका समाधान क्या हो सकता है, इस पर भी समाजशास्त्री अपने विचार देते रहते हैं। दूसरे लोग भी विचार-विमर्श करते ही हैं। मामले पश्चिमी बंगाल के हैं और हो भी वहां हो रहे हैं जिनके बारे में माना जाता है कि वे प्रबुद्ध लोग हैं, तो जाहिर है प्रदेश की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चिंतित भी होंगी और समाज मे फैल रही इस बीमार मानसिकता और पाश्विकता से निपटने या उसे समाप्त करने के लिए रास्ता भी खोज रही होंगी। पिछले कल अगस्त महीने में कोलकाता के मेडिकल कालेज में बलात्कार और हत्या और कुछ महीने बाद ही मेडिकल कालेज में ही दूसरा बलात्कार, ममता बनर्जी की संवेदनशीलता को देखते हुए मानना चाहिए कि वे समाजशास्त्रियों के साथ मनन करके कोई रास्ता निकालेंगी ही, ऐसा बंगाल ही नहीं देश की जनता भी सोच रही थी। अब ममता बनर्जी ने साल भर गहन अध्ययन और धरातल के यथार्थ को देखते हुए समाधान का सटीक रास्ता निकाल लिया है और उन्होंने देश की जनता को मीडिया के माध्यम से इसकी जानकारी भी दी ताकि लड़कियां तुरन्त उसका पालन करना भी शुरू कर दें। ममता बनर्जी का सुझाव है कि लड़कियों को रात के वक्त घर से निकलना नहीं चाहिए। उन्होंने यह नहीं बताया कि उनके हिसाब से लड़कियों के लिए कितने बजे से रात शुरू हो जाती है? मसलन क्या सूर्यास्त से लेकर सूर्योदय तक? यह जानना इसलिए जरूरी है कि यदि बंगाल या देश के अन्य हिस्सों की लड़कियां सचमुच मुख्यमंत्री के इस 'हुक्म' पर अमल करना चाहें तो टाइम लाईन का तो सभी को पता होना ही चाहिए। वैसे यदि ममता जी चाहें तो सूर्यास्त के बाद एक-दो घंटों की और रियायत भी दे सकती हैं। वैसे

ममता बनर्जी का यह समाधान नया नहीं है। एक बार दिल्ली की मुख्यमंत्री रह चुकीं शीला जी ने भी प्रदेश में बलात्कार की एक घटना के बाद यही सुझाव दिया था। यह सुझाव और आदेश कुछ कुछ इस मनोवृत्ति में से उपजा है कि यदि ट्रेन एक्सीडेंट हो जाता है तो ट्रेन में बैठने से परहेज करना चाहिए। वैसे ममता बनर्जी शायद यह मानकर चलती हैं कि बलात्कार की घटनाएं रात के अंधेरे में ही होती हैं। इसलिए लड़कियों को केवल रात को घर में रहने के लिए कह रही हैं। यदि खुदा न खास्ता दिन में भी कुछ घटनाओं की रपट आ गई तो शायद वे यह सुझाव या हुक्म भी सुना सकती हैं कि लड़कियों को दिन में भी घर में ही रहना चाहिए। घर से बाहर तभी निकलना चाहिए जब कोई बहुत ही जरूरी काम हो। यदि हो सके तो अपने साथ किसी पुरुष संबंधी को लेकर ही निकलना चाहिए। जब घर से निकलना ही बन्द हो जाएगा तो कालेज में न लड़कियां रहेंगी और न ही बलात्कार का खतरा होगा। यह तो खुदा का शुक्र है कि अभी हाल में ही भारत की यात्रा पर आए हुए अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी को किसी ने बता नहीं दिया कि भारत में भी लड़कियों के प्रति बढ़ते अपराधों की रोकथाम के लिए उस प्रदेश की मुख्यमंत्री, जिस प्रदेश में काबुलीवाला कहानी लिखी गई थी, भी कुछ कुछ उसी तर्ज पर उपाय कर रही हैं जिस तर्ज पर तालिबान ने अफगानिस्तान में कर रखे हैं। वैसे लड़कियों के प्रति बढ़ते अपराधों को रोकने के लिए ममता बनर्जी जैसे क्रांतिकारी विचार पहली बार आए हों, ऐसा नहीं है। एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) के शासन काल में भी यही होता था।

भारत की वायुसेना अब दुनिया में तीसरे नंबर पर, चीन को पछाड़ा निकली आगे

वाशिंगटन,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत ने दुनिया की तीसरी सबसे शक्तिशाली वायुसेना का खिताब हासिल कर लिया है। वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉर्डन मिलिट्री एयरक्राफ्ट की रैंकिंग में शीर्ष पर अमेरिका का दबदबा कायम है। इसके बाद रूस का नंबर आता है। चीन पहले तीसरे स्थान पर था अब चौथे पर पहुंच गया है। भारत का उदय एशिया के सामरिक संतुलन में एक नाटकीय बदलाव का संकेत माना जा रहा है। डब्ल्यूडीएमएमए रैंकिंग में 103 देश और 129 वायु सेनाएं शामिल हैं, जिनमें सेना, नौसेना और नेवल एविएशन ब्रांच

वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉर्डन मिलिट्री एयरक्राफ्ट की रैंकिंग में अमेरिका शीर्ष पर

भी शामिल हैं। इस रैंकिंग में दुनिया भर में कुल 48,082 विमानों पर नजर रखी है।

वैश्विक सैन्य रणनीति में वायु शक्ति को एक निर्णायक कारक माना जाता है। इस मामले में अमेरिका शीर्ष पर काबिज है, जिसकी हवाई शक्ति रूस, चीन, भारत, दक्षिण कोरिया और जापान के संयुक्त बेड़े से भी आगे हैं। इस प्रभुत्व को कायम रखने के लिए अमेरिका में दुनिया के कुल सैन्य बजट का 40 फीसदी हिस्सा खर्च करता है। भारत और चीन भी बदलते भू-राजनीतिक तनाओं को देखते हुए अपनी वायुसेनाओं का तेजी से आधुनिकीकरण कर रहे हैं। वैश्विक ओपन-सोर्स डिफेंस इंटेलिजेंस थिंकटैंक जेन्स का अनुमान है कि साल के आखिर तक वैश्विक रक्षा खर्च 3.6 फीसदी बढ़कर करीब 2.56 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। यह निरंतर वृद्धि दुनिया भर में तीव्र संघर्षों और रणनीतिक रस्साकस्सी को दर्शाती है, जो आधुनिक युद्ध और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिरोध, दोनों में वायु शक्ति की अहम भूमिका पर जोर देती है।

भारतीय वायुसेना की ट्रूवैल रेटिंग 69.4 है। यह रेटिंग न केवल विमानों की संख्या का मूल्यांकन करती है, बल्कि आक्रमण और रक्षा क्षमताओं, सैन्य सहायता, आधुनिकीकरण और परिचालन प्रशिक्षण जैसे कारकों का भी मूल्यांकन करती है। अपने 1,716 विमानों के बेड़े में भारत एक संतुलित बल संरचना बनाए रखता है।

न्यूज ब्रीफ

अगले साल आर्थिक तंगी से जूझेगी दुनिया, बाबा वेंगा ने की भविष्यवाणी

सोफ़िया। साल 2025 ने दुनिया को कई डरावने सबक दिए वैश्विक युद्धों की आग, जलवायु परिवर्तन के कारण तबाही, और कई देशों में आर्थिक अस्थिरता। अब जब नया साल करीब है, लोग उम्मीद कर रहे हैं कि 2026 राहत लेकर आएगा, लेकिन बाबा वेंगा की भविष्यवाणी ने लोगों के मन में भय पैदा कर दिया है। उनकी मानें तो 2026 में दुनिया एक भयंकर आर्थिक संकट की चपेट में आने वाली है, जो पूरी वित्तीय व्यवस्था को हिला कर रख देगा। रिपोर्ट के अनुसार, बाबा वेंगा ने साल 2026 के लिए एक चरम वैश्विक वित्तीय संकट की भविष्यवाणी की थी। उन्होंने कहा था कि इस साल डिजिटल और फिजिकल दोनों तरह की करेंसी ध्वस्त हो जाएंगी। इससे बैंकिंग सिस्टम में कैश क्रश जैसी स्थिति बन जाएगी, जहां न तो नकद लेन-देन संभव होगा, न ही डिजिटल भुगतान सुरक्षित रहेंगे। इसके चलते बैंकिंग सिस्टम पर भारी दबाव पड़ेगा, करेंसी की वैल्यू घटेगी, मार्केट में तरलता की कमी होगी, और दुनिया मंदी जैसी स्थिति की ओर बढ़ेगी। इस आर्थिक हलचल से महंगाई बढ़ने, ब्याज दरों के ऊंचे होने, और तकनीकी उद्योग में अस्थिरता की स्थिति बन सकती है।

हमास और इजरायल के बीच फिर से जंग के आसार.........ट्रंप का आया बयान

तेलअवीव। गाजा में हमास और इजरायल के बीच फिर से जंग होती दिख रही है। ताजा अपडेट में इजरायली रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने चेतावनी दी है कि अगर हमास ने सैन्यीकरण नहीं किया और अपने बंधकों के सभी शव नहीं लौटाए, तब इजरायल फिर से लड़ाई पर उतर जाएगा। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान भी आया है। काट्ज़ ने कहा, अगर हमास समझौते का पालन करने से इंकार करता है, तब इजरायल, अमेरिका के साथ मिलकर, लड़ाई में वापस लौटेगा और हमास को पूरी तरह से हराने, गाजा में स्थिति बदलने और युद्ध के सभी उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कार्रवाई करेगा ।चीफ ऑफ स्टाफ और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक में, काट्ज़ ने सेना को निर्देश दिया कि अगर इजरायल गाजा में अपना अभियान फिर से शुरू करने का फैसला करता है, तब हमास को हराने के लिए एक व्यापक योजना तैयार करे। उन्होंने कहा कि अगर हमास (अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड) ट्रंप की योजना को लागू करने से मना करता है, तब योजना का मसौदा तैयार होना चाहिए और लड़ाई को फिर से शुरू करने की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अुनसार काट्ज़ ने कहा कि सीजफायर प्लान के तहत हमास को अपनी हिरासत में सभी मृत बंधकों के शव वापस करने और निरस्त्रीकरण करने की जरुरत है। इजरायल गाजा में सभी सुरंगों और आतंकवादी ढांचों को नष्ट करने के लिए कदम उठाएगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह पट्टी विसैन्यीकृत हो जाए और इजरायल के लिए कोई खतरा न बने।

अद्भुत और दुर्लभ मकड़ी लगी वैज्ञानिकों के हाथ

बैंकाक। थाईलैंड के घने जंगलों से एक ऐसी अविश्वसनीय खबर सामने आई है, जिसने कीट प्रेमियों और वैज्ञानिकों को चौंका दिया है। दरअसल, यहां पर एक अद्भुत और दुर्लभ मकड़ी वैज्ञानिकों के हाथ लगी, जिसके शरीर का एक हिस्सा नर का है तो दूसरा हिस्सा मादा का है। यह मकड़ी अपनी अनोखी और दुर्लभ जैविक बनावट के कारण चर्चा का विषय बन गई है। यह खोज हमें प्रकृति के एक और अनछुए पहलू से रूबरू कराती है और साबित करती है कि धरती पर अभी भी कितने रहस्य छिपे हैं जो हमारी जानकारी से परे हैं। इस जीव के शरीर के एक तरफ नर और दूसरी तरफ मादा के गुण दिखाई देते हैं, जो इसे अत्यंत दुर्लभ बनाता है। इंटरनेट पर लोगों ने इसे 'लेडीबॉय स्पाइडर' नाम दिया है। इसका बायां हिस्सा नारंगी रंग का है, जो मादा के गुणों को दर्शाता है, जबकि दायां हिस्सा सफेद रंग का है जो नर के गुणों को दर्शाता है। शरीर के अंगों और रंगों में स्पष्ट विभाजन ही इस मकड़ी की बड़ी विशेषता है। यह नन्हा जीव 'गाइनैंड्रोमॉर्फिज्म' नामक एक अविश्वसनीय जैविक घटना का जीता-जागता उदाहरण है, जिसका मतलब है कि एक ही जीव के शरीर में नर और मादा दोनों के ही लक्षण और गुण मौजूद हों। वैज्ञानिक इसे एक दुर्लभ आनुवंशिक त्रुटि मानते हैं। शोधकर्ताओं ने इस नई प्रजाति का नाम जापानी कार्टून 'वन पीस' के एक किरदार 'इनाजुमा' के नाम पर रखा है। यह किरदार लिंग बदलने की क्षमता रखता है, जो इस मकड़ी की द्विलिंगी प्रकृति से मेल खाता है।

एशिया की विकास दर बढ़ने का अनुमान, लेकिन अमेरिका चीन तनाव बना 'सबसे बड़ा खतरा' : आईएमएफ

वाशिंगटन,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने एशिया की आर्थिक वृद्धि दर के पूर्वानुमान को संशोधित कर बढ़ा दिया है, लेकिन साथ ही चेतावनी दी है कि अमेरिका और चीन के बीच बढ़ता तनाव इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। एशिया की अर्थव्यवस्था वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से गहराई से जुड़ी हुई है, इसलिए किसी भी तरह का व्यापारिक या भू-राजनीतिक टकराव क्षेत्र के लिए गंभीर जोखिम बन सकता है। 2025 में 4.5 की वृद्धि, लेकिन जोखिम बरकरार आईएमएफ के एशिया-प्रशांत विभाग के निदेशक कृष्णा श्रीनिवासन ने बताया कि अप्रैल की तुलना में एशिया की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन कर रही है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी टैरिफ और चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव से क्षेत्र पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

श्रीनिवासन ने कहा, जब वैश्विक जोखिम बढ़ते हैं, तो एशिया पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। यह क्षेत्र वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं से सबसे अधिक जुड़ा हुआ है, इसलिए जब अमेरिका और चीन जैसे बड़े देशों के बीच तनाव बढ़ता है, तो इसका प्रभाव एशिया पर कई गुना अधिक पड़ता है।

आईएमएफ ने 2025 के लिए एशिया की विकास दर 4.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो 2024 के 4.6 प्रतिशत से थोड़ा कम है, लेकिन अप्रैल में किए

गए पूर्वानुमान से 0.6 प्रतिशत अधिक है। वहीं, 2026 में वृद्धि दर 4.1 प्रतिशत तक धीमी होने का अनुमान है।

टेक्नोलॉजी बूम और कमजोर डॉलर से मिली मदद

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की रिपोर्ट के अनुसार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण तकनीकी क्षेत्र में तेजी आई है, जिससे दक्षिण कोरिया और जापान के निर्यात को बल मिला है। इसके अलावा, बढ़ते शेयर बाजार, सस्ते दीर्घकालिक ऋण और कमजोर अमेरिकी डॉलर ने भी एशियाई अर्थव्यवस्थाओं को सहारा दिया है। हालांकि श्रीनिवासन ने आगाह किया कि अगर व्यापार नीति की अनिश्चितता या भू-राजनीतिक तनाव और बढ़े, तो ब्याज दरें फिर से बढ़ सकती हैं, जिससे कई देशों के लिए कर्ज का बोझ बढ़ेगा और विकास दर प्रभावित हो सकती है।

अमेरिका-चीन विवाद का संभावित असर

बीजिंग द्वारा रेयर अर्थ निर्यात नियंत्रण कड़े करने के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 01 नवंबर से चीनी सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त टैरिफ लगाने की चेतावनी दी है। आईएमएप का कहना है कि इन नए संभावित टैरिफों का असर अभी उसके नवीनतम अनुमान में शामिल नहीं किया गया है। अगर ये लागू होते हैं, तो एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर व्यापक दबाव पड़ सकता है।

घरेलू मांग और क्षेत्रीय सहयोग पर जोर

आईएमएफ ने सुझाव दिया है कि एशियाई देश बाहरी झटकों से बचने के लिए अपनी अर्थव्यवस्था को निर्यात पर निर्भरता से हटाकर घरेलू मांग को बढ़ावा दें।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर एशिया के देश आपसी आर्थिक एकीकरण को बढ़ाते हैं, तो क्षेत्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मध्यम अवधि में 1.4 प्रतिशत तक की अतिरिक्त बढ़ोतरी संभव है। श्रीनिवासन ने कहा, व्यापार और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सुधारों पर जोर देने से एशिया आने वाले वर्षों में वैश्विक विकास में सबसे बड़ा योगदानकर्ता बना रहेगा।

जेलेंस्की के वॉशिंगटन पहुंचने से ठीक पहले फोन पर ट्रंप-पुतिन की लंबी बातचीत, बुडापेस्ट में दूसरी शिखर वार्ता भी तय हो गई

वाशिंगटन,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की वॉशिंगटन पहुंच गए हैं। यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की संभावित आपूर्ति के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी अहम बातचीत होगी ।खास बात यह है कि जेलेंस्की के अमेरिका पहुंचने से कुछ पहले ही ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर ढाई घंटे की लंबी बातचीत के बाद अगले दो सप्ताह में बुडापेस्ट में दोनों नेताओं के बीच दूसरी शिखर वार्ता की घोषणा हुई। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप से अहम बातचीत के लिए अमेरिका पहुंचे हैं ।यूक्रेन के समाचार पत्र कीव पोस्ट के मुताबिक यूक्रेन को लंबी दूरी की टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति को लेकर बातचीत के लिए राष्ट्रपति जेलेंस्की वॉशिंगटन पहुंच चुके हैं। इस संबंध में ट्रंप से उनकी बातचीत होगी। यूक्रेन कुछ समय से अमेरिका से टॉमहॉक लंबी दूरी की मिसाइलें मांग रहा है, जिससे के प्रमुख शहर यूक्रेन के मिसाइल फायर रेंज में आ जाएंगे। ट्रंप ने सोमवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि यदि रूस युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत की मेज पर नहीं आता है तो यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलें सप्लाई कर सकते हैं। अमेरिका ने अभीतक यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलों की सप्लाई को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। यूक्रेन को टॉमहॉक मिसाइलों की आपूर्ति को लेकर कोई अंतिम फैसला लेने से पहले अमेरिका की सतर्कता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जेलेंस्की के साथ वार्ता से कुछ देर पहले ही ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ फोन पर लंबी बातचीत की ।इस बातचीत के बाद दोनों नेताओं के बीच बुडापेस्ट में मुलाकात वार्ता की बात भी तय हुई। वार्ता को लेकर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में लिखा कि हम देख सकते हैं कि टॉमहॉक के बारे में सुनते ही मास्को बातचीत फिर से शुरू करने के लिए तत्पर है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मध्य पूर्व में आतंकवाद और युद्ध पर अंकुश लगाने की सफलता, यूक्रेन के विरुद्ध रूस के युद्ध को समाप्त करने में सहायक होगी। इस फोन कॉल के बारे में मॉस्को टाइम्स ने क्रेमलिन के हवाले से बताया है कि गुरुवार को व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप के बीच बेहद स्पष्ट और भरोसेमंद फ़ोन कॉल के बाद, दोनों राष्ट्रपतियों के बीच शिखर सम्मेलन की तैयारी तुरंत शुरू कर देगा।

खुला नया रहस्य : अपने 'सूरज जैसे' साथी से मिला आसमान का दानव तारा बीटलगीज

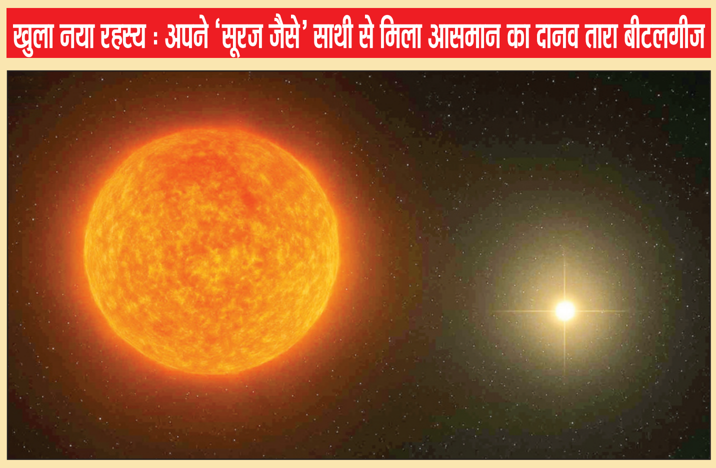

वाशिंगटन । धरती से दिखने वाले सबसे चमकदार तारों में शामिल बीटलगीज को लेकर वैज्ञानिकों ने एक चौंकाने वाली खोज की है। लंबे समय से खगोलविद यह मान रहे थे कि इस विशाल तारे के पास कोई व्हाइट ड्वार्फ या न्यूट्रॉन स्टार जैसा साथी होगा, लेकिन हालिया एक्स-रे ऑब्जर्वेशन ने यह धारणा गलत साबित कर दी। दरअसल, बीटलगीज का साथी तारा कोई मृत या घना ऑब्जेक्ट नहीं, बल्कि हमारे सूरज जैसा एक युवा तारा है। ओरायन तारामंडल में स्थित बीटलगीज धरती से लगभग 548 प्रकाश वर्ष दूर है। यह एक रेड सुपरजायंट है, जिसका द्रव्यमान सूर्य से 16 से 19 गुना अधिक और आकार लगभग 764 गुना बड़ा है। अपनी उम्र के आखिरी पड़ाव पर पहुंच चुका यह तारा कभी भी सुपरनोवा में बदल सकता है। इसकी चमक कई बार अचानक बढ़ती-घटती रही है, जिससे वैज्ञानिक लंबे समय से उलझन में थे। अब माना जा रहा है कि इस उतार-चढ़ाव के पीछे इसका यह नया खोजा गया साथी तारा जिम्मेदार हो सकता है। वैज्ञानिकों ने दिसंबर 2024 में बीटलगीज के चमकदार पैटर्न्स का विश्लेषण कर यह अनुमान लगाया कि उस समय इसका साथी ऑब्जेक्ट सही स्थिति में होगा। शुरुआती मान्यताओं के अनुसार, यह व्हाइट ड्वार्फ या न्यूट्रॉन स्टार हो सकता था, क्योंकि ऐसे ऑब्जेक्ट्स पुराने, भारी तारों के पास आमतौर पर पाए जाते हैं।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री का चापलूसी अंदाज अफगानिस्तान व पाक की जंग रुकवा दें

ख्वाजा आसिफ को संदेह....तालिबान भारत की ओर से ये जंग लड़ रहा

इस्लामाबाद,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दुनियाभर में आठ जंग रुकवाने का दावा करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप क्या नौंवी जंग भी रुकवाएंगे क्या अफगानिस्तान और पाकिस्तान की जंग रुकवाकर ट्रंप एक और क्रेडिट लेने वाले हैं दरअसल अफगानिस्तान के साथ झड़प और अस्थायी सीजफायर से उपजे तनाव के बीच पाकिस्तान ने ट्रंप से मदद मांगी है। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इंटरव्यू के दौरान ट्रंप से मध्यस्थता करने का अनुरोध किया। उन्होंने चापलूसी भरे लहजे में कहा कि मुझे लगता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति युद्धों के लिए जिम्मेदार रहे हैं। लेकिन ट्रंप अमेरिका के पहले राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने युद्ध रुकवाए हैं। बीते 15 से 20 साल में अमेरिका ने युद्ध स्पॉन्सर किए हैं लेकिन ट्रंप पहले राष्ट्रपति हैं जिन्होंने शांति वार्ता की है। दरअसल ट्रंप ने बीते हफ्ते संकेत दिए थे कि वह पाकिस्तान और अफगानिस्तान जंग में हस्तक्षेप कर शांति लाने में मदद कर सकते हैं। ट्रंप ने मिस्र में गाजा पीस समिट के दौरान कहा था कि

मैंने सुना है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध चल रहा है। मुझे वापस लौटने तक इंतजार करना पड़ेगा। मैं एक और युद्ध रुकवाऊंगा क्योंकि में युद्ध रुकावने में माहिर हो चुका हूं। लेकिन रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने संदेह जताकर कहा कि तालिबान सरकार भारत की ओर से प्रॉक्सी वॉर लड़ रही है। उन्होंने कहा कि मुझे संदेह है कि अगर सीजफायर आगे बढ़ता है, क्योंकि तालिबान का फैसला भारत से स्पॉन्सर हो रहा है। फिलहाल, काबुल भारत के लिए प्रॉक्सी वॉर लड़ रहा है। तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी भारत के एक हफ्ते के दौरे से लौटे हैं। वहीं ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या इसके पीछे ट्रंप का कोई छुपा एजेंडा है। पिछले महीने ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका काबुल के पास बगराम एयरबेस पर कब्जा करना चाहता है।

पेरू में राष्ट्रपति जेरी ने इस्तीफा देने से किया इनकार, उग्र हुआ युवाओं का प्रदर्शन, 1 की मौत

लिमा,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

साउथ अमेरिका के पेरू में भी जेन-जेड का आंदोलन भड़क गया है। राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे युवा जमकर नाराज हैं। वे राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग पर अड़े हैं। इस दौरान जमकर हिंसा हो रही है। प्रदर्शन के दौरान एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई और लगभग 100 लोग घायल हुए। प्रदर्शन के दौरान 32 साल के हिप-हॉप सिंगर एडुआर्डो रुज़ को गोली मारी गई, जिसकी जांच अब चल रही है। प्रदर्शन हिंसक हो गए, जिसमें पुलिस और पत्रकार भी घायल हुए हैं।

पेरू के लोग कई दशकों से भ्रष्टाचार और नाकाम सरकारों से तंग आ चुके हैं। युवा वर्ग में नकारात्मकता बढ़ रही है और वे बदलाव की मांग कर रहे हैं। सरकार की नीतियों और हिंसा के चलते जन आक्रोश दिन पर दिन बढ़ रहा है, जो लगातार बड़े प्रदर्शनों में बदल रहा है ।यह आंदोलन पेरू के अंदर राजनीतिक और सामाजिक बदलाव की मांग है, जहां युवा अपनी आवाज़ को मजबूत कर रहे हैं और वे भ्रष्टाचार, अपराध, और सरकार की नाकामी के खिलाफ खड़े हो रहे हैं।

जेरी ने संसद का दौरा करने के बाद कहा कि उनका काम देश की स्थिरता बनाए रखना है और वह अपराध से लड़ने के लिए अतिरिक्त ताक़त की मांग करेंगे। यह प्रदर्शन एक महीने पहले शुरू हुए पेंशन और वेतन बढ़ाने की मांग से शुरू होकर सरकार, भ्रष्टाचार और बढ़ती अपराध की नाखुशी में बदल गए हैं। नया राष्ट्रपति बनने के बाद समर्थकों ने उनका पार्टी और अन्य सांसदों से इस्तीफा मांगा है। पेरू में ये प्रदर्शन वैश्विक ट्रेंड का हिस्सा हैं, जहां युवाओं में सरकारों के खिलाफ गुस्सा और पिछली पीढ़ी से नाराजगी बढ़ी है। युवा सोशल मीडिया जैसे टिक टॉक से प्रेरित होकर इन आंदोलनों में शामिल हो रहे हैं। जबरदस्त हिंसा और सरकारी दबाव के बीच प्रदर्शनकारी सत्ता के दुरुपयोग, भ्रष्टाचार और खूनखराबे के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। जेरी की सरकार विवादों से घिरी हुई है। वे कांग्रेस के अध्यक्ष रह चुके हैं और हाल ही में राष्ट्रपति बने हैं, लेकिन उनका नाम एक महिला द्वारा बलात्कार के आरोपों के चलते जांच में भी शामिल रहा है। हालांकि आरोपों को अगस्त में ख़ारिज कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने उन्हें और सरकार को आलोचना का निशाना बनाया है, खासकर उन कानूनों के लिए जो अपराधियों के पक्ष में माने जाते हैं। प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने उन्हें 'रेपिस्ट 'कहकर और पुलिस पर पत्थर फेंक कर प्रतिक्रिया दी, जिस पर पुलिस ने रबर बुलेट और आंसू गैस का इस्तेमाल किया।

फिट इंडिया 31 अक्टूबर से शुरू करेगा देशव्यापी कश्मीर से कन्याकुमारी और पैडल टू प्लांट साइकिलिंग अभियान

नई दिल्ली,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का प्रमुख मिशन फिट इंडिया सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर 31 अक्टूबर से देशव्यापी दो बड़े साइकिलिंग अभियानों का आयोजन करने जा रहा है। इन अभियानों का नाम आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी रखा गया है, जो देश की एकता, फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे।

कश्मीर से कन्याकुमारी तक 4480 किमी की साइकिलिंग – 'कश्मीर टू कन्याकुमारी' साइकिलिंग अभियान 31 अक्टूबर को श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) से शुरू होगा। यह यात्रा पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक होते हुए 16 नवंबर को कन्याकुमारी (तमिलनाडु) में समाप्त होगी। इस ऐतिहासिक यात्रा में 150 साइकिल सवार हिस्सा लेंगे, जो सरदार पटेल की 150वीं जयंती को समर्पित एक अनूठा सम्मान होगा। इस अभियान का नेतृत्व प्रसिद्ध पर्वतारोही निशा कुमारी करेंगी, जिन्होंने 17 मई, 2023 को माउंट एवरेस्ट पर फतह हासिल की थी और भारत से लंदन तक साइकिल यात्रा कर 'चेंज बिफोर क्लाइमेट चेंज' का संदेश दिया था।

'पैडल टू प्लांट' से हरित संदेश – दूसरा अभियान पैडल टू प्लांट 4000 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। यह यात्रा अरुणाचल प्रदेश के पांगसाउ से शुरू होकर असम, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश से गुजरते हुए गुजरात के मुंद्रा में 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त होगी। यात्रा के दौरान साइकिल सवार 1 लाख पौधे लगाएंगे और विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों में जलवायु परिवर्तन और फिटनेस पर जन-जागरूकता कार्यक्रम चलाएंगे।

केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, मैं सभी साइकिल चालकों को शुभकामनाएं देता हूं जो फिट इंडिया आयरन व्हील्स ऑफ यूनिटी अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। यह अभियान हमारे महान स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत के नागरिक फिट और स्वस्थ रहें। यह पहल उस दृष्टिकोण को और सशक्त बनाएगी। साइकिलिंग न केवल फिटनेस के लिए लाभदायक है बल्कि प्रदूषण कम करने का भी एक प्रभावी उपाय है। मैं सभी देशवासियों से अपील करता हूं कि वे रोजाना 30 मिनट से 1 घंटा साइकिलिंग को दें।

न्यूज़ ब्रीफ

नाओमी ओसाका ने चोट के कारण जापान ओपन क्वार्टर फाइनल से नाम वापस लिया

नई दिल्ली। नाओमी ओसाका ने बाएं पैर में चोट के कारण शुक्रवार को जापान ओपन के क्वार्टर फाइनल मैच से अपना नाम वापस ले लिया है। डब्ल्यूटीए टूर की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि मैच से पहले ओसाका के हटने के परिणामस्वरूप जैकलीन क्रिस्टियन वॉकओवर के आधार पर सेमीफाइनल में पहुंच गईं हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि शीर्ष वरीयता प्राप्त ओसाका दूसरे दौर के मैच के अंत में लगी चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाई हैं। क्रिस्टियन का इस साल का यह तीसरा सेमीफाइनल होगा और क्ले कोर्ट के अलावा किसी अन्य सतह पर उनका यह पहला सेमीफाइनल होगा। चोट लगने से पहले ओसाका ने वाकाना सोनोबे और 2024 चैंपियन सुजान लामेंस पर जीत हासिल की थी। लामेंस के साथ पहले दो सेट बराबर करने के बाद ओसाका ने तीसरे सेट में 5-0 की बढ़त बना ली, लेकिन लामेंस के 0-5 और 30-15 के स्कोर पर सर्विस करते समय ओसाका के बाएं पैर में चोट लग गई। लामेंस का बैकहैंड वाइड चला गया, लेकिन अगले पॉइंट के बाद उन्होंने मेडिकल टाइमआउट का अनुरोध किया, जिसके बाद ओसाका ने पॉइंट जीत लिया। चार बार की प्रमुख विजेता ओसाका अपनी बाईं जांघ में चोट और गतिशीलता में कमी के साथ कोर्ट पर लौटीं, लेकिन अपने तीसरे मैच पॉइंट पर मैच जीतने में सफल रहीं।

भारत दौरे के लिए दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम घोषित, बावुमा की दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में होगी वापसी

नई दिल्ली। क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने गुरुवार को भारत दौरे के लिए अपनी 'ए' टीम की घोषणा कर दी। दौरे की शुरुआत 30 अक्टूबर से बेंगलुरु में दो चार दिवसीय अनऑफिशियल टेस्ट मैचों से होगी। दूसरा चार दिवसीय मैच 6 से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। दोनों मुकाबले बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें 13 से 19 नवंबर तक राजकोट में तीन मैचों की वनडे सीरीज़ खेलेंगी। यह दौरा साउथ अफ्रीका की सीनियर टीम के भारत दौरे से पहले का अभ्यास दौरा होगा। दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट और डब्ल्यूटीसी विजेता कप्तान टेम्बा बावुमा चोट से उबरकर दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में वापसी करेंगे। वहीं, भारत 'ए' टीम की घोषणा अभी नहीं की गई है। दक्षिण अफ्रीका 'ए' टीम का पूरा स्क्वॉड अनऑफिशियल टेस्ट के लिए स्क्वॉड: मार्क्वेस एकरमैन, टेम्बा बावुमा*, ओकुहले सेले, जुबायर हम्जा, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन, राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, लेसेगो सेनोकवाने, प्रेनेलन सुब्रायन, काइल सिमंड्स, त्शेपो न्दवांडवा, जेसन स्मिथ, तियान वान वुरेन, कोडी यूसुफ। वनडे सीरीज के लिए स्क्वॉड: मार्क्वेस एकरमैन, ओटनाइल बार्टमैन, ब्योर्न फॉरच्यून, जॉर्डन हरमैन, रुबिन हरमैन, क्वेना माफाका, राइवल्डो मूनसामी, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली म्पोंगवाना, नकाबा पीटर, डेलानो पोटगीटर, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, सिनेथेम्बा क्वीशिले, जेसन स्मिथ, कोडी यूसुफ।

चोपड़ा की पहले एकदिवसीय के लिए पसंदीदा भारतीय टीम में कुलदीप को नहीं मिली जगह, हर्षित, अक्षर और सुंदर शामिल

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर से कमेंटेटर बने आकाश चोपड़ा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में होने वाले पहले

एकदिवसीय क्रिकेट के लिए अपनी पंसदीदा अंतिम ग्यारह चुनी है। दोनो टीमों के बीच तीन मैचों की सीरीज का पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को खेला जाएगा। चोपड़ा ने अपनी अंतिम ग्यारह में कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की जगह पर युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को शामिल किया है। चोपड़ा की इस टीम में पारी की शुरुआत कप्तान शुभमन गिल के साथ रोहित शर्मा करेंगे। विराट पहले की तरह ही नंबर तीन पर उतरेंगे। वहीं उपकप्तान श्रेयस अय्यर चौथे नंबर पर जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल पांचवें नंबर पर उतरेंगे। आकाश ने इस टीम में ऑलराउंडर के तौर पर नितीश कुमार को रखा है क्योंकि हार्दिक पांड्या फिट नहीं होने के कारण सीरीज से बाहर हैं। आकाश ने बल्लेबाजी को बेहतर करने के लिए कुलदीप की जगह पर अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर को स्पिन ऑलराउडर के तौर पर रखा है। इसके अलावा तेज गेंदबाज के तौर पर मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा को शामिल किया है।

ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं का अजेय गर्जन : हीली के विस्फोटक शतक से सेमीफायनल में पहुँची टीम

रिकॉर्ड-तोड़ 202 रनों की अटूट साझेदारी; स्पिन जाल में फंसे विरोधी, बांग्लादेश पर 10 विकेट से ऐतिहासिक फतेह

विशाखापत्तनम,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आईसीसी महिला विश्व कप में डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का वर्चस्व निर्बाध रूप से जारी है। गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को धूल चटाते हुए 10 विकेट से ऐतिहासिक विजय प्राप्त की और इस जीत के साथ ही वे टूर्नामेंट के अंतिम चार (सेमीफाइनल) में प्रवेश करने वाले पहले दल बन गए हैं। कप्तान अलिसा हीली ने अपनी लय बरकरार रखते हुए लगातार दूसरा विस्फोटक शतक (113* रन) जड़ा। युवा फीबी लिचफील्ड (84* रन) ने उनका रणनीतिक साथ दिया। इन दोनों ने मिलकर 202 रनों की अटूट और रिकॉर्ड-तोड़ सलामी साझेदारी की, जिसने 199 रनों के लक्ष्य को पलक झपकते ही केवल 25 ओवरों में तहस-नहस कर दिया।

गेंदबाजों का अचूक जाल

इससे पूर्व, ऑस्ट्रेलियाई स्पिन तिकड़ी ने बांग्लादेशी बल्लेबाजों को पूरी तरह से जकड़ लिया। अलाना किंग ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी से कमाल किया। उन्होंने 10 ओवरों में मात्र 18 रन देकर 2 महत्वपूर्ण विकेट चटकाए, जिसके कारण उन्हें मुकाबले की श्रेष्ठ खिलाड़ी के सम्मान से नवाज़ा गया। जॉर्जिया वेयरहैम ने भी 22 रन देकर 2 विकेट लेकर दबाव बनाए रखा। हालांकि शोभना मोस्टरी ने 66 रनों की एक लम्बी जुझारू पारी खेली, पर हीली और लिचफील्ड के आक्रामक अंदाज़ ने बांग्लादेश के स्कोर को निस्तेज कर दिया।

रोहित तोड़ सकते हैं अफरीदी के छक्के लगाने का विश्व रिकार्ड

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे में सबसे अधिक छक्के लगाने का विश्व रिकार्ड अपने नाम कर सकते हैं। अभी ये रिकार्ड पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी के नाम है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर में पर्थ में शुरु हो रही तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में रोहित को अफरीदी के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल आठ छक्कों की जरूरत है। रोहित ने अभी तक 273 एकदिवसीय मैचों में 344 छक्के लगाये हैं। वहीं अफरीदी के नाम 398 एकदिवसीय मैचों में 351 छक्के हैं। रोहित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में दूसरे नंबर पर है। वहीं वेस्टइंडीज के क्रिस गेल 331 छक्कों के साथ तीसरे नंबर पर हैं। रोहित के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में 205 छक्के हैं। वहीं टेस्ट में वह 88 छक्के हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके नाम 637 छक्के का रिकार्ड है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रोहित के नाम सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। रोहित ऑस्ट्रेलिया में 8 छक्के लगाते ही सबसे तेज 350 छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी भी बन जाएंगे। अफरीदी को यहां तक पहुंचने के लिए 398 मैच खेलने पड़े थे। वहीं रोहित ने अभी तक 273 मैच ही खेले हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मैच 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा। वहीं दूसरा एकदिवसीय 23 को एडिलेड में जबकि तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मैच 25 अक्टूबर को सिडनी में खेला जाएगा।

हांगकांग सिक्सेस 2025 के लिए दक्षिण अफ्रीका ने घोषित की टीम

हांगकांग,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) ने हांगकांग सिक्सेस 2025 टूर्नामेंट के लिए अपनी सात सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 7 से 9 नवंबर तक हांगकांग के टिन क्वॉन्ग रोड रिक्रिएशन ग्राउंड में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीका हांगकांग सिक्सेस की पांच बार की चैंपियन टीम है। उसने 1995, 2006, 2009, 2012 और 2017 में खिताब जीता था। घोषित टीम की कमान वॉरियर्स के ऑलराउंडर जॉर्डन मॉरिस संभालेंगे। साउथ अफ्रीका अंडर-19 और टाइटंस के युवा बल्लेबाज जोरिक वैन स्काल्कविक को भी टीम में शामिल किया गया है। 18 वर्षीय इस ओपनर ने जुलाई में जिम्बाब्वे के खिलाफ दोहरा शतक लगाकर सुर्खियां बटोरी थीं। टीम के बल्लेबाजी विभाग को मजबूती देने के लिए बोलैंड के ईथन कनिंघम और वेस्टर्न प्रोविंस के कशिफ जोसेफ को जगह दी गई है। ऑलराउंडर के रूप में वेस्टर्न प्रोविंस के अब्दुल्ला बायोमी और डॉल्फिन्स के ब्लेक सिम्पसन को शामिल किया गया है। गेंदबाजी की कमान वेस्टर्न प्रोविंस के तेज गेंदबाज म्बुलेलो ड्यूबे संभालेंगे।

दक्षिण अफ्रीका को ग्रुप ए में अफगानिस्तान और नेपाल के साथ रखा गया है। टीम अपना पहला मुकाबला 7 नवंबर को अफगानिस्तान से खेलेगी, जबकि 8 नवंबर को उसका सामना नेपाल से होगा। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम: जॉर्डन मॉरिस (कप्तान), अब्दुल्ला बायोमी, ईथन कनिंघम, जोरिक वैन स्काल्कविक, म्बुलेलो ड्यूबे, कशिफ जोसेफ, ब्लेक सिम्पसन।

क्रोएशिया में ईएचएफ चैम्पियंस लीग

क्रोएशिया में ईएचएफ चैम्पियंस लीग में खेलती हुई एचसीबीजगरेब की एडरिन फालजेसिक व अन्य खिलाड़ी।

गेविन लार्सन दोबारा बने न्यूज़ीलैंड के चयन प्रबंधक

वेलिंगटन,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज गेविन लार्सन एक बार फिर टीम के चयन प्रबंधक के रूप में लौट आए हैं। उन्होंने सैम वेल्स की जगह यह जिम्मेदारी संभाली है। लार्सन इससे पहले 2015 से 2023 तक इसी भूमिका में रह चुके हैं, जिसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के क्लब वॉरविकशायर में परफॉर्मेंस डायरेक्टर के रूप में काम किया था।

61 वर्षीय लार्सन हाल ही में बास्केटबॉल टीम नेल्सन जायंट्स से जुड़े हुए थे। अब वे न्यूजीलैंड टीम के मुख्य कोच रॉब वॉल्टर के साथ मिलकर न्यूजीलैंड, न्यूजीलैंड ए और न्यूजीलैंड ड्ड के सभी दौरों के लिए टीम चयन की जिम्मेदारी संभालेंगे।

अपनी नियुक्ति पर लार्सन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ब्लैककैप्स और राष्ट्रीय हाई परफॉर्मेंस माहौल में दोबारा वापसी करना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट को लेकर बेहद जुनूनी हूं और एक बार फिर सर्वोच्च स्तर पर योगदान देने का मौका मिलना बेहद रोमांचक है। मैं इस गर्मी से काम शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं और टीम की सफलता में अपना योगदान देना चाहता हूं।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के मुख्य हाई परफॉर्मेंस अधिकारी डैरिल गिब्सन ने कहा कि लार्सन का अनुभव और आधुनिक खेल की समझ उन्हें इस पद के लिए उपयुक्त बनाती है।

उन्होंने कहा, गेविन की इस भूमिका को लेकर परिचितता और जिम्मेदारियों की गहरी समझ ने उनके चयन में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा, उनके जुनून, ऊर्जा और दोबारा योगदान देने की इच्छा ने हमें प्रभावित किया।

गौरतलब है कि चयन मॉडल में कोई बदलाव नहीं किया गया है। टीम चयन पर अंतिम निर्णय मुख्य कोच रॉब वॉल्टर का ही रहेगा, जबकि लार्सन उनके साथ मिलकर काम करेंगे। लार्सन 3 नवंबर से आधिकारिक तौर पर अपना कार्यभार संभालेंगे।

भारत-पाकिस्तान विश्व कप मुकाबले ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, बना महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच

नई दिल्ली,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच 5 अक्टूबर को खेले गए महिला वनडे विश्व कप मुकाबले ने दर्शक संख्या के सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, इस मैच ने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर 28.4 मिलियन की पहुंच और 1.87 अरब मिनट के व्यूइंग टाइम के साथ महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे ज़्यादा देखा गया अंतरराष्ट्रीय मैच बन गया है।

आईसीसी ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि यह मुकाबला दर्शक संख्या के लिहाज़ से टूर्नामेंट का सबसे बड़ा मैच रहा। वहीं, लीग चरण के पहले हिस्से में भी दर्शकों की संख्या में रिकॉर्ड तोड़ वृद्धि देखने को मिली है। भारत-पाकिस्तान मैच टीवी पर भी विश्व कप इतिहास का सबसे ज्यादा रेटिंग वाला लीग मैच बन गया है। टूर्नामेंट के पहले 11 मैचों ने कुल 72 मिलियन दर्शकों तक पहुंच बनाई, जो पिछली बार की तुलना में 166प्रतिशत अधिक है।इसके साथ ही, व्यूइंग मिनट्स में 327प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह आंकड़ा 6.3 अरब मिनट तक पहुंच गया। स्टेडियम में दर्शकों की उपस्थिति भी उत्साहजनक रही है। भारत में भारतीय टीम के मैचों और श्रीलंका में श्रीलंका के मैचों में बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे। हालांकि, अन्य टीमों के मुकाबलों में दर्शक संख्या अपेक्षाकृत कम रही। कोलंबो में जब भारत या श्रीलंका नहीं खेल रहे होते हैं तो दर्शक संख्या हजारों में रही है। मौसम ने भी उपस्थिति को प्रभावित किया है। आईसीसी और जियोहॉटस्टार के संयुक्त आंकड़ों के मुताबिक, टूर्नामेंट के पहले 13 मैचों तक 60 मिलियन से अधिक दर्शक पहुंचे, जो 2022 संस्करण की तुलना में पांच गुना अधिक है। वहीं कुल वॉच टाइम 7 अरब मिनट तक पहुंच गया, जो पिछले टूर्नामेंट से 12 गुना अधिक है। 12 अक्टूबर को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले में 4.8 मिलियन पीक समकालिक दर्शक दर्ज किए गए, जो महिला क्रिकेट के इतिहास में एक और नया रिकॉर्ड है।

रिकॉर्ड एक नज़र में

भारत-पाकिस्तान मैच की पहुंच: 28.4 मिलियन

व्यूइंग टाइम: 1.87 अरब मिनट

कुल पहुंच (पहले 11 मैच): 72 मिलियन

व्यूइंग टाइम (कुल): 6.3 अरब मिनट

ऑस्ट्रेलिया मैच पर पीक व्यूअरशिप: 4.8 मिलियन ,यह उपलब्धि महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और दर्शकों में बढ़ते रोमांच को दर्शाती है।

100के एच-1बी वीजा फीस 'गैरकानूनी'

नई दिल्ली,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी चैंबर ऑफ कॉमर्स ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से नए एच-2बी वीजा आवेदकों पर 100,000 डॉलर (करीब 83 लाख रुपए) की फीस लगाने के फैसले के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। चैंबर ने इस कदम को अनुचित और कानूनी बताया है।

अमेरिकी कंपनियों ने ट्रंप प्रसासन के खिलाफ किया केस

एक रिपोर्ट के अनुसार चैंबर ने वाशिंगटन की एक संघीय अदालत में मामला दर्ज किया, जिसमें अदालत से इस आदेश को रोकने और यह घोषित करने की मांग की गई कि ट्रंप ने अपने कार्यकारी अधिकारों का अतिक्रमण किया है। यह शुल्क एक महीने पहले घोषित किया गया था और व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिकी वर्कर्स के स्थान पर सस्ते विदेशी टैलेंट को भर्ती करने वाली कंपनियों के खिलाफ कदम बताया था। बाद में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह शुल्क केवल नए आवेदकों पर लागू होगा, मौजूदा वीजाधारकों पर नहीं, और छूट के लिए आवेदन फॉर्म भी उपलब्ध कराया गया है। ह मुकदमा ट्रंप प्रशासन के खिलाफ चैंबर की पहली कानूनी कार्रवाई है। 30,000 से ज्यादा बिजनेस का प्रतिनिधित्व करने वाला चैंबर कहता है कि यह शुल्क अमेरिकी इमीग्रेशन कानूनों का उल्लंघन करता है, जिनमें वीजा फीस को केवल वास्तविक प्रोसेसिंग लागत के आधार पर तय करने का प्रावधान है। मुकदमे में होमलैंड सिक्योरिटी विभाग और विदेश मंत्रालय को प्रतिवादी बनाया गया है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति के पास अमेरिका में गैर-नागरिकों के प्रवेश को नियंत्रित करने का व्यापक अधिकार है, लेकिन वह अधिकार कानूनों से सीमित है और कांग्रेस द्वारा पारित कानूनों का विरोध नहीं कर सकता। पहले एच-1बी वीजा आवेदन की लागत लगभग 3,600 डॉलर तक थी। चैंबर का कहना है कि इतनी भारी फीस से कंपनियों को स्किल्ड वर्कर्स की भर्ती खासकर टेक और कंसल्टिंग क्षेत्रों में घटानी पड़ सकती है या वेतन लागत असहनीय हो सकती है। हालांकि आलोचकों का कहना है कि एच-1बी और अन्य स्किल्ड वर्कर वीजा प्रोग्राम अमेरिकी कर्मचारियों को सस्ते श्रम से रिप्लेस करते हैं, लेकिन व्यापार समूहों का तर्क है कि ये वीजा विशेष रूप से इंजीनियरिंग, आईटी और हेल्थ साइंसेज जैसे क्षेत्रों में श्रम की कमी को पूरा करने के लिए जरूरी हैं।

न्यूज ब्रीफ

अब ऑनलाइन सामान भी बेचेगा चेटजीपीटी, चैटजीपीटी की पैरेंट कंपनी ओपनएआई और वालमार्ट के बीच हुआ सौदा

नई दिल्ली। अभी तक तो चैटजीपीटी आपके सारे काम कर ही देता था। अब इस प्लेटफॉर्म पर एक और सुविधा मिलने वाली है। यह सुविधा ऑनलाइन शॉपिंग की है। दरअसल, चैटजीपीटी की पैरेंट कंपनी ओपनएआई और फ्लिपकार्ट को चलाने वाली वालमार्ट के बीच डील हुई है। वॉलमार्ट, अपने संचालन को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में निवेश करते हुए, एजेंटिक एआई की दुनिया में कदम रख रहा है। ओपनएआई के साथ साझेदारी के जरिए, यह रिटेलर चेटजीपीटी का इस्तेमाल करके खरीदारों को स्टोर में खरीदारी करने में सक्षम बना रहा है। चैटजीपीटी के नए इंस्टेंट चेकआउट फीचर का इस्तेमाल करके, एआई-संचालित बॉट के साथ बातचीत करने वाले खरीदार वॉलमार्ट के उत्पादों को ब्राउज कर सकेंगे और ऐप के अंदर ही खरीदारी पूरी कर सकेंगे। वॉलमार्ट के सीईओ का कहकि है ?कि कई वर्षों से ई-कॉमर्स खरीदारी का अनुभव केवल एक सर्च बार और आइटम प्रतिक्रियाओं की एक लंबी सूची तक सीमित रहा है। अब यह बदलने वाला है। हम स्पार्की और ओपनएआई के साथ इस महत्वपूर्ण कदम सहित साझेदारियों के माध्यम से उस अधिक सुखद और सुविधाजनक भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

एआई की जंग: मेटा ने छीना एप्पल का टॉप अधिकारी

नई दिल्ली। टेक इंडस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को लेकर प्रतिस्पर्धा चरम पर है। अब यह जंग सिर्फ प्रोडक्ट्स की नहीं, बल्कि टैलेंट को अपने पाले में करने की हो गई है। इसी क्रम में मेटा ने एक बार फिर एप्पल को करारा झटका दिया है। एप्पल के वरिष्ठ एआई अधिकारी के यांग ने इस्तीफा देकर मेटा की टीम जॉइन कर ली है। यांग को हाल ही में एप्पल की नई एआई टीम आंसर नालेज एंड इंफारमेंशन (एकेआई) का प्रमुख नियुक्त किया गया था। यह वही टीम है जो वॉयस असिस्टेंट सिरी को चेटजीपीटी जैसे स्मार्ट असिस्टेंट में बदलने पर काम कर रही है। के यांग का अचानक जाना एप्पल के एआई प्रोजेक्ट के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। एकेआई टीम का मकसद सिरी को इतना सक्षम बनाना था कि वह वेब से ताज़ा जानकारी लेकर इंसानों जैसी बातचीत कर सके। यांग के इस्तीफे के बाद मेटा ने अपनी सुपरइंटेलिजेंस टीम को किया और मजबूत सूत्रों के मुताबिक यांग अकेले नहीं हैं। पिछले कुछ महीनों में एप्पल के एआई डिवीजन से दर्जनों सीनियर एक्सपर्ट्स इस्तीफा दे चुके हैं। इनमें रुओमिंग पेंग, जो के फाउंडेशन मॉडल टीम के संस्थापक थे, भी शामिल हैं।

वारी एनर्जीज का मुनाफा दोगुना से भी ज्यादा, शेयरधारकों को मिलेगा पहला डिविडेंड

मुंबई। सोलर इंडस्ट्री की प्रमुख कंपनी वारी एनर्जीज ने सितंबर तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं, जो बेहद प्रभावित करने वाले हैं। इस तिमाही में कंपनी ने 843 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया, जो पिछले साल की इसी तिमाही के 362 करोड़ रुपये से 133 प्रतिशत अधिक है। कुल कमाई भी 6,066 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल के मुकाबले 69.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है। कंपनी का ऑपरेटिंग इनकम (एबिटिडा)भी दोगुना से अधिक बढ़कर 1,406 करोड़ रुपये हो गया है। एबिटिडा मार्जिन 14.7 फीसदी से बढ़कर 23.2 फीसदी हो गया, जो कंपनी की बेहतर प्रबंधन क्षमता और मजबूत वित्तीय स्थिति को दर्शाता है। वारी एनर्जीज ने अपने लिस्टिंग के बाद पहली बार शेयरधारकों को डिविडेंड देने का फैसला किया है। कंपनी ने हर 10 रुपये के शेयर पर 2 रुपये का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है, जो निवेशकों के लिए एक बड़ा उपहार माना जा रहा है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, कंपनी की ऑर्डर बुक मजबूत है और उत्पादन क्षमता भारत में 16.1 गीगावाट तथा अमेरिका में 2.6 गीगावाट हो गई है।

टाटा सियेरा एसयूवी के इंटीरियर की पहली झलक आई सामने

नई दिल्ली,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

साल के अंत तक स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपने पोर्टफोलियो में नई टाटा सियेरा एसयूवी को शामिल करने जा रही है। इस एसयूवी के इंटीरियर की पहली झलक अब सामने आई है। टेस्टिंग के दौरान ली गई स्पाई तस्वीरों में इसका केबिन और डैशबोर्ड डिजाइन पूरी तरह से दिखाई दिया है। नए अवतार में टाटा सियेरा का इंटीरियर पहले से कहीं अधिक प्रीमियम और हाई-टेक नजर आता है। सबसे बड़ी खासियत इसका ट्रिपल-स्क्रीन सेटअप है, जो किसी भी टाटा कार में पहली बार देखने को मिलेगा। इसमें एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, सेंट्रल टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और को-पैसेंजर डिस्प्ले शामिल हैं। ये तीनों डिस्प्ले एक सिंगल ग्लास पैनल में इंटीग्रेटेड हैं, जिससे केबिन को एक फ्यूचरिस्टिक और लक्जरी लुक मिलता है। इसके अलावा, एसयूवी में टच-बेस्ड एचवीएसी कंट्रोल्स, टाटा लोगो वाला फ्लैट-बॉटम स्टीयरिंग व्हील, और सॉफ्ट-टच मटीरियल के साथ मेटैलिक फिनिश वाला गियर लीवर एरिया दिया गया है।

बाहरी डिजाइन की बात करें तो नई सिएरा में पुरानी क्लासिक सिएरा के बॉक्सी सिल्हूट और बड़े ग्लास एरिया को आधुनिक स्टाइल में पेश किया गया है। इसे 2025 भारत मोबिलिटी एक्सपो में दिखाया गया था, जहां इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी। इंजन विकल्पों में कंपनी 1.5-लीटर पेट्रोल और डीजल इंजन, या 2.0-लीटर मल्टीजेट डीजल इंजन दे सकती है। साथ ही इसका इलेक्ट्रिक वेरिएंट भी दो बैटरी पैक और क्वाड व्हील ड्राइव सिस्टम के साथ आ सकता है।

पॉपुलर मॉडल मिनी कन्वर्टिबल जल्द होगा लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मिनी इंडिया एक बार फिर अपने पॉपुलर मॉडल मिनी कन्वर्टिबल को लॉन्च करने की तैयारी में है। कंपनी के मुताबिक, इसकी कीमत करीब रुपए 50 लाख के आसपास रखी जा सकती है। नए अवतार में आने वाली मिनी कन्वर्टिबल में इलेक्ट्रिक कैनवास रूफ दी गई है, जो केवल 18 सेकंड में खुल या बंद हो जाती है वह भी 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पर। यह फीचर ड्राइवर को खुली हवा में ड्राइविंग का मजा तुरंत लेने की सुविधा देता है। परफॉर्मेंस की बात करें तो यह कार कूपर एस ट्रिम में उपलब्ध होगी, जिसमें 2.0-लीटर चार-सिलेंडर टर्बोचार्ज्ड इंजन दिया गया है। यह इंजन 204 एचपी पावर और 300 एनएम टॉर्क जनरेट करता है। साथ ही इसमें 7-स्पीड ड्यूल-क्लच ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन मिलेगा। कंपनी के अनुसार, यह कार 0 से 100 किमी/घंटा की स्पीड सिर्फ 6.9 सेकंड में पकड़ लेती है। डिजाइन के मामले में मिनी कन्वर्टिबल अपने क्लासिक लुक को बरकरार रखेगी। इसमें क्लैमशेल बोनट, गोलाकार हेडलैंप्स, और आइकॉनिक ग्रिल का नया वर्जन देखने को मिलेगा। इंटीरियर में बड़ा बदलाव किया गया है अब इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर को बीच में शिफ्ट किया गया है और सारी जानकारी एक 9.4-इंच की ओलेड टचस्क्रीन पर दिखेगी, जो कार के केबिन को एक मॉडर्न और प्रीमियम लुक देती है। बता दें कि कुछ समय के अंतराल के बाद यह स्टाइलिश कार एक बार फिर वापसी कर रही है, और इसकी लॉन्चिंग इसी फेस्टिव सीजन में होने की उम्मीद है।

जीएसटी सुधार से नगालैंड के हैंडलूम, कॉफी और पर्यटन उद्योग को मिलेगा लाभ

कोहिमा,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार द्वारा घोषित नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधारों से नगालैंड की स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है। हैंडलूम, बांस-बेंत उत्पाद, कॉफी और पर्यटन क्षेत्र पर कर दरों में कमी से न केवल उत्पाद सस्ते होंगे, बल्कि हजारों लोगों की आय और रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि होगी।

सरकार ने इन क्षेत्रों पर जीएसटी दरें 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत कर दी हैं। इससे लगभग 44,000 महिला बुनकरों, 13,000 बांस एवं बेंत कारीगरों, 2,200 कॉफी उत्पादकों और सैकड़ों होटल कारोबारियों को सीधा फायदा पहुंचेगा। नगालैंड के पारंपरिक हैंडलूम उत्पादों में चकहेसांग शॉल को जीआई टैग प्राप्त है, जो कोहिमा, फेक और दीमापुर क्षेत्रों में प्रमुखता से बनाया जाता है। इस क्षेत्र में लगभग 44,000 लोग कार्यरत हैं, जिनमें अधिकांश महिलाएं हैं। अब जीएसटी घटने से 2,500 रुपये तक के वस्त्र लगभग 6.25प्रतिशत सस्ते हो जाएंगे। इससे नगालैंड के हैंडलूम उत्पादों की देश और विदेश में मांग बढ़ने की उम्मीद है। इन वस्त्रों का निर्यात अमेरिका, यूरोप, यूएई, स्वीडन और कनाडा जैसे देशों में होता है।

पर्यटन उद्योग को नई ऊर्जा

नगालैंड का पर्यटन उद्योग कोहिमा, दीमापुर और किसामा जैसे क्षेत्रों में केंद्रित है, जहां प्रसिद्ध हॉर्नबिल फेस्टिवल हर साल हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है। अब होटल सेवाओं पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत किए जाने से 7,500 रुपये तक के कमरे लगभग 6.25प्रतिशत सस्ते होंगे। इससे राज्य में घरेलू और विदेशी पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नया प्रोत्साहन मिलेगा।

बांस और बेंत उद्योग में बढ़ेगा व्यापार

नगालैंड का बांस एवं बेंत उद्योग सोवीमा (चुमौकेदिमा) और दीमापुर में केंद्रित है, जहां लगभग 13,000 लोग कार्यरत हैं। नगालैंड बांस विकास एजेंसी (एनबीडीए) इस क्षेत्र को 2004 से प्रोत्साहित कर रही है। अब फर्नीचर और हैंडीक्राफ्ट पर जीएसटी घटने से इन उत्पादों की कीमतों में लगभग 6 प्रतिशत की कमी आएगी, जिससे बाजार में मांग बढ़ेगी और कारीगरों की आमदनी में इजाफा होगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कांग्रेस गरीबी हटाओ ...

दो दिन पहले ही मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट के आंकड़े आए हैं। पिछले साल के मुकाबले भारत का एक्सपोर्ट 7 पर्सेंट और बढ़ गया है। पिछले साल भारत ने साढ़े 4 लाख करोड़ रुपये का एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट करके दिया है। कितने ही देशों के अस्थिर रेटों के बीच एस एंड पी ने 17 साल बाद भारत की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी भारत की रेटिंग को अपग्रेड किया है।

पीएम मोदी ने कहा, 2014 से पहले ममहंगाई डायन खाय जात हैफ, यह गीत छाए हुए थे। तब देश के लोगों और दुनिया को भी लगता था कि इतने संकटों में फंसा भारत बाहर निकल ही नहीं पाएगा। लेकिन 11 साल में भारत ने हर आशंका को ध्वस्त किया है, हर चुनौती को पस्त किया है। भारत आज फ्रैजाइल फाइव से बाहर निकलकर टॉप 5 में से एक बन गया है। भारत ने हर आशंका और चुनौती को पस्त किया है। भारत में इन्फ्लेशन 2 पर्सेंट से नीचे है और ग्रोथ रेट 7 पर्सेंट से ज्यादा है। आज चिप से लेकर शिप तक, चारों तरफ आत्मनिर्भर भारत, आत्मविश्वास से भरा हुआ भारत है। हम न रुकेंगे और न थमेंगे। हम 140 करोड़ देशवासी मिलकर तेजी से आगे बढ़ेंगे।

अब भारत से कोई ...

एचएएल यहाँ राष्ट्र की रक्षा शक्ति का प्रतीक है। उन्होंने आगे कहा, आज जब मैंने एसयू-30, एमके1ए और एचटीटी -40 की उड़ानें देखीं, तो मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया। यह आत्मनिर्भरता का एक सच्चा उदाहरण है।

मोदी ने श्रीलंका...

क्षेत्र में स्थायी शांति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

विदेश मंत्री अब्देलाती ने अपनी यात्रा के दौरान आयोजित पहली भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता की जानकारी प्रधानमंत्री को दी। प्रधानमंत्री मोदी ने व्यापार, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, रक्षा और जन-से-जन संबंधों सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग में हो रही प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

हर्ष सांघवी बने...

चार मंत्री जिन्होंने अपने विभाग बरकरार रखे हैं - ऋषिकेश पटेल, कनुभाई देसाई, कुंवरजी बावलिया और पुरुषोत्तम सोलंकी (राज्य मंत्री) - ने दोबारा शपथ नहीं ली क्योंकि उनके पद अपरिवर्तित हैं।

त्रिकम छंगा, स्वरूपजी ठाकोर, प्रवीण माली, ऋषिकेश पटेल, पीसी बरंडा, दर्शन वाघेला, कांतिलाल अमृतिया, अर्जुनभाई मोढवाडिया, डॉ. प्रद्युम्न वाजा, कौशिक वेकारिया, जितेंद्रभाई वाघानी, रमनभाई सोलंकी, कमलेशभाई पटेल, संजय सिंह महिदा, रमेशभाई कटारा, प्रफुल्ल पंसेरिया, मनीषा वकील, ईश्वरसिंह पटेल, डॉ. जयरामभाई गामित, नरेशभाई पटेल, वे नए नेता हैं जिन्हें आज मंत्रिमंडल में शामिल किया गया।

गुजरात में आज हुए मंत्रिमंडल फेरबदल ने सितंबर 2021 के बाद से राज्य में सबसे बड़ा फेरबदल किया, जब पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी और उनके पूरे मंत्रिमंडल ने कथित तौर पर भाजपा आलाकमान के निर्देशों के बाद इस्तीफा दे दिया था।

भूपेंद्र पटेल द्वारा राज्यपाल देवव्रत को गुजरात मंत्रिमंडल की वर्तमान स्थिति से अवगत कराने के बाद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। गुरुवार को मुख्यमंत्री को छोड़कर सभी 16 मंत्रियों ने अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

गुजरात, जिसकी विधानसभा 182 सदस्यीय है, में अधिकतम 27 मंत्री हो सकते हैं (सदन की कुल संख्या का 15 प्रतिशत)।

सुप्रीम कोर्ट ने देश...

बी आर गवई को लिखे पत्र पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दर्ज किए गए मामले में केंद्र और सीबीआई से जवाब मांगा। पीठ ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों सहित निर्दोष लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने के लिए उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय के आदेशों और न्यायाधीशों के हस्ताक्षरों की जालसाजी करना न्यायिक संस्थाओं में लोगों के विश्वास और आस्था पर कुठाराघात है। 'डिजिटल अरेस्ट' ऑनलाइन धोखाधड़ी है, जिसमें जालसाज खुद को फर्जी तरीके से किसी सरकारी एजेंसी या पुलिस का अधिकारी बताकर लोगों पर कानून तोड़ने का आरोप लगाते हुए उन्हें धमकाते हैं और गलत तरह से धन वसूली की कोशिश करते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा, न्यायाधीशों के जाली हस्ताक्षरों वाले न्यायिक आदेश तैयार करना, कानून के शासन के अलावा न्यायिक व्यवस्था में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात करता है। इस तरह की कार्रवाई संस्था की गरिमा पर सीधा हमला है।पीठ ने कहा कि इस तरह के गंभीर आपराधिक कृत्य को धोखाधड़ी या साइबर अपराध के सामान्य या एकल अपराध के रूप में नहीं माना जा सकता। पीठ ने कहा, हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान लेने के लिए भी इच्छुक हैं कि यह मामला एकमात्र मामला नहीं है। मीडिया में कई बार ये खबरें आई हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों में ऐसे अपराध हुए हैं। इसलिए, हमारा मानना है कि न्यायिक दस्तावेजों की जालसाजी, निर्दोष लोगों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों से जबरन वसूली/लूट से जुड़े आपराधिक उपक्रम का पूरी तरह से पर्दाफाश करने के लिए केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयासों और कार्रवाई की आवश्यकता है।

पीठ ने अटॉर्नी जनरल से सहायता मांगी और हरियाणा सरकार तथा अंबाला साइबर अपराध विभाग को बुजुर्ग दंपति के मामले में अब तक की गई जांच पर एक स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। यह मामला शिकायतकर्ता महिला द्वारा अदालत के संज्ञान में लाया गया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि घोटालेबाजों ने 3 से 16 सितंबर के बीच दंपति की गिरफ्तारी और निगरानी की बात करने वाला स्टाम्प और मुहर लगा एक जाली अदालती आदेश पेश किया और कई बैंक लेनदेन के माध्यम से एक करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की।

महिला ने कहा कि उन्हें गिरफ्तार करने की धमकी देते हुए फर्जी तरीके से सीबीआई और ईडी अधिकारी बनकर कुछ लोगों ने कई ऑडियो और वीडियो कॉल के जरिए अदालती आदेश दिखाए। शीर्ष अदालत को बताया गया कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के विभिन्न प्रावधानों के तहत अंबाला स्थित साइबर अपराध विभाग में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

15 साल के...

शाह ने राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि लालू-राबड़ी के 15 साल के मजंगल राजफ ने बिहार को लगभग आधी सदी पीछे धकेल दिया। उन्होंने आगे कहा कि इसी दौरान बिहार ने अपनी गरिमा, वैभव और उत्कृष्टता खो दी।

शाह ने तेजस्वी यादव पर परोक्ष हमला करते हुए कहा कि वही जंगल राज आज बिहार की जनता के सामने है, नए चेहरों के साथ और वोट मांगते हुए। बिहार के पटना में बुद्धिजीवियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए, शाह ने कहा, वह कौन सा युग था, जिसमें बिहार एक बीमारू राज्य बन गया। सिर्फ़ 15 साल के जंगल राज में ही बिहार ने अपना गौरव, धन और ज्ञान खो दिया। जंगल राज के 15 साल के दौर में बिहार ने अपनी गरिमा, वैभव और हर तरह की उत्कृष्टता खो दी। कल्पना कीजिए कि वे 15 साल कैसे रहे होंगे... वह दौर जिसमें बिहार की प्रतिष्ठा गिर गई... उन्होंने आगे आरोप लगाया कि आज़ादी के बाद बिहार में स्थापित उद्योग लालू यादव के जंगल राज के कारण राज्य से चले गए।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, जब वे (लालू यादव) भ्रष्टाचार के मामले में जेल से बाहर आए और हाथी पर जुलूस निकाला गया, तो हमें इस तरह की बेशर्मी समझ नहीं आई... आज़ादी के समय बिहार में जो उद्योग स्थापित हुए थे, वे धीरे-धीरे बिहार छोड़ने लगे... उस 15 साल के शासन ने बिहार को लगभग आधी सदी पीछे धकेल दिया।

वही मजंगल राजफ आज नए चेहरों के साथ बिहार की जनता के सामने है। इस बार बिहार में सिर्फ़ दो चरणों में विधानसभा चुनाव होने के बीच, शाह ने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा, मैं लालू और राहुल कंपनी से पूछना चाहता हूँ कि पहले बिहार में 6 चरणों में चुनाव होते थे, जबकि अब सिर्फ़ 2 चरणों में चुनाव हो रहे हैं। 6 चरणों में करना पड़ा क्योंकि सुरक्षा के इतने इंतज़ाम नहीं हो पा रहे थे, और अब 2 चरणों में हो रहा है क्योंकि बिहार सुरक्षित हो गया है।

ब्रह्म योग और उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र में मनाई जायेगी धनतेरस

धनतेरस पर राशि अनुसार करें खरीदारी, कभी नहीं रहेगी पैसे की कमी

धनतेरस को समृद्धि के दिन के रूप में मनाया जाता है। परंपराओं के अनुसार, धन और समृद्धि के लिए धनतेरस मंत्र के साथ देवी लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा की जाती है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पंचांग के अनुसार इस वर्ष कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि शनिवार 18 अक्टूबर को दोपहर 12:18 बजे आरंभ होगी और रविवार 19 अक्टूबर को दोपहर 1:51 बजे तक रहेगी। प्रदोष काल को देखते हुए धनतेरस का पर्व शनिवार 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इसी के साथ दीपावली उत्सव का शुभारंभ भी हो जाएगा। इस दिन शुभ मुहूर्त में सोना, चांदी, पीतल की वस्तुएं, मकान, वाहन, घर के जरूरत के सामान आदि खरीदते हैं। धनतेरस के दिन सोना खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस के अवसर पर आप अपनी राशि के अनुसार शुभ वस्तुएं खरीदते हैं तो आप पर माता लक्ष्मी और कुबेर की कृपा होगी। सालभर धन-संपत्ति में वृद्धि होगी, धन की कमी दूर होगी और किस्मत भी चमकेगी।

इस बार इस साल धनतेरस के दिन ब्रह्म योग और उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र का संयोग बन रहा है। पंचांग के अनुसार 18 अक्टूबर की सुबह ब्रह्म योग आरंभ होगा, जो रात 1:48 बजे तक रहेगा। वहीं पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र सुबह से लेकर दोपहर 3:41 बजे तक रहने वाला है। इसके बाद से उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र प्रभावी होगा। इन शुभ योग में की गई खरीदारी और शुरुआत लंबे वक्त तक फायदा देने वाली रहेगी। इन शुभ योग में किए कामों में सफलता की संभावना और बढ़ जाती है।

धनतेरस तिथि

पंचांग के अनुसार इस वर्ष कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि 18 अक्टूबर शनिवार को दोपहर 12:18 बजे आरंभ होगी और 19 अक्टूबर रविवार को दोपहर 1:51 बजे तक रहेगी। प्रदोष काल को देखते हुए धनतेरस का पर्व शनिवार 18 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इसी के साथ दीपावली उत्सव का शुभारंभ भी हो जाएगा।

त्रयोदशी तिथि प्रारम्भ -18 अक्टूबर को दोपहर 12:18 बजे से

त्रयोदशी तिथि समाप्त - 19 अक्टूबर को दोपहर 1:51बजे तक

धनतेरस पर बन रहा ब्रह्म योग

इस साल धनतेरस के दिन ब्रह्म योग और उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र का संयोग बन रहा है। पंचांग के अनुसार 18 अक्टूबर की सुबह ब्रह्म

योग आरंभ होगा, जो रात 1:48 बजे तक रहेगा। वहीं पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र सुबह से लेकर दोपहर 3:41 बजे तक रहने वाला है। इसके बाद से उत्तराफाल्गुनी नक्षत्र प्रभावी होगा।

धनतेरस पूजा का शुभ मुहूर्त

धनतेरस पर संध्या के समय पूजा करना अत्यंत फलदायी माना गया है। इस वर्ष 18 अक्टूबर को धनतेरस पूजन का शुभ समय शाम 7:16 बजे से रात 8:20 बजे तक रहेगा। इस दौरान माता लक्ष्मी, भगवान गणेश और धन के देवता कुबेर की आराधना करनी चाहिए।

ब्रह्म मुहूर्त- प्रातः 4:43 से 5:33 बजे तक

अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11:43 से दोपहर 12:29 बजे तक

प्रदोष काल - शाम 05:48 से रात 08:20 बजे तक

वृषभ काल - शाम 07:16 से रात 09:11 बजे तक

यम दीपदान

धनतेरस पर प्रदोष काल में यमराज के लिए दीपक जलाने की परंपरा है। इस वर्ष यम दीपदान का समय 18 अक्टूबर को शाम 5:48 से रात 8:20 बजे तक रहेगा। मानी जीती है कि घर के बाहर दक्षिण दिशा में दीपक जलाने से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है और परिवार के सदस्य दीर्घायु होते हैं।

धनतेरस पर अपनी राशि के अनुसार खरीदारी

मेष राशि –मेष राशि के जातकों को चांदी के आभूषण, सिक्के या फिर बर्तन खरीदने चाहिए। इसके अलावा आप सोना या पीतल की वस्तुएं भी खरीद सकते हैं। इससे आपको तरक्की मिलेगी।

वृषभ राशि–वृषभ राशि के स्वामी ग्रह शुक्र हैं और इसिलिए आपके लिए चांदी की वस्तुएं खरीदना अच्छा रहेगा। यदि आप हीरा जड़ित कोई आभूषण खरीदते हैं तो वह बहुत ही उत्तम रहेगा। आप अपने बजट के अनुसार चांदी के आभूषण या सिक्के भी ले सकते हैं।

मिथुन राशि –धनतेरस पर आपको कांसे का बर्तन, सोना आदि खरीदना शुभ रहेगा। पन्ना शुभ रत्न है, इन वस्तुओं की खरीदारी आपके लिए उन्नति देने वाली होगी।

कर्क राशि – कर्क राशि के लोगों को चांदी के आभूषण, चांदी के लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति, चांदी का श्रीयंत्र, मोती की माला, चांदी में माती जड़ित अंगुठी आदी खरीदना उत्तम रहेगा।

सिंह राशि – सिंह राशि के लिए धनतेरस पर सोना खरीदना श्रेष्ठ रहेगा। आपके लिए शुभ रत्न माणिक्य है। यदि बजट कम है तो आप उन वस्तुओं को खरीद सकते हैं, जिन पर सोने का पानी चढ़ाया गया हो।

कन्या राशि – कन्या राशि के स्वामी बुध हैं। आपको धनतेरस पर कांसे या फूल के बर्तन खरीदना चाहिए, इससे आपका बुध ग्रह और मजबूत होगा। आपका शुभ रत्न पन्ना और मोती है। मोती की माला भी खरीद सकते हैं।

तुला राशि – तुला राशि के जातकों को धनतेरस पर चांदी के आभूषण, चांदी के बर्तन खरीदना शुभ रहेगा। इससे आपकी धन संपत्ति में वृद्धि होगी।

वृश्चिक राशि – धनतेरस पर वृश्चिक राशि के जातकों को तांबे के बर्तन, चांदी या चांदी के आभूषण खरीदना चाहिए। इससे आपको लाभ होगा।

धनु राशि – धनु राशि के जातक धनतेरस पर सोने के आभूषण, सोने के सिक्के, पीतल के बर्तन आदि खरीद सकते हैं। ऐसा करने से जीवन भर पैसे की कमी नहीं रहेगी।

मकर राशि –मकर राशि के जातकों को धनतेरस वाले दिन आप स्टील के बर्तन या अपने लिए कोई वाहन खरीदना चाहिए। सालभर आपकी उन्नति होगी।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों को धनतेरस पर वाहन या स्टील के बर्तन खरीदने चाहिए। उसके बाद चांदी, सोना आदि खरीद सकते हैं।

मीन राशि –मीन राशि के जातकों को धनतेरस पर सोने या पीतल की वस्तुएं खरीदनी चाहिए। इससे आपके सुख और समृद्धि में वृद्धि होगी।

धनतेरस पर मां लक्ष्मी का पूजन घर में लाता है वैभव...!!

कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धन की देवी के उत्सव का प्रारंभ होने के कारण इस दिन को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी व धन्वन्तरी त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस पर पांच देवताओं, गणेश जी, मां लक्ष्मी, ब्रह्मा,विष्णु और महेश की पूजा होती है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय कलश के साथ माता लक्ष्मी का अवतरण हुआ उसी के प्रतीक के रूप में ऐश्वर्य वृद्धि, सौभाग्य वृद्धि के लिए बर्तन खरीदने की परम्परा शुरू हुई।

श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि औषधियों के जनक भगवान धनवंतरी की जयंती यानी धनतेरस का पर्व इस बार 18 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी का जन्म हुआ था, यही वजह है कि धनतेरस को भगवान धनवंतरी और मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है।भारतीय कैलेंडर के अनुसार कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धन की देवी के उत्सव का प्रारंभ होने के कारण इस दिन को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी व धन्वन्तरी त्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस दिवाली के दो दिन पहले मनाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि समुद्र मंथन के समय कलश के साथ माता लक्ष्मी का अवतरण हुआ उसी के प्रतीक के रूप में ऐश्वर्य वृद्धि, सौभाग्य वृद्धि के लिए बर्तन खरीदने की परम्परा शुरू हुई। माना जाता है कि इस दिन कोई नया सामान खरीदने से आपका धन 13 गुना बढ़ जाता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

धनतेरस जिसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती भी कहते हैं पांच दिवसीय दीपावली का पहला दिन होता है। धनतेरस के दिन से दिवाली का त्योहार प्रारंभ हो जाता है। मान्यता है इस तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रगट हो हुए थे। इसी कारण से हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन-जायजाद की शुभ खरीदारी करता है उसमें तेरह गुना की बढ़ोत्तरी होती है। चिकित्सक अमृतधारी भगवान धन्वन्तरि की पूजा करेंगे। इसी दिन से देवता यमराज के लिए दीपदान से दीप जलाने की शुरुआत होगी और पांच दिनों तक जलाए जाएंगे। इस दिन खरीदे गए सोने या चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख देते हैं। लोग नए बर्तन या दूसरे नए सामान खरीदेंगे।

धनतेरस पर यमदीप भी प्रज्वलित किया जाएगा। रोग,शोक,भय, दुर्घटना, मृत्यु से बचने के लिए धनतेरस की शाम घर के बाहर यमदीप जलाने की परंपरा है। इसी दिन धनवंतरी ने सौ तरह के मृत्यु की जानकारी के साथ अकाल मृत्यु से बचाव के लिए यमदीप जलाने की बात बतायी थी।

धनत्रयोदशी के दिन सायंकाल यमराज के निमित्त दीपदान करें। इसे 'यम दीपदान' कहा जाता है। घर के मुख्य द्वार के बाहर गोबर का लेपन करें तत्पश्चात मिट्टी के 2 दीयों में तेल डालकर प्रज्वलित करें। दीये प्रज्वलित करते समय 'दीपज्योति नमोस्तुते' मंत्र का जाप करते रहें एवं अपना मुख दक्षिण दिशा की ओर रखें। धनत्रयोदशी के दिन 'यम दीपदान' करने से घर-परिवार में किसी सदस्य की अकाल मृत्यु नहीं होती है।

इस दिन लक्ष्मी जी के स्वागत के लिए अपने घर के मुख्य द्वार पर रंगोली बनाने के साथ ही महालक्ष्मी के दो छोटे-छोट पद चिन्ह लगाए जाते हैं। धनतेरस पर माता लक्ष्मी के अलावा धन्वंतरी,कुबेर की भी पूजा की जाती है। धनवंतरी इसी तिथि को समुद्र मंथन से अवतरित हुए थे। प्राचीन काल में लोग इस दिन नए बर्तन खरीदकर उसमें क्षीर पकवान रखकर धनवंतरी भगवान को भोग लगाते थे।

दिवाली से पहले धनतेरस का त्योहार मनाया जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी और कुबेर के साथ भगवान धनवंतरी की पूजा भी की जाती है। घर में हमेशा सुख-समृद्धि बनी रहे इसलिए इस दिन इनकी पूजा की जाती है। इस दिन माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए आप पूजा में कुछ चीजें शामिल कर सकते हैं:

पान – शास्त्रों में धनतेरस पर पूजा की सामग्री के लिए पान का इस्तेमाल करें। पान के पत्ते में देवी-देवताओं का वास माना जाता है। इसलिए धनतेरस और दिवाली की पूजा में इसका इस्तेमाल शुभ माना जाता है।

सुपारी– धनतेरस की पूजा में सुपारी का इस्तेमाल के बिना पूजा प्रारंभ ही नहीं होती है। सुपारी को ब्रह्मदेव, यमदेव, वरूण देव और इंद्रदेव का प्रतीक माना जाता है। धनतेरस के दिन पूजा में प्रयोग की गई सुपारी को तिजोरी में रखना लाभदायक होता है।

साबुत धनिया– धनतेरस के दिन आप साबुत धनिया खरीदकर लेकर आएं और इसे मां लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। इससे आपकी सारी आर्थिक परेशानी दूर हो जाएगी।

बताशा और खील – बताशा माता लक्ष्मी का सबसे प्रिय भोग है। माता लक्ष्मी की पूजा में बताशे का प्रयोग करने से हर समस्या का समाधान होता है। इस दिन खील जरूर खरीदना चाहिए। इससे धन समृद्धि बनी रहती है।

दिया– पूजा से पहले मां के सामने दीप जलाना न भूलें। इससे यमदेव प्रसन्न होते हैं।

कपूर –मां लक्ष्मी, कुबेर और भगवान धनवंतरी की पूजा में कपूर जरूर जलाएं। कपूर जलाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर जाती है और सकारात्मक ऊर्जा घर में आती है।

धनतेरस का महत्व

* इस दिन नए उपहार, सिक्का, बर्तन व गहनों की खरीदारी करना शुभ माना जाता है। शुभ मुहूर्त में पूजन करने के साथ सात धान्यों की पूजा की जाती है. सात धान्य में गेहू, उडद, मूंग, चना, जौ, चावल और मसूर शामिल होता है।
* धनतेरस के दिन चांदी खरीदना शुभ माना जाता है।
* भगवान धन्वन्तरी की पूजा से स्वास्थ्य और सेहत मिलता है। इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी गणेश की पूजा हेतु मूर्ति भी खरीदते हैं।

धनतेरस के दिन क्या करें

* इस दिन धन्वंतरि का पूजन करें।
* नवीन झाडू एवं सूपड़ा खरीदकर उनका पूजन करे।
* सायंकाल दीपक प्रज्वलित कर घर, दुकान आदि को श्रृंगारित करें।
* मंदिर, गोशाला, नदी के घाट, कुओं, तालाब, बगीचों में भी दीपक लगाएं।
* यथाशक्ति तांबे, पीतल, चांदी के गृह-उपयोगी नवीन बर्तन और जेवर खरीदना चाहिए।
* हल जुती मिट्टी को दूध में भिगोकर उसमें सेमर की शाखा डालकर तीन बार अपने शरीर पर फेरें।
* कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, बावड़ी, कुआँ, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाएं।

धनतेरस के साथ शुरू होगा दीपोत्सव

पांच दिनों का दीपावली महापर्व इस वर्ष छह दिनों का होगा। हिंदू धर्म में दीपावली का त्यौहार बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है। कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक अमावस्या तिथि पर भगवान श्री राम 14 वर्षों का वनवास काटकर और लंका पर विजय करने के बाद अयोध्या लौटे थे। जिसकी खुशी में सारे अयोध्यावासी इस दिन पूरे नगर को अपने राजा प्रभु राम के स्वागत में दीप जलाकर उत्सव मनाया था। इसी कारण से तब से ये परंपरा चली आ रही है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर - जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि पांच दिनों का दीपावली महापर्व इस वर्ष छह दिनों का होगा। इस बार दीपावली महापर्व की शुरुआत 18 अक्टूबर को धनतेरस से होगी। 19 अक्टूबर को हनुमान जयंती, छोटी दीपावली या रूप चौदस, 20 अक्टूबर को दीपावली, 21 अक्टूबर को स्नान पूजा और दान अमावस्या, 22 अक्टूबर को अन्नकूट व गोवर्धन पूजा और 23 अक्टूबर को भैयादूज के साथ ही इस महापर्व का सामापन हो जाएगा। पहला पर्व कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनाध्यक्ष कुबेर के पूजन से शुरू होकर मृत्यु के देवता यमराज के लिए दीपदान तक चलेगा। दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजा का विशेष महत्व भी होता है। इस दिन शाम और रात के समय शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और माता सरस्वती की पूजा की जाती है। धनतेरस दीपावली का पहला दिन माना जाता है। इसके बाद नरक चतुर्दशी फिर दीपावली, गोवर्धन पूजा और आखिरी में भैयादूज का त्यौहार मनाया जाता है।

पहला पर्व कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को धनाध्यक्ष कुबेर के पूजन से शुरू होकर मृत्यु के देवता यमराज के लिए दीपदान तक चलेगा। हिंदू धर्म में दीपावली का त्यौहार बहुत उत्साह और जोश के साथ मनाया जाता है। कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि पर दीपावली का त्योहार मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कार्तिक अमावस्या तिथि पर भगवान श्री राम 14 वर्षों का वनवास काटकर और लंका पर विजय करने के बाद अयोध्या लौटे थे। जिसकी खुशी में सारे अयोध्यावासी इस दिन पूरे नगर को अपने राजा प्रभु राम के स्वागत में दीप जलाकर उत्सव मनाया था। इसी कारण से तब से ये परंपरा चली आ रही है। दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजा का विशेष महत्व भी होता है। इस दिन शाम और रात के समय शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और माता सरस्वती की पूजा की जाती है। धनतेरस दीपावली का पहला दिन माना जाता है। इसके बाद नरक चतुर्दशी फिर दीपावली, गोवर्धन पूजा और आखिरी में भैयादूज का त्योहार मनाया जाता है।

छह दिनों का दीपोत्सव

पांच दिनों का दीपावली महापर्व इस वर्ष छह दिनों का होगा। इस बार दीपावली महापर्व की शुरुआत 18 अक्टूबर को धनतेरस से होगी। 19 अक्टूबर को हनुमान जयंती, छोटी दीपावली या रूप चौदस, 20 अक्टूबर को दीपावली, 21 अक्टूबर को स्नान पूजा और दान अमावस्या, 22 अक्टूबर को अन्नकूट व गोवर्धन पूजा और 23 अक्टूबर को भैयादूज के साथ ही इस महापर्व का सामापन हो जाएगा।

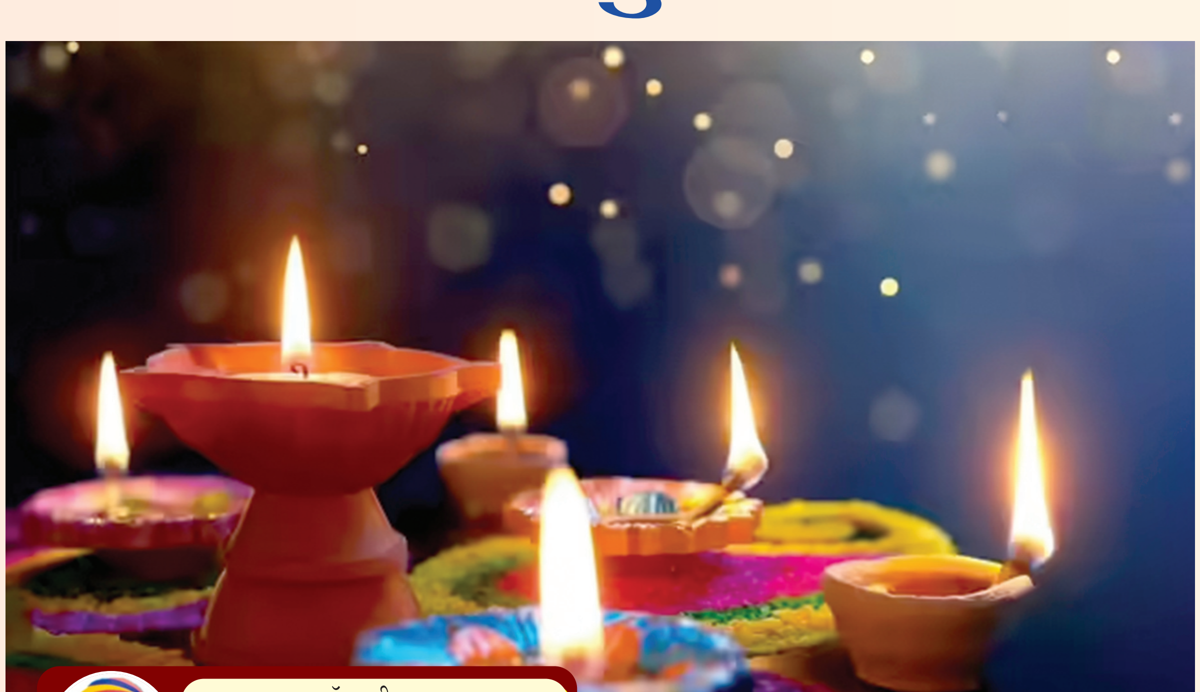

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

18 अक्टूबरः धनतेरस (धन-त्रयोदशी) धनतेरस के निमित्त सायंकाल यम-दीपदान,

19 अक्टूबरः रूप चतुर्दशी

20 अक्टूबरः दीपावली

21 अक्टूबरः स्नान पूजा और दान अमावस्या

22 अक्टूबरः अन्नकूट, गोवर्धन पूजा

23 अक्टूबरः भाई दूज

धनतेरस जिसे धन त्रयोदशी और धन्वंतरि जयंती भी कहते हैं पांच दिवसीय दीपावली का पहला दिन होता है। धनतेरस के दिन से दीपावली का त्योहार प्रारंभ हो जाता है। मान्यता है इस तिथि पर आयुर्वेद के जनक भगवान धन्वंतरि समुद्र मंथन से अमृत कलश लेकर प्रगट हो हुए थे। इसी कारण से हर वर्ष धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परंपरा निभाई जाती है। कहा जाता है जो भी व्यक्ति धनतेरस के दिन सोने-चांदी, बर्तन, जमीन-जायजाद की शुभ खरीदारी करता है उसमें तेरह गुना की बढ़ोत्तरी होती है। चिकित्सक अमृतधारी भगवान धन्वन्तरि की पूजा करेंगे। इसी दिन से देवता यमराज के लिए दीपदान से दीप जलाने की शुरुआत होगी और पांच दिनों तक जलाए जाएंगे। लोकाचार में इस दिन खरीदे गए सोने या चांदी के धातुमय पात्र अक्षय सुख देते हैं। लोग नए बर्तन या दूसरे नए सामान खरीदेंगे।

त्रयोदशी तिथि प्रारम्भ -18 अक्टूबर 2025 को दोपहर 12:18 बजे से

त्रयोदशी तिथि समाप्त - 19 अक्टूबर 2025 को दोपहर 1:51बजे तक

19 अक्टूबर को रूप चतुर्दशी पर महिलाएं संवारेगी रूप

चतुर्दशी तिथि को भगवान विष्णु ने माता अदिति के आभूषण चुराकर ले जाने वाले निशाचर नरकासुर का वध कर 16 हजार कन्याओं को मुक्ति दिलाई थी। परंपरा में इसे शारीरिक सज्जा और अलंकार का दिन भी माना गया है। इसे रूप चतुर्दशी भी कहा जाता है। इस दिन महिलाएं ब्रह्म मुहूर्त में हल्दी, चंदन, सरसो का तेल मिलाकर उबटन तैयार कर शरीर पर लेप कर उससे स्नान कर अपना रूप निखारेंगी। नरक चतुर्दशी कार्तिक माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। नरक चतुर्दशी को कई और नामों से भी मनाया जाता है जैसे- नरक चौदस, रूप चौदस और रूप चतुर्दशी आदि। दीपावली से पहले मनाए जाने के कारण इसे छोटी दीपावली भी कहा जाता है। इस दिन मृत्यु के देवता यमराज की पूजा होती है। घर के कोनों में दीपक जलाकर अकाल मृत्यु से मुक्ति की कामना की जाती है।

चतुर्दशी तिथि प्रारम्भ -19 अक्टूबर 2025 को दोपहर 01:51 बजे से

चतुर्दशी तिथि समाप्त - 20 अक्टूबर 2025 को दोपहर 03:44 बजे तक

20 अक्टूबर को दीपावली पर होगी महालक्ष्मी-गणेश पूजन

दीपावली पर घरों को रोशनी से सजाया जाता है। दीपावली की शाम को शुभ मुहूर्त में माता लक्ष्मी, भगवान गणेश, मां सरस्वती और धन के देवता कुबेर की पूजा-आराधना होती है। मान्यता है दीपावली की रात माता लक्ष्मी पृथ्वी पर आती हैं और घर-घर जाकर ये देखती हैं किसका घर साफ है और किसके यहां पर विधिविधान से पूजा हो रही है। माता लक्ष्मी वहीं पर अपनी कृपा बरसाती हैं। दीपावली पर लोग सुख-समृद्धि और भौतिक सुखों की प्राप्ति के लिए माता लक्ष्मी की विशेष पूजा करते हैं। अथर्ववेद में लिखा है कि जल, अन्न और सारे सुख देने वाली पृथ्वी माता को ही दीपावली के दिन भगवती लक्ष्मी के रूप में पूजा जाता है। कार्तिक अमावस्या का दिन अंधेरे की अनादि सत्ता को अंत में बदल देता है, जब छोटे-छोटे ज्योति-कलश दीप जगमगाने लगते हैं। प्रदोषकाल में माता लक्ष्मी के साथ गणपति, सरस्वती, कुबेर और भगवान विष्णु की पूजा का विधान है।

कार्तिक अमावस्या तिथि प्रारम्भ - 20 अक्टूबर दोपहर 3:45 बजे से

कार्तिक अमावस्या तिथि समाप्ति - 21 अक्टूबर को शाम 5:55 तक

21 अक्टूबर को स्नान पूजा और दान अमावस्या

दीपोत्सव पर्वकाल की परंपरा में दीपावली के अगले दिन कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा पर गोवर्धन पूजा होना चाहिए। लेकिन इस बार दीपावली के अगले दिन 21 नंवबर को सुबह से दोपहर तक अमावस्या तिथि रहेगी। ऐसे में पूरे दिन अमावस्या मानी जाएगी और गोवर्धन पूजा अगले दिन होगी।

22 अक्टूबर को को गोवर्धन पूजा पर बंटेगा अन्नकूट

गोवर्धन पूजा को अन्नकूट भी किया जाता है। इस त्योहार में भगवान कृष्ण के साथ गोवर्धन पर्वत और गायों की पूजा का विधान है। इसी दिन भगवान कृष्ण को 56 भोग बनाकर लगाया जाता है। दीपावली के अगले दिन राजा बली पर भगवान विष्णु की विजय का उत्सव है। ऋग्वेद में उल्लेख है कि भगवान विष्णु ने वामन रूप धरकर तीन पदों में सारी सृष्टि को नाप लिया था। श्रीकृष्ण ने इसी दिन देवेंद्र के मानमर्दन के लिए गोवर्धन को धारण किया था। शहर में स्थान-स्थान जगह-जगह नवधान्य के बने हुए पर्वत शिखरों का भोग अन्नकूट प्रसाद के रूप में वितरित जाएगा।

23 अक्टूबर को भाईदूज पर भाई करेंगे बहनों के घर भोजन

भाई दूज दीपावली पर्व का आखिरी दिन का त्योहार होता है। भाई दूज कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी आयु और सुख-समृद्धि की मनोकामनाएं मांगती हैं। इस त्योहार को भाई दूज या भैया दूज, भाई टीका, यम द्वितीया, भ्रातृ द्वितीया कई नामों से जाना जाता है। भविष्य पुराण में लिखा है कि इस दिन यमुना ने अपने भाई यम को अपने घर पर भोजन करने के लिए आमंत्रित किया था। यही वजह है कि आज भी इस दिन समझदार लोग अपने घर मध्याह्न का भोजन नहीं करते। कल्याण और समृद्धि के भाई को इस दिन अपनी बहन के घर में ही स्नेहवश भोजन करना चाहिए।

अभिनेत्री स्मिता पाटिल की वे चार फिल्में जो समाज के लिए बनी आईना

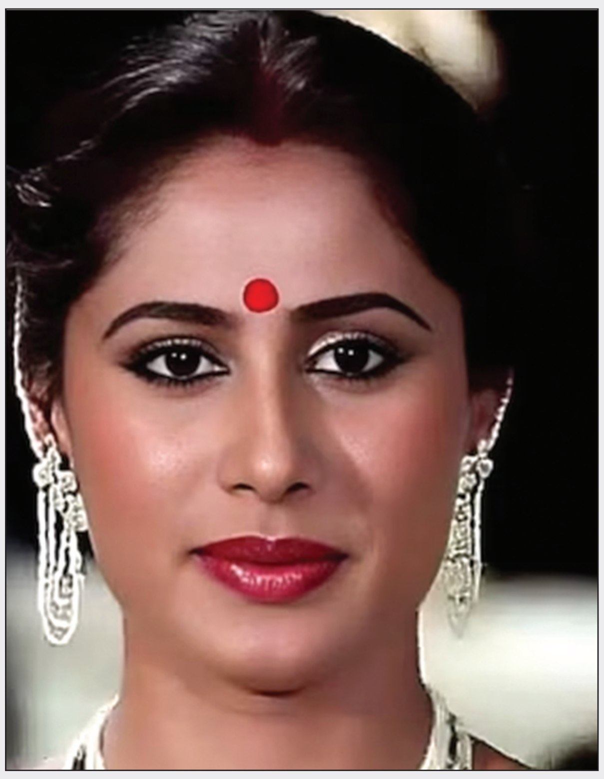

बॉलीवुड की दिग्गज हस्तियों में शुमार अभिनेत्री स्मिता पाटिल ने भले ही कम उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया, लेकिन एक्ट्रेस की फिल्में आज भी फैंस के दिलों में जिंदा हैं।स्मिता पाटिल का जन्म 17 अक्टूबर 1955 को पुणे में हुआ था। शुक्रवार को स्मिता पाटिल के जन्मदिन पर उनके पति राज बब्बर ने उन्हें याद किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर स्मिता पाटिल की फोटो शेयर कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कैप्शन में लिखा कि जटिल भूमिकाओं को निभाने में उनकी सहजता और हमारे सामाजिक ताने-बाने में रचे-बसे किरदारों की गहरी समझ ने उन्हें अलग पहचान दिलाई। उन्होंने नियति द्वारा दिए गए कुछ ही समय में ही बहुत कुछ हासिल किया। उनके जीवन का संक्षिप्तपन हमेशा एक अनसुलझे दर्द जैसा महसूस होगा।

आज हम आपको स्मिता पाटिल की उन फिल्मों के बारे में बताएंगे जो समाज के लिए आईना थीं और अपने दौर की हिट फिल्मों में से एक रहीं।

1977 में स्मिता पाटिल की फिल्म 'भूमिका' आई थी, जिसमें उन्होंने महिला के जिंदगी के संघर्षों के बारे में दिखाया। फिल्म में स्मिता ने ऐसी लड़की की भूमिका निभाई है जो परिवार चलाने के लिए एक्टिंग शुरू करती है लेकिन उसका पति ही उनके रास्ते का पत्थर बन जाता है। फिल्म ने उस समय में भी महिला अधिकारों को उजागर किया। फिल्म में स्मिता पाटिल की एक्टिंग को खूब सराहा गया था।

उन्होंने एक ऐसी लड़की का रोल प्ले किया था, जो एक शादीशुदा मर्द के प्यार में पागल होती है। एक्ट्रेस फिल्म में साइड रोल में थी, लेकिन फिल्म में उनकी एक्टिंग सबसे लाजवाब थी। बताया जाता है कि फिल्म महेश भट्ट और अभिनेत्री परवीन बाबी के रिश्ते को दिखाती है।

उनकी 'बाजार' फिल्म 1982 में रिलीज हुई थी। फिल्म में पैसों के लिए लड़कियों को बेच दिया जाता है। लड़कियों की खरीद-फरोख्त दुल्हन के नाम पर होती थी। इसी कुप्रथा पर स्मिता पाटिल की फिल्म ने सबका दिल जीता था। उन्होंने फिल्म में नजमा नाम की लड़की का रोल प्ले किया था। फिल्म में उनके साथ नसीरुद्दीन शाह और सुप्रिया पाठक भी थे।

1983 में स्मिता पाटिल की फिल्म'अर्ध सत्य' आई थी, जिसने पर्दे पर कमाल कर दिया था। फिल्म पुलिस और सरकारी विभागों में फैली भ्रष्ट व्यवस्था पर बनी थी। फिल्म में स्मिता के अलावा नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी और सदाशिव अमरापुरकर जैसे बड़े चेहरे मौजूद थे।

स्मिता पाटिल की फिल्म 'मिर्च मसाला' साल 1987 में आई थी, जिसमें नसीरुद्दीन शाह और स्मिता पाटिल ने लीड रोल प्ले किया था। फिल्म की कहानी महिलाओं को शिक्षा पर जोर देती है, जिसमें मिर्च के कारखाने में काम करने वाली स्मिता पाटिल महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों पर आवाज उठाती हैं और महिला शिक्षा पर जोर देती हैं।

संगीत के 30 वर्षों का जश्न
अनुष्का शंकर ने की भारत टूर की घोषणा

11 बार ग्रैमी के लिए नामांकित सितार वादक अनुष्का शंकर अपने लाइव प्रदर्शन के 30 साल पूरे होने पर एक विशेष भारत दौरे की घोषणा कर रही हैं। यह बहुप्रतीक्षित टूर SkillBox के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है और इसकी शुरुआत 30 जनवरी को हैदराबाद से होगी। इसके बाद यह यात्रा बेंगलुरु (31 जनवरी), मुंबई (1 फरवरी), पुणे (6 फरवरी), दिल्ली (7 फरवरी) और कोलकाता (8 फरवरी) में जारी रहेगी। इस टूर को SkillBox और RedFM² द्वारा क्यूरेट और प्रोड्यूस किया गया है और कोटक द्वारा प्रस्तुत किया गया है।

अनुष्का कहती हैं: भारत में हर परफॉर्मेंस मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत होता है, लेकिन यह दौरा एक बेहद खास समय पर हो रहा है। इस टूर के साथ हम मिलकर मेरे मंच पर संगीत साझा करने के 30 सालों का जश्न मनाएंगे – तीन दशक की वृद्धि, जोखिम और नवाचार। इस विशेष टूर के साथ अनुष्का न केवल अपने तीन दशक के संगीत सफर को सेलिब्रेट कर रही हैं, बल्कि अपनी उहरशिंशी त्रयी को भी पूर्ण रूप से प्रस्तुत कर रही हैं – एक ऐसी संगीत यात्रा जिसकी शुरुआत भारत से हुई थी और जो पिछले दो वर्षों में चार महाद्वीपों में व्यापक रूप से सराही गई।

वह आगे कहती हैं: यह यात्रा वास्तव में तीन साल पहले गोवा में नए साल के दिन की डायरी से शुरू हुई थी, जब मैंने इस त्रयी का एक खाका तैयार किया था। मैंने एक नए बैंड के साथ प्रयोगात्मक परफॉर्मेंस किए और उसके साथ ही इन उहरशिंशी को लिखा और रिलीज किया। हर शो और हर महाद्वीप के साथ संगीत को विकसित होने दिया। अब जबकि तीनों उहरशिंशी रिलीज हो चुके हैं, कहानी पूरी हो चुकी है – और अब इसे भारत में पूरा रूप से प्रस्तुत करने का समय आ गया है।

मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर और दिलजीत दोसांझ का कुफर हुआ रिलीज

आखिरकार इंतज़ार अब खत्म हो गया। मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर और ग्लोबल म्यूज़िक आइकन दिलजीत दोसांझ का बहुप्रतीक्षित गीत 'कुफ़र', जो दिलजीत के ऐल्बम 'ऑरा' का हिस्सा है, अब रिलीज़ हो चुका है और इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है। टीज़र ने पहले ही सोशल मीडिया पर आग लगा दी थी, और अब पूरा म्यूज़िक वीडियो इस जादू को एक नए स्तर पर ले गया है। दो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय कलाकारों की यह जोड़ी अपनी प्रतिभा और स्टार पावर को मिलाकर कुछ वाकई शानदार पेश करती है।

मानुषी का बेहद आकर्षक और ग्लैमरस अंदाज़, दिलजीत के करिश्माई अंदाज़ और उनकी ग्लोबल अपील के साथ मिलकर 'कुफ़र' को एक विजुअल और म्यूज़िकल मास्टरपीस बना देता है – एक ऐसा वीडियो जो कल्चर को जोड़ता है और दुनिया भर के दर्शकों से सीधा संवाद करता है। कैमिस्ट्री जोशीली है, विज़ुअल्स मंत्रमुग्ध करने वाले हैं, और एनर्जी पूरी तरह पॉजिटिव है। 'कुफ़र' को खास बनाती है मानुषी और दिलजीत की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री। पुराने विंटेज लुक की तरह हल्की रौशनी वाली मोहक लोकेशंस से लेकर मानुषी के डांस मूव्स और उनके ओम्फ़ फैक्टर तक, हर फ्रेम को बारीकी से गढ़ा गया है, फिर भी सबकुछ बेहद स्वाभाविक लगता है। मानुषी अपनी अब तक की सबसे बोल्ड और ग्लैमरस झलक में नज़र आती हैं, जबकि दिलजीत अपनी विशिष्ट करिश्माई मौजूदगी और स्टार पॉवर से पूरे वीडियो पर छा जाते हैं। दोनों मिलकर ऐसा अनुभव रचते हैं जो सिनेमाई भी है और वास्तविक दोनों लगते हैं – एक दुर्लभ संतुलन जो इस म्यूज़िक वीडियो को साधारण से कहीं ऊपर ले जाता है।

मानुषी के लिए, कुफर उनकी विकसित होती कलात्मक सफर का एक और साहसिक कदम का प्रतिनिधित्व करता है, जो उन्हें आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ नए रचनात्मक दिशाओं का अन्वेषण कर रही हैं। और उनके प्रशंसकों के लिए, जिन्होंने उन्हें मालिक और तेहरान जैसी फिल्मों में सराहा है, उनके लिए यह कोलैबोरेशन साबित करता है कि 2025 में भी उन्हें कोई नहीं रोक सकता।

मानुषी छिल्लर और दिलजीत दोसांझ ने ऐसा सहयोग पेश किया है जो न सिर्फ इंटरनेट पर धूम मचा है बल्कि म्यूज़िक वीडियो के मानक को ही नई ऊँचाई पर पहुँचा रहा है। ग्लोबल अपील, बेहतरीन कैमिस्ट्री और दिलकश विज़ुअल्स के साथ, 'कुफ़र' वह कोलैबोरेशन है जिसकी हमें ज़रूरत तो पता नहीं थी – मगर अब हम इससे नज़रें नहीं हटा पा रहे। यह हैं मानुषी और दिलजीत अपने सर्वश्रेष्ठ रूप में, और यह साबित करता है कि जब दो ग्लोबल पॉवर साथ आते हैं तो नतीजा वाकई असाधारण होता है।

फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी में दूल्हे के रोल में दिखेंगे संजय मिश्रा

बॉलीवुड अभिनेता संजय मिश्रा की नई फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का अनाउंसमेंट हाल ही में हुआ था। इस फिल्म में वह एक दूल्हे के रोल में दिखाई देंगे।ऐसा दूल्हा जो दूसरी बार शादी करने वाला है और शादी के लिए लड़की वालों को दहेज तक देने को तैयार है। गुरुवार को संजय मिश्रा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, दुल्हन मिल गई है, अब तैयार हो जाइए क्योंकि बारात जल्द ही आने वाली है, आपके नजदीकी या थोड़ी दूर सिनेमाघरों में।

इस पोस्टर में महिमा चौधरी को दुल्हनिया के रूप में दिखाया गया है, जबकि संजय मिश्रा उनकी तस्वीर लिए बैठे दिख रहे हैं। संजय मिश्रा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि यह किरदार उनके लिए क्यों खास है।

अभिनेता ने कहा, दुर्लभ प्रसाद एक ऐसा किरदार है जिसे आप उसकी सादगी और मासूमियत के लिए पसंद करेंगे। इमोशन के साथ कॉमेडी हमेशा खास होती है, और इस फिल्म में दोनों ही भरपूर हैं। मैं दर्शकों को इस अनोखे दूल्हे और उसके अनोखे सफर से रूबरू कराने के लिए उत्साहित हूं।

वहीं, फिल्म के निर्माता एकांश बच्चन और हर्ष बच्चन ने बताया कि इस फिल्म की कहानी ऐसी है जो दर्शकों को हंसाने के साथ ही सोचने को भी मजबूर कर देगी। इसमें एक गहरा सामाजिक संदेश भी छिपा है।इससे पहले फिल्म की घोषणा करते हुए एक पोस्ट में संजय मिश्रा ने लिखा था, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की जिंदगी में प्यार भर दे।'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' में महिमा चौधरी, पलक लालवानी, प्रवीण सिंह सिसोदिया, और श्रीकांत वर्मा जैसे कलाकार भी हैं। एका एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म में एक ऐसे बेटे की कहानी है जो विधुर पिता की दूसरी शादी करवाना चाहता है। इस फिल्म को सिद्धांत राज सिंह ने डायरेक्ट किया है। फिलहाल फिल्म की रिलीज डेट नहीं आई है।

सन नियो की अभिनेत्रियाँ मेघा रे, गौरी शेलगांवकर और अनंदिता साहू ने साझा की अपनी खास दिवाली यादें

जैसे-जैसे रोशनी का त्यौहार पास आता है, वातावरण में दीयों की चमक, मिठाइयों की खुशबू और पुरानी यादों की मिठास घुलने लगती है। इस दिवाली, सन नियो की तीन लोकप्रिय अभिनेत्रियाँ 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' की मेघा रे, 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी: बींदणी' की गौरी शेलगांवकर और 'सत्या साची' की आनंदिता साहू ने अपने बचपन की दिवाली की यादों और इस साल के उत्सव की तैयारियों को साझा किया। 'दिव्य प्रेम: प्यार और रहस्य की कहानी' में दिव्या का किरदार निभा रहीं मेघा रे बताती हैं, नवरात्रि के बाद ही एक अलग-सी खुशी महसूस होती है, क्योंकि दिवाली के आने की बेसब्री बढ़ जाती है। जब मिठाइयों, फूलों और दीयों की खुशबू हवा में फैलती है, तो लगता है मानो पूरा वातावरण जादुई हो गया होों मेरे लिए दिवाली परिवार के साथ बिताने का खास समय होता है, जब घर की सफाई, सजावट, दीए प्रज्वलित करना, यह सब हम साथ मिलकर करते हैं। मुझे पटाखे फोड़ना ज्यादा पसंद नहीं है, क्योंकि मेरे घर में पालतू जानवर हैं और मैं जानती हूँ कि तेज़ आवाज़ से जानवरों और पक्षियों को कितनी परेशानी होती है। इस साल मैं दिवाली अपने परिवार के साथ-साथ 'दिव्य प्रेम' के सेट पर अपनी नई फैमिली के साथ भी मनाऊँगी। प्रथाओं की ओढ़े चुनरी: बींदणी में घेवर का किरदार निभा रहीं गौरी शेलगांवकर कहती हैं, दिवाली हमेशा से मेरा सबसे पसंदीदा त्यौहार रहा है। बचपन से ही जैसे ही त्यौहार का समय आता था, मैं बहुत उत्साहित हो जाती थी। माँ तरह-तरह के पकवान बनाती थीं, जैसे कि लड्डू, चिवड़ा, चकली और बहुत कुछ। मुझे और मेरे भाई को चकली सबसे ज्यादा पसंद थी और हम उसे खाकर इतनी जल्दी खत्म कर देते थे कि माँ को फिर से बनानी पड़ती थी। मुझे घर के बाहर बड़ी-बड़ी रंग-बिरंगी रंगोली बनाना भी बहुत अच्छा

लगता था। इस साल मैंने 'प्रथाओं की ओढ़े चुनरी: बींदणी' की शूटिंग से कुछ दिन की छुट्टी ली है, ताकि घर जाकर परिवार के साथ दिवाली मना सकूँ। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ कि मैं घर का खाना परिवार के साथ खाऊँ और इस त्यौहार को खूब एंजॉय करूँ।

'सत्या साची' में सत्या की भूमिका निभा रहीं आनंदिता साहू साझा करती हैं, कुछ यादें कभी फीकी नहीं पड़तीं और ओडिशा में बिताई मेरी बचपन की दिवाली उन्हीं में से एक है। मुझे याद है, कार्तिक पूर्णिमा के दिन हम सब महानदी के किनारे दीए जलाते थे, पूरा शहर दीयों से जगमगा उठता था और छेना पोड़ा और मंगल मिठाइयों की खुशबू इसे और खूबसूरत बना देती थी। आज भी वो यादें मेरे चेहरे पर मुस्कान ला देती हैं। इस साल भी मैं दिवाली पारंपरिक तरीके से मनाऊँगी जैसे घर को झोटी (रंगोली) से सजाऊँगी, दीए जलाऊँगी, पूजा करूँगी और घर की बनी मिठाइयों का आनंद लूँगी। साथ ही, मैं अपने 'सत्या साची' परिवार के साथ भी सेट पर मिठाइयाँ बाँटकर यह त्यौहार मनाऊँगी। आखिर दिवाली का असली अर्थ ही है प्यार, रोशनी और खुशियाँ बाँटना।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना धैर्य न खोएँ, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन–देन के लिए अच्छा दिन है। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है– और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देखने में आप इतना व्यस्त हो सकते हैं कि आप जरुरी कामों को करना भी भूल जाएंगे। शादी सिर्फ़ एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है; एक–दूसरे के साथ कुछ समय बिताना भी ज़रूरी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान–पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। वक्त पर चलने के साथ–साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भा–ई–बहनों के साथ घर पर कोई मूवी देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आपका जीवनसाथी आपकी कमज़ोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान–पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जल्दबाज़ी में निवेश न करें– अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुक़सान हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। काम के लिए मौक़े परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आज आराम के लिए बहुत कम समय है– क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवाद–ास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। बिना गहराई से समझे–बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप और आपका हमदम एक–दूसरे से आज एक–दूसरे की ख़ूबसूरत भावनाओं का इज़हार कर सकेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। कुछ लोगों के लिए– परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे। यह प्यार की मदहोशी है, इसे महसूस करें। जो काम आप कर चुके हैं, उसके चलते आज आपको पहचान मिलेगी। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जी–वनसाथी के साथ समय गुजारेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने दिन की शुरुआत कसरत से करें– यही वक़्त है जब आप अपने बारे में अच्छा महसूस करने की शुरुआत कर सकते हैं– इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर ख़ुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 18 अक्टूबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी दोपहर 12:20 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी सायं 03:42 तक
योग : ब्रह्म रात्रि 01:47 तक
करण : तैतिल दोपहर 12:20 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 10:12 तक
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 05:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 05:59 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:03, सूर्यास्त 05:51 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:00,सूर्यास्त 05:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : धनत्रयोदशी , शनि प्रदोष व्रत , कार्तिक मासे दीप–दानम्

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्पष्ट नीति और साफ नीयत के साथ प्रदेश में तीन गुणा गति से हो रहा विकास : सैनी

चंडीगढ़,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार किसान, गरीब, युवा और महिलाओं के कल्याण तथा उनके सर्वांगीण उत्थान के लिए पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार की विकास की नीति स्पष्ट है, नीयत साफ है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश में तीन गुणा गति से विकास के कार्य आगे बढ़ रहे हैं। राज्य सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के साथ कार्य कर रही है। जिला पंचकूला में हरियाणा सरकार के गौरवमयी एक वर्ष पूरा होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को मुख्यमंत्री संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद कल्याण, विधायक शक्ति रानी शर्मा और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का लाइव प्रसारण सभी जिलों में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रमों में किया गया और प्रदेशभर के नागरिकों ने मुख्यमंत्री के संदेश को सुना। वंचित अनुसूचित जातियों को दिया उनका अधिकार, सरकारी नौकरियों, पंचायत व स्थानीय निकायों के चुनावों में भागीदारी हुई सुनिश्चित

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब तक वंचित रह गई अनुसूचित जातियों को उनका अधिकार दिया है। इससे इन जातियों के लिए सरकारी नौकरियों में, पंचायत व स्थानीय निकायों के चुनावों में भागीदारी सुनिश्चित हुई है। पिछड़ा वर्ग–बी को पंचायती राज संस्थाओं व शहरी स्थानीय निकायों में आरक्षण दिया है। सरपंच पद के लिए 5 प्रतिशत तथा अन्य पदों के लिए उनकी जनसंख्या का 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। इसके अलावा, सरकार ने प्रजापति समाज को मिट्टी के बर्तन का कारोबार चलाने के लिए 1700 गांवों में आवा–पजावा जमीन का अधिकार पत्र दिया है। अब उनके काम में कोई बाधा नहीं आएगी। हमने प्रजापति समाज के सम्मान को बढ़ाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा राज्य के गठन से पहले के पट्टेदारों को भूमि का मालिकाना हक देने हेतु हरियाणा ग्राम शामलात भूमि अधिनियम 1961 में संशोधन किया है। पंचायतों व पालिकाओं की भूमि पर 20 वर्षों से अधिक समय से काबिज परिवारों को मालिकाना हक देने का प्रावधान किया है। इसके तहत कोई भी नागरिक कलेक्टर रेट के डेढ़ गुणा मूल्य पर उस भूमि का मालिकाना हक बारे उपायुक्त को आ–वेदन कर सकता है।

उन्होंने कहा कि पी.एम. सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत प्रदेश में 31 मार्च, 2027 तक घरों की छतों पर 2 किलोवाट तक का सोलर सिस्टम लगभग मुफ्त में लगाने का लक्ष्य रखा गया है। इस योजना में अब तक 37,825 सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। अगर किसी को 3 किलोवाट का सोलर सिस्टम लगवाना है तो तीसरे 1 किलोवाट के लिए 18 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी जाती है। पिछले 11 साल में 1 लाख 61 हजार 837 सोलर पंप लगाए हैं। इनमें से 33,553 सोलर पंप पिछले एक साल में लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दयालु योजना के तहत 1.80 लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले 8,299 पात्र परिवारों को 309 करोड़ 67 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। इसके अलावा, गरीब परिवारों की बेटियों की शादी पर 'मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना' के तहत 71 हजार रुपये तक शगुन दिया जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने किसान को अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है। आज हरियाणा में सभी फसलों की खरीद एम.एस.पी. पर की जाती है। पिछले 11 फसल सीजन में 12 लाख किसानों के खातों में 1 लाख 54 हजार करोड़ रुपये सीधे डाले गए हैं। फसल बेचने के 48 घंटे के भीतर भुगतान हमारी ईमानदार व्यवस्था का उदाहरण है। इसके अलावा, पिछले साल बारिश कम होने से किसानों के आर्थिक बोझ को कम करने के लिए खरीफ फसलों के लिए 2,000 रुपये प्रति एकड़ की दर से बोनस के रुप में कुल 1345 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई। सरकार ने फसल खराब होने पर गत 11 सालों में किसानों को मुआवजे और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत अब तक 15 हजार करोड रुपये से अधिक की राशि दी है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा कृषि भूमि पट्टा विधेयक–2024 पारित करके पट्टेदार किसानों और भूमि मालिकों के बीच विश्वास बहाली का काम किया है। नकली खाद, बीज और कीटनाशक बनाने व बेचने वालों को 5 साल की सजा देने का कानून लागू किया। बागवानी को बढ़ावा देने के लिए हमने भावांतर भरपाई योजना लागू की है। इस योजना के तहत लगभग 30 हजार किसानों को 135 करोड़ 37 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि किसानों के बैंक खातों में डाली गई।

नायब सरकार देश में विकास सुशासन और विश्वास की नई पहचान बनी : बड़ौली

चंडीगढ़,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने प्रदेशवासियों को दीपावली त्योहार की बधाई देते हुए कहा कि भाजपा सरकार के 11 वर्ष के कार्यकाल में हरियाणा का कमजोर व वंचित, महिला, युवा तथा किसान वर्ग खुशहाल हुआ है। जहां पहले योजनाओं का लाभ लेने के लिए गरीब व वंचित लोगों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने पड़ते थे, लेकिन आज भाजपा सरकार ऑनलाईन माध्यम से उनको घर बैठे योजनाओं का लाभ प्रदान कर रही है। हरियाणा में भाजपा सरकार के 11 वर्ष पूरे होने तथा मुख्यमंत्री नायब सैनी सरकार के एक वर्ष पूरा होने पर शुक्रवार को रेलवे रोड़ स्थित पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस सोनीपत में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने भाजपा सरकार की उपलब्धियों का बखान किया वहीं विपक्ष को भी घेरा।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 में भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में 217 वायदें किए थे, जिनमें से अब तक नायब सरकार 48 वायदों को पूरा कर चुकी है और 90 वायदों को वर्ष 2025 के अंत तक पूरा कर देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है वहीं करके दिखाती है। धरातल पर हुए कार्यो के विश्वास पर ही जनता ने तीसरी बार हरियाणा में भाजपा का परचम लहराने का कार्य किया। बडौली ने कहा कि पिछले दिनों हरियाणा में हुए शहरी निकाय चुनावों में भी भाजपा ने ऐतिहासिक जीत हासिल की, जिसकी बदौलत आज हरियाणा में ट्रिपल ईंजन की सरकार तीन गुणा रफ्तार से प्रदेश का विकास कर रही है। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज भाजपा सरकार देश में विकास, सुशासन और विश्वास की नई पहचान बनी है। पिछले 11 वर्षों में प्रदेश ने जनकल्याण, पारदर्शिता और विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। भाजपा ने हरियाणा एक–हरियाणवी एक के मंत्र के साथ राज्य ने समग्र विकास का रास्ता अपनाया है। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा में पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से लाखों युवाओं को बिना पर्ची–बिना खर्ची के योग्यता के आधार पर सरकार नौकरी मिली है। पारदर्शी ट्रांसफर पॉलिसी से सरकारी तंत्र में जवाबदेही और निष्पक्षता आई। उन्होंने कहा कि ई–गवर्नेंस के जरिए प्रत्येक योजना और सेवा ऑनलाईन हुई, जिससे भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लगी।बड़ौली ने कहा कि आज हरियाणा देश का पहला राज्य है जो किसानों की 24 फसलों की खरीद एमएसपी पर कर रहा है। फसलों के दामों का सीधे किसानों के खाते में भुगतान किया जा रहा है। मेरी फसल, मेरा ब्यौरा जैसी योजन–ाओं से किसानों को सीधा लाभ मिल रहा है। सरकार ने मण्डियों में किसानों के लिए सभी सुविधाएं देने का कार्य किया है ताकि हमारे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रेलवे पुलिस चौकी इंचार्ज के खिलाफ भ्रष्टाचार का चालान पेश आत्महत्या मामले में मांगी थी रिश्वत

चंडीगढ़,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (रा.स. एवं भ्र.नि.ब्यूरो), हिसार ने भ्रष्टाचार के एक मामले में आरोपी पुलिस सहायक उप–निरीक्षक महेन्द्र सिंह (तत्कालीन इंचार्ज, रेलवे पुलिस चौकी हांसी) के विरुद्ध न्यायालय, हिसार में चालान पेश किया है। महेन्द्र सिंह के खिलाफ धारा 7, 13(1)बी सहपठित 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की गई है।

शिकायतकर्ता ने रा.स. एवं भ्र.नि.ब्यूरो, हिसार को दी गई शिकायत में आरोप लगाया था कि उसके दोस्त संदीप (गांव मइयड़, हिसार) ने 13.7.2025 को रेलवे लाइन पर आत्महत्या कर ली थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, डख महेन्द्र सिंह ने उसके एक अन्य दोस्त सोमबीर को फोन करके आत्महत्या के मामले में पूछताछ के लिए रेलवे पुलिस चौकी हांसी बुलाया। रिश्वत की मांग: 16.8.2025 को जब शिकायतकर्ता अपने दोस्त सोमबीर के साथ डख महेन्द्र सिंह से मिला, तो उप–निरीक्षक महेन्द्र सिंह ने उसे चौकी से बाहर बुलाकर कहा कि यह मामला बड़ा है, इसमें 20/30 हजार रुपये लगेंगे।

रिश्वत की सहमति: बार–बार अनुरोध करने पर, आरोपी महेन्द्र सिंह 15,000/– रुपये नकद रिश्वत लेने पर सहमत हो गया था। इस मामले में आरोपी के विरुद्ध अभियोग संख्या 33 दिनांक 21.8.2025, धारा 7 पीसी एक्ट 1988 के तहत रा.स. एवं भ्र.नि.ब्यूरो, हिसार में मामला दर्ज किया गया था। अब ब्यूरो ने इस मामले में जांच पूरी कर कोर्ट में चालान पेश कर दिया है।

राज्यपाल घोष ने 'एक दिया देश के नाम' कार्यक्रम का शुभारंभ कर 50 छात्राओं को कश्मीर के लिए किया रवाना

चंडीगढ़,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों की 50 छात्राओं को आज हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने 'एक दिया देश के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत राजभवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर कश्मीर के लिए रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष और राज्यपाल के सचिव डी.के. बेहरा भी उपस्थित थे।

'एक दिया देश के नाम' कार्यक्रम मीडिया छात्र एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश सेवा से प्रेरणा लेकर आयोजित इस यात्रा में हरियाणा के विभिन्न विश्वविद्यालयों की छात्राएँ कश्मीर जाकर सीमाओं पर तैनात सैनिकों के साथ दीपावली का पर्व मनाएंगी। राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यदि आज हम अपने घरों में सुरक्षित रहकर खुशियाँ मना रहे हैं, तो इसका श्रेय हमारे उन वीर सैनिकों को जाता है जो सीमाओं पर देश की रक्षा में दिन–रात तत्पर रहते हैं।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की बेटियाँ इस कार्यक्रम के माध्यम से देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल कायम कर रही हैं। हमें गर्व है कि हरियाणा की धरती सदा से शौर्य, पराक्रम और देशभक्ति के लिए जानी जाती रही है।

माननीय राज्यपाल ने छात्राओं के उत्साह, समर्पण और देश सेवा की भावना की सराहना करते हुए कहा कि हरियाणा की बेटियाँ आज शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल और सामाजिक कार्यों सहित प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं। हमें हरियाणा की बेटियों पर गर्व है। भारतीय सैनिकों की अदम्य साहस और कर्त्तव्यनिष्ठा को रेखांकित करते हुए माननीय राज्यपाल प्रो0 असीम कुमार घोष ने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने जब भी जरूरत पड़ी दुश्मनों से डटकर सिर्फ मुकाबला ही नहीं किया बल्कि उन्हें भारी शिकस्त दी, चाहे 1948, 1965 व 1971 की लड़ाई हो या कारगिल युद्ध हो, हमारे वीर सैनिकों ने हमेशा देश का नाम रोशन किया।

माननीय राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने इस अवसर पर कार्यक्रम से जुड़ी छात्राओं, सहयोगी टीम और उनके अभिभावकों को सम्मानित किया। सम्मानित प्रतिभागियों में नैंसी नैन (टीम लीडर), आरती जांगड़ा एवं मुस्कान दुहान (पुलिस कोऑर्डिनेटर), साक्षी सिंह (आवास प्रबंधन), हेमंत शर्मा (मीडिया हेड) तथा आदित्य (व्यवस्था प्रबंधक) शामिल थे।

राष्ट्रपति मुर्मु ने विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में एसीएस कुंजी लाल मीणा को सौंपा पुरूस्कार

जयपुर,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास कार्य व सरकारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने, शिकायत निवारण प्रणाली को पूर्ण प्रभावी बनाने और जनजाति वर्ग के अधिकारों की अक्षरशः पालना, उनके कल्याण और उत्थान के मामले में राजस्थान देश में नम्बर 1 पर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'आदि कर्मयोगी अभियान' के नेशनल कॉन्क्लेव में राज्य के जनजाति विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) में राजस्थान के देशभर में प्रथम रहने पर पुरूस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर केन्द्रीय जनजाति विकास मंत्री जुएल ओराम और राजस्थान के जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी भी उपस्थित थे।

धरती आभा अभियान का मकसद अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जनजातीय समुदायों तक जागरूकता और पहुंच बढ़ाकर उनका सशक्तीकरण सुनिश्चत करना है। धरती आबा और पीएम–जनमन केन्द्र सरकार की बेहद उच्च प्राथमिकता वाले अभियान/योजनाओं में शामिल हैं, जिनकी प्रगति की मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकता वाले क्षेत्र में नवाचार के लिए बहुत उच्च स्तरीय सिस्टम कार्यरत है। कार्यक्रम के बाद एसीएस कुंजीलाल मीणा ने बताया कि इस अभियान में देश के 549 जिलों के 63,000 से अधिक जनजातीय बहुल गांव कवर किए गए हैं। राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति अभियान के रूप में संचालित इस अभियान में 207 जिलों की 29,000 से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियां शामिल हैं।

अंता उपचुनाव 2025

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग की सख्त तैयारी

जयपुर,17 अक्टूबर (एजेंसियां)।

निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव एवं अंता तथा अन्य उपचुनावों के दौरान नकदी, शराब, नशीले पदार्थों और अन्य प्रलोभनों की आवाजाही पर सख्त अंकुश लगाने के उद्देश्य से आज नई दिल्ली स्थित निर्वाचन सदन में प्रवर्तन और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी के साथ बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को चुनाव प्रक्रिया के दौरान सक्रिय और निवारक कार्रवाई सुनिश्चित करने की उनकी जिम्मेदारियों के संबंध में विस्तार से अवगत कराया गया।

बैठक का मुख्य उद्देश्य चुनावों में धन, शराब, नशीले पदार्थों और अन्य प्रलोभनों के प्रभावों से निपटने के लिए एक व्यापक रोडमैप तैयार करना था।बैठक में सीबीडीटी, सीबीआईसी, ईडी, डीआरआई, सीईआईबी, एफआईयू–आईएनडी, आरबीआई, आईबीए, एनसीबी, आरपीएफ, सीआईएसएफ, बीएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एएआई और डाक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसके साथ ही मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, राज्य पुलिस नोडल अधिकारी (एसपीएनओ) और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) वर्चुअल माध्यम से जुड़े।बैठक के दौरान विभिन्न एजेंसियों ने आयोग को अपनी तैयारियों, प्रलोभन–मुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए अपनाए गए उपायों और आगामी कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। एजेंसियों ने बताया कि धन और अन्य प्रलोभनों के जरिए चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयासों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष निगरानी और समन्वय तंत्र तैयार किया गया है।निर्वाचन आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे आर्थिक अपराधों से जुड़ी खुफिया सूचनाओं का आपसी आदान–प्रदान और घनिष्ठ सहयोग सुनिश्चित करें ताकि प्रभावी कार्रवाई की जा सके। आयोग ने राष्ट्रीय, राज्य और जिला स्तर पर समन्वय तंत्र को और मजबूत करने पर बल दिया।

एनडीए में सीएम फेस पर अब भी सवाल, गृह अमित शाह बोले–

चुनाव के बाद गठबंधन मिलकर तय करेगा

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा? यह अब तक तय नहीं हुआ है। गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद यह बात साफ हो गई है। गृह मंत्री अमित शाह से एक चैनल पर दिए गए इंटरव्यू में जब सवाल किया गया कि अगर बिहार चुनाव में एनडीए जीतता है तो क्या आप नीतीश कुमार बनाएंगे? तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि में भला कौन होता हूं किसी को मुख्यमंत्री बनाने वाला। इतनी सारी पार्टियों का गठबंधन है। बिहार चुनाव के बाद जब सभी दल एकजुट होंगे विधायक दल के नेता बैठेंगे तो अपना नेता तय कर लेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है नीतीश कुमार पर न सिर्फ भाजपा बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा? इसका फैसला विधायक दल के नेता आपस में बैठकर तय कर लेंगे।

इधर गृह मंत्री अमित शाह के इस बयान के बाद सियासत गरमा गई कांग्रेस ने अमित शाह के इस बयान को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया और लिखा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। अमित शाह ने क्लियर कर दिया। वहीं एनडीए गठबंधन के घटक दल के प्रमुख केंद्रीय मंत्री जीतन मांझी ने कहा कि अमित शाह एनडीए के प्रमुख नेताओं में आते हैं। उन्होंने कहा है कि उस बात को आधिकारिक ही माना जाएगा।

लेकिन, मुझे लगता है कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री का नाम तय हो जाना चाहिए था। ऐसे में कोई दुविधा नहीं रहती। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नाराजगी के सवाल पर जीतन राम मांझी ने कहा कि हाल में ही सीएम नीतीश ने नाराजगी जताई थी। लेकिन, अब सब ठीक हो चुका है। गठबंधन में सब कुछ ठीक हो चुका है।

बता दें कि शुक्रवार सुबह गृह मंत्री अमित शाह ने सीएम नीतीश कुमार से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की थी। इसके बाद जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष ने इस मुलाकात के बारे में कहा कि बिहार चुनाव में आगे की कैंपेनिंग रणनीति को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। अब समय कम है, इसलिए कई मुद्दों पर बातचीत हुई। एनडीए में कोई गड़बड़ी नहीं है। सबकुछ ठीक है। हमलोग एकजुट हैं। सीएम नीतीश कुमार ही चेहरा हैं।

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल (यूनाइटेड) यानी जदयू दोनों 101–101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छह सीटें दी गई हैं। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को भी छह सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिला है।

महागठबंधन में दरार, कांग्रेस और राजद के उम्मीदवार आमने–सामने

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। वैशाली जिले में बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का नामांकन आज अंतिम दिन है। इस दौरान तमाम राजनीतिक दल अपने–अपने उम्मीदवारों को टिकट देने में जुटे हुए हैं। मुकेश साहनी की पार्टी को महागठबंधन में कितनी सीटें मिली हैं, इसकी अभी तक अधिकारी घोषणा नहीं हुई है।

वैशाली विधानसभा सीट पर महागठबंधन के उम्मीदवार अब अपने ही साथी के खिलाफ मैदान में खड़े हो गए हैं। कांग्रेस के सिंबल पर संजीव कुमार ने 15 नवंबर को नामांकन दाखिल किया, जबकि राजद के सिंबल पर अजय कुशवाहा 17 नवंबर को यानी आज नामांकन करेंगे। इस स्थिति से गठबंधन के कार्यकर्ता असमंजस में हैं और जनता में तरह–तरह के कयास लगाए जा रहे हैं।

महागठबंधन के भीतर टिकट बंटवारे को लेकर कांग्रेस और राजद में पहले से तनाव था। दोनों दलों ने अपने उम्मीदवारों को सिंबल प्रदान कर समझौता करने की कोशिश की, लेकिन इसके बावजूद गठबंधन में दरार स्पष्ट नजर आ रही है।

कांग्रेस उम्मीदवार संजीव कुमार ने कहा कि परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, वह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि राजद के अजय कुशवाहा मैदान में आते हैं, तो उनके खिलाफ सीधी टक्कर होगी। दोनों दल अपने–अपने सिंबल वापस लेने को तैयार नहीं हैं।

जनता के आशीर्वाद से जीत की हैट्रिक लगाऊंगा
कांग्रेस प्रत्याशी आनंद शंकर सिंह ने भरा नामांकन

औरंगाबाद (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दूसरे चरण के नामांकन के पांचवें दिन शुक्रवार को कांग्रेस प्रत्याशी एवं निवर्तमान विधायक आनंद शंकर सिंह ने औरंगाबाद विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल किया। आनंद शंकर सिंह अपने सत्येंद्र नगर स्थित आवास से समर्थकों के साथ पैदल जुलूस के रूप में जिला समाहरणालय पहुंचे। समर्थक हाथों में पार्टी के झंडे और बैनर लिए नारे लगाते हुए उनके साथ चल रहे थे। जिला समाहरणालय पहुंचने के बाद आनंद शंकर सिंह सीमित समर्थकों के साथ निर्वाची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह के कक्ष में पहुंचे और उनके समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया।

नामांकन की औपचारिकता पूरी करने के बाद जब वे समाहरणालय से बाहर निकले, तो उनके समर्थकों ने फूलों की माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने आनंद शंकर जिंदाबाद और कांग्रेस पार्टी अमर रहे जैसे नारे लगाए, जिससे माहौल चुनावी उत्साह में बदल गया।

नामांकन के बाद मीडिया से बातचीत में कांग्रेस प्रत्याशी आनंद शंकर सिंह ने दावा किया कि इस बार भी जनता के आशीर्वाद से वे चुनाव जीतेंगे और लगातार तीसरी बार विधानसभा की जीत की हैट्रिक लगाएंगे। उन्होंने कहा, मैं औरंगाबाद का बेटा हूं, जनता के हर सुख–दुख में साथ रहा हूं। विधायक रहते हुए सड़कों का जाल बिछाया है, विकास के ढेर सारे काम किए हैं। जनता अब फिर से अपने बेटे और भाई को विजय दिलाने जा रही है। आनंद शंकर सिंह ने यह भी कहा कि इस बार प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों को मुंह की खानी पड़ेगी और बिहार में तेजस्वी यादव के नेतृत्व में इंडी अलायंस–महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है।

भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल लड़ेंगे छपरा से चुनाव
पत्नी को इस कारण नहीं मिला राजद का सिंबल

सारण (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के अंतर्गत छपरा विधानसभा सीट से भोजपुरी सु–परस्टार खेसारी लाल यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के टिकट पर चुनाव लड़ने की घो–षणा की है। इससे राजग गठबंधन, विशेषकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और उसके सहयोगी दलों में खलबली मच गई है। हालांकि, गुरुवार देर शाम तक उनकी पत्नी चंदा देवी के नाम की चर्चा थी। राजद ने उन्हें सिंबल भी दे दिया था। क्योंकि, मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। इस कारण अंततः देर रात राजद के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने खेसारी लाल यादव को पार्टी का अधिकृत प्रत्याशी घोषित करते हुए उन्हें चुनाव चिन्ह (सिंबल) सौंप दिया। खेसारी लाल यादव अब शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

राजद की ओर से अधिकृत प्रत्याशी बनाए जाने के बाद खेसारी लाल यादव ने कहा कि वे लालू प्रसाद यादव की विचारध–ारा और सामाजिक न्याय के सिद्धांतों से प्रभावित होकर राजनीति में आए हैं। उन्होंने कहा कि छपरा सहित सारण जिले की जनता ने हमेशा उन्हें भरपूर स्नेह दिया है और अब वह इस स्नेह को विकास के रूप में लौटाना चाहते हैं। खेसारी ने कहा कि मेरे लिए राजनीति शोहरत पाने का जरिया नहीं, बल्कि समाज सेवा का माध्यम है। मेरा उद्देश्य है कि छपरा सहित पूरे बिहार में बदलाव लाया जाए और इसी उद्देश्य के साथ हम चुनावी मैदान में उतरे हैं।

बीते 15 दिनों से खेसारी लाल यादव की उम्मीदवारी को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी। पहले उनकी पत्नी चंदा देवी का नाम संभावित प्रत्याशी के रूप में सामने आया था। लेकिन, उन्होंने ऑनलाइन आवेदन देकर नाम जुड़वाने का प्रयास किया था, जिसे बीएलओ ने सत्यापित भी कर दिया था।

आवेदन देर से होने के कारण उनका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सका। इसी कारण वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हो गई।

बता दें कि एकमा विधानसभा क्षेत्र के रसूलपुर थाना अंतर्गत धानाडीह गांव निवासी मंगरू प्रसाद यादव के पुत्र खेसारी लाल यादव ने संघर्ष के बलबूते फर्श से अर्श तक का सफर तय किया है। बावजूद इसके, वह अपनी मिट्टी और समाज से गहरा जुड़ाव बनाए हुए हैं।

पहले भी उन्होंने पंचायत चुनाव में अपनी भाभी को रसूलपुर पंचायत से मुखिया पद के लिए मैदान में उतारा था, हालांकि वे चुनाव हार गई थीं। फिर भी खेस–ारी लाल ने ग्रामीणों से जुड़ाव बनाए रखा और सेवा कार्यों में सक्रिय रहे। सेवा भाव और जनसंपर्क की मजबूत नींव देखकर राजद ने उन्हें छपरा से उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है।

एनडीए ने झोंकी ताकत: बीजेपी के चुनाव प्रचार में छाया हिंदुत्व का मुद्दा

महागठबंधन नामांकन के आखिरी दिन तक सीटों में उलझा

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण के नामांकन की आखिरी तारीख 17 अक्टूबर है। एक तरफ एनडीए टिकट वितरण से निश्चिंत हो कर प्रचार में जुट गया हो तो दूसरी तरफ महागठबंधन अभी भी सीटों के बंटवारा और समायोजन में ही उलझा हुआ है। स्थिति ये है कि मुकेश सहनी की सीट (गौरा बौड़ाम) गुरुवार देर रात फाइनल हुई जिसकी वजह से उन्हें बेहद हड़बड़ी में आखिरी दिन नामांकन करना पड़ा। मुकेश सहनी की पार्टी को 15 सीट मिली है। राजद, कांग्रेस और वाम दल अंत अंत सीटों की पेंच सुलझाने में लगे हैं। इनके लिए फिलहाल सिम्बल बांटना ही आसान लग रहा है। इस आपाधापी में झगड़े की नौबत आ गयी है। जैसे बछवाड़ा सीट पर कांग्रेस और सीपीआई दोनों ने उम्मीदवार खड़ा कर दिया है।

टिकट वितरण से निश्चित हो कर भाजपा ने चुनाव प्रचार में धार कर दिया है। भाजपा के चार बड़े नेता अलग अलग प्रत्याशियों के नामांकन में आये और चुनावी सभाओं को संबोधित किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर भाजपा प्रत्याशियों के जनसमर्थन के लिए पटना पहुंचे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपनी पहली चुनावी सभा में ही हिंदुत्व की भावना उभारने की कोशिश की। यानी इस चुनाव में भाजपा के लिए हिंदुत्व भी एक चुनावी मुद्दा होगा।

योगी आदित्यनाथ दानापुर के भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव और सहरसा के भाजपा प्रत्याशी आलोक रंजन झा के नामांकन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस और राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, उन्हें बुर्का चाहिए ताकि फर्जी वोट डाल कर गरीबों और दलितों के हक पर डकैती डाल सकें। लालू यादव ने केवल अपने परिवार का विकास किया जब कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 140 करोड़ भारतीयों के विकास के लिए कृतसंकल्पित हैं। अब ये लोग विकास बनाम बुर्का की नयी बहस खड़ी कर रहे हैं। लेकिन जनता इनकी असलियत समझती है।

रेखा गुप्ता लखीसराय के भाजपा उम्मीदवार और उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा की नामांकन सभा में शामिल हुईं। रेखा गुप्ता ने लखीसराय के प्रसिद्ध शिव मंदिर, अशोक धाम के जयकारे से अपने भाषण की शुरुआत की। फिर उन्होंने 10 दिन बाद से शुरू हो रही छठ पूजा को ध्यान में रख कर छठी मईया की जय, का भी उद्घोष किया। एक राजनीतिक सभा में उन्होंने आध्यात्मिक रंग घोल दिया। रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बिहार से लगाव का जक्र करते हुए कहे, 11 साल में वे 58 बार बिहार आ चुके हैं। इससे उनके बिहार के विकास की फिक्र को समझा जा सकता है। विजय कुमार सिन्हा की नामांकन सभा को केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और जीतन राम मांझी ने भी संबोधित किया।

टिकट नहीं मिलने पर फूट–फूटकर रोए कांग्रेस नेता इरफान आलम

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया की कसबा विधानसभा सीट पर टिकट बंटवारे को लेकर मची खींचतान अब सार्वजनिक रूप से सामने आ गई है। कांग्रेस पार्टी से टिकट न मिलने के बाद पूर्व प्रमुख इरफान आलम फूट–फूटकर रो पड़े, जिसका भावुक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इरफान आलम का रोना केवल टिकट न मिलने की निराशा नहीं, बल्कि उनके जटिल राजनीतिक इतिहास का नतीजा है। आलम को पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के बेहद करीबी नेताओं में गिना जाता है। पप्पू यादव के कांग्रेस में शामिल होने के बाद आलम की उम्मीदें चरम पर थीं।

इरफान आलम पहले जेडीयू में थे, लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने पप्पू यादव को कसबा से मुस्लिम वोट दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी। इस पार्टी विरोधी अंदरूनी मामले को देखते हुए, जेडीयू ने उन्हें छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। इसके बाद आलम ने कांग्रेस का दामन थामा और कसबा से विधानसभा चुनाव की तैयारी में पूरी ताकत झोंक दी थी। उनके समर्थकों का मानना है कि पप्पू यादव की करीबी और कांग्रेस के प्रति उनके समर्पण के बावजूद, उन्हें दरकिनार कर दिया गया, जिससे उनकी वफादारी पर सवाल खड़े हो गए। कांग्रेस ने कसबा सीट पर लगातार तीन बार के मौजूदा विधायक मो. आफाक आलम पर भरोसा जताया है, जिससे इरफान आलम को निराशा हुई।

स्थिति का संभावित राजनीतिक असर यह है कि वायरल वीडियो कांग्रेस के आलाकमान पर आंतरिक दबाव बढ़ाएगा और टिकट वितरण में पारदर्शिता पर सवाल खड़े करेगा। इरफान आलम की मजबूत जमीनी पकड़ और उनके भावुक विरोध के चलते, उनके निर्दलीय चुनाव लड़ने की संभावना बढ़ गई है, जिससे कसबा सीट पर कांग्रेस और महागठबंधन के वोट बिखर सकते हैं।

इरफान आलम का रोना इस बात का संकेत है कि बिहार में टिकट बंटवारे को लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में असंतोष चरम पर है, और यह मसला कसबा के चुनावी नतीजों को सीधे प्रभावित कर सकता है।

नीतीश के नेतृत्व में प्रगति पथ पर बढ़ रहा बिहार : मोहन यादव

गयाजी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने नीतीश कुमार की सरकार की सराहना की है। उन्होंने कहा कि नीतीश के नेतृत्व में बिहार प्रगति पथ पर आगे बढ़ रहा है। मोहन यादव शुक्रवार को गया शहरी विधानसभा के एनडीए प्रत्याशी डा. प्रेम कुमार के नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद गयाजी में पत्रकारों से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि मैं महाकाल की नगरी से मुक्तिधाम आया हूं। यह मेरा भी सौभाग्य है। बिहार निरंतर एनडीए की सरकार के देखरेख में विकास और प्रगति में आगे बढ़ा है। इस प्रगति को आगे भी कायम रखना है। इसके बाद प्रेक्षागृह सह आर्ट गैलरी में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कि गयाजी धाम से नौवीं बार प्रेम कुमार को आशीर्वाद देने का आग्रह किया। कहा कि, एनडीए सरकार की बदौलत बिहार में अमन–चैन और शांति के साथ–साथ कानून का राज चल रहा है। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार के विकास को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाने के लिए डबल इंजन की सरकार जरूरी है। अब बिहार में किसी कोने से पटना पहुंचने में एक से डेढ़ घंटे का समय लगता है। 11 वर्षों के मोदी–नीतीश की सरकार ने बेहतर बिहार बनाने का प्रयास किया है। विपक्षी दलों पर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि बिहार को पुराने युग में लाने के लिए ये मतदाताओं को भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। इनसे सावधान रहने की जरूरत है। डिप्टी सीएम ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की जितनी कल्याणकारी योजनाएं चलाई गई है, उनके दो करोड़ लाभुक ही एनडीए के पक्ष में वोट करें तो 200 सीट प्राप्त कर हम सरकार बनाएंगे। डिप्टी सीएम ने कहा कि भाजपा ने बराबर गठबंधन का धर्म का पालन करते हुए सहयोगी दल के नेता को मुख्यमंत्री बनाने का कार्य किया है।

कई सीटों पर कांग्रेस और वाम दल आमने– सामने, सियासी अखाड़े में दोस्त को पटखनी देंगे महागठबंधन के पहलवान

पटना (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा 2025 में चुनाव का एक अलग रंग दिखने लगा है। और यह रंग है दोस्ताना जंग का। इस जंग का नजारा महागठबंधन के कुछ विधानसभा सीटों में दिखने लगा है। ये वही सीट हैं, जहां गठबंधन के साथी दलों में समन्वय नहीं बन सका। और फिर इस तयशुदा जंग से कोई नकारात्मक संदेह न फैले, इस बाबत इस जंग को दोस्ताना संघर्ष का नाम दे दिया है। आइए जानते हैं वे कौन सी विधानसभा सीटें हैं जहां दोस्ताना संघर्ष होने जा रहा है। और यह जंग किस– किस के बीच होगा!

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में दोस्ताना संघर्ष का संकेत बछवाड़ा विधानसभा से भी मिला है। मिली जानकारी के अनुसार बेगूसराय की बछवाड़ा विधानसभा सीट पर वाम दल सीपीआई और कांग्रेस के उम्मीदवार आमने–सामने होंगे। कांग्रेस ने यूथ प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास को बछवाड़ा से टिकट दिया है। वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) पहले ही इस सीट से अवधेश राय को सिंबल दे चुकी है। लालगंज विधानसभा में अभी तक दोस्ताना संघर्ष ही दिख रहा है। यहां से तय यह था कि राजद के पूर्व विधायक और बाहुबली नेता मुन्ना शुक्ला की बेटी शिवानी शुक्ला चुनाव लड़ेंगी। लेकिन इस सीट पर कांग्रेस ने कांग्रेस ने लालगंज सीट को बनिया समाज के उम्मीदवार को सौंप दिया है। कांग्रेस ने इस सीट से आदित्य कुमार राजा को उम्मीदवार बनाया है। शिवानी का सीधा आरोप है कि कांग्रेस ने पैसा लेकर टिकट बेच दिया। पर खबर यह भी है कि यह विवाद सुलझा लिया गया है। वैशाली विधानसभा भी दोस्ताना संघर्ष का गवाह बनने जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस यहां से संजीव कुमार को टिकट दे दी है और राजद ने भी अजय कुशवाहा को। झंझारपुर विधानसभा में भी वाम दल और कांग्रेस के बीच संघर्ष अभी चल रहा है। यहां भी वाम दल और कांग्रेस में तलवारें खिंची पड़ी हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com